RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 263
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 1 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत में रोहिंग्या घुसपैठ कई गुना बढ़ गई है

राष्ट्रीय-10

शाह का दावा, केरल को चेताया था, मुख्यमंत्री ने किया इनकार

वायनाड में भारी भूस्खलन के बाद बुधवार को राहत और बचाव कार्य जारी रहा।

● भारी भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 200 पार पहुंची

कुमार चेल्लपन। नई दिल्ली/कोच्चि

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केरल में भारी बारिश की अग्रिम चेतावनी राज्य सरकार को वायनाड में घातक भूस्खलन से कम से कम एक सप्ताह पहले जारी की गई थी, जिसने मौत और विनाश के भारी निशान छोड़े हैं। दूसरी ओर केरल सरकार ने आरोप लगाया कि मौसम विभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियां वायनाड जिले में हुई बारिश और भूस्खलन के बारे में प्रारंभिक चेतावनी जारी करने में बुरी तरह विफल रहीं। शाह ने संसद को नवीनतम जानकारी देते हुए कहा, 18 जुलाई को अनुमान लगाया गया था कि केरल के पश्चिमी तट पर सामान्य से अधिक बारिश होगी। 25 जुलाई को पूर्वानुमान था कि भारी बारिश होगी। 23 जुलाई को ही एनडीआरएफ की आठ टीमों को इस क्षेत्र में भेजा गया था। केंद्र ने किसी भी आपदा की स्थिति में केरल सरकार की सहायता के लिए 23 जुलाई को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की आठ टीमें भेजी थीं।

गृह मंत्री ने कहा, जब वायनाड में भूस्खलन हुआ, तो एनडीआरएफ टीमों को कलेक्टर से हरी झंडी मिल गई और राहत अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया। शाह ने कहा कि लगभग छह साल पहले, आईआईटी-दिल्ली के विशेषज्ञों ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को स्थानांतरित करने का सुझाव दिया था, लेकिन उनकी सलाह पर ध्यान नहीं दिया गया। मंगलवार को हुए भारी भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बुधवार शाम तक 200 का आंकड़ा पार कर जाने के बावजूद, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने अमित शाह (शेष पेज 9)

कोचिंग सेंटरों को नरेला और रोहिणी में स्थानांतरित करेंगे

● तीन आईएएस उम्मीदवारों की मौत के बाद दिल्ली सरकार बना रही योजना

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पुराने राजिंदर नगर इलाके में राऊज आईएएस अध्ययन केंद्र के बेसमेंट में डूबने से तीन आईएएस उम्मीदवारों की दुखद मौत के बाद दिल्ली सरकार नरेला और रोहिणी में कोचिंग सेंटरों को स्थानांतरित करने और इसे एक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कोचिंग सेंटरों के नियमन से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति कोचिंग संस्थानों को विभिन्न स्थानों से सुनियोजित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की कार्ययोजना तैयार करेगी। राउज कोचिंग सेंटर के पास नागरिक अधिकारियों और 'कोचिंग माफिया' के खिलाफ लगातार चौथे दिन आईएएस अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन के बीच दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने बुधवार को तीन छात्रों की मौत के मामले में नगर

नई दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में हाल ही में तीन छात्रों की डूबने से हुई मौत के बाद धरना दे रहे छात्रों से बातचीत करता एक पुलिसकर्मी। फोटोः रंजन डिमरी

निकाय की विफलता को स्वीकार करते हुए कहा कि इसमें गंभीर संरचनात्मक मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है।

पुराने राजिंदर नगर में यूपीएससी कोचिंग हब में प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, वरिष्ठ नागरिक निकाय अधिकारी ने कहा कि घटना के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता है और एजेंसी को अपना कर्तव्य बेहतर ढंग से निभाना चाहिए था। मंगलवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने वाले छात्रों ने थॉमस के साथ बैठक के बाद बुधवार सुबह इसे समाप्त कर दिया। सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को कोचिंग केंद्रों में वसूले जाने वाले अत्यधिक किराये और कर चोरी के लिए अनिवार्य नकद लेनदेन पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि एक पोर्टल स्थापित किया जाए, जिसमें शहर के सभी कोचिंग संस्थानों और नामांकित छात्रों के आधार आधारित लॉग-इन क्रेडेंशियल हों। इससे एक पारदर्शी डेटाबेस बनाने में मदद मिलेगी जो सरकार को समय-समय पर नीतिगत ढांचे को आकार देने में मदद करेगी।

समिति में कोचिंग संस्थानों के पांच से छह प्रतिनिधि, छात्र और संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति सभी मापदंडों को पूरा करते हुए एक अनुकूल शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए विनियमन, (शेष पेज 9)

ईरान में हमास नेता हनिएह की हत्या, इजराइल पर शक

पीटीआई। बेरूत

ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद हमास नेता इस्माइल हनिएह की हत्या कर दी गई। ईरान और उग्रवादी समूह हमास ने बुधवार तड़के यह जानकारी दी। हमास ने अपने राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख की मौत के लिए इजराइल के हवाई हमले को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि वह हनिएह की हत्या की जांच कर रहा है। उसने यह नहीं बताया कि हत्या कैसे हुई और हनिएह को किसने मारा। फिलहाल किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसका शक इजराइल पर है, जिसने सात अक्टूबर को देश में हुए अप्रत्याशित हमले को लेकर हनिएह और हमास के विभिन्न कमांडरों को मारने का संकल्प लिया था। इजराइल ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हमास ने बताया कि हनिएह समूह के अन्य अधिकारियों और हिजबुल्ला तथा सहयोगी समूहों के अन्य अधिकारियों के साथ ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने (शेष पेज 9)

पूजा खेडकर अब आईएएस अफसर नहीं

● यूपीएससी ने चयन रद्द किया, भविष्य में आयोग की किसी भी परीक्षा में बैठने पर लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बुधवार को एक प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर की 2022 सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में उम्मीदवारी रद्द कर दी और उन्हें आयोग की किसी भी भविष्य की परीक्षा में बैठने से रोक दिया। अनुमति से अधिक बार परीक्षा में उपस्थित होकर नियमों का उल्लंघन किया था। इसमें कहा गया है कि सीएसई-2022 (सिविल सेवा परीक्षा-2022) के लिए उनकी अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी गई है और उन्हें भविष्य की सभी यूपीएससी परीक्षाओं या चयनों से स्थायी रूप से वंचित कर दिया गया है। यूपीएससी ने खेडकर को 18 जुलाई को अपनी पहचान फर्जी बनाकर परीक्षा नियमों में प्रदान की गई अनुमेय सीमा से परे प्रयासों का धोखाधड़ी से लाभ उठाने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उन्हें 25 जुलाई तक नोटिस पर अपना जवाब देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने 4 अगस्त तक का और समय मांगा। यूपीएससी ने उन्हें अपनी बात रखने के लिए 30 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे तक की अनुमति दी।

एक बयान के अनुसार, यूपीएससी ने कहा कि उसने उपलब्ध रिकॉर्ड की सावधानीपूर्वक जांच की है और उसे सीएसई-2022 नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करने का दोषी पाया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा 18 जुलाई, 2024 को सिविल सेवा परीक्षा-2022 (सीएसई-2022) की अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार सुश्री पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर को धोखाधड़ी के लिए एक कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया था। उसने अपनी फर्जी पहचान दिखाकर परीक्षा नियमों में दी गई स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास किए।

इसमें कहा गया है कि 34 वर्षीया को 25 जुलाई तक नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने 4 अगस्त तक का समय मांगा। यूपीएससी ने उन्हें 30 जुलाई तक का समय दिया और स्पष्ट किया कि यह अंतिम अवसर था। और समय में कोई और विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्हें यह भी बताया गया कि अगर समय सीमा तक कोई जवाब नहीं मिला तो यूपीएससी कार्रवाई करेगी। पैनल ने बयान में कहा, उन्हें समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद, वह निर्धारित समय के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में विफल रहीं। पैनल ने कहा, यूपीएससी ने उपलब्ध रिकॉर्ड की (शेष पेज 9)

यूपीएससी की अध्यक्ष बनीं प्रीति सूदन

नई दिल्ली। इस महीने की शुरुआत में मनोज सोनी के यूपीएससी के शीर्ष पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र ने बुधवार को पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। सूदन, जो वर्तमान में यूपीएससी के सदस्य हैं। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है, राष्ट्रपति ने... यूपीएससी के अध्यक्ष के कर्तव्यों का पालन करने के लिए यूपीएससी की सदस्य प्रीति सूदन की नियुक्ति को 1 अगस्त, 2024 से अगले आदेश तक या 29 अप्रैल, 2025 तक, जो भी पहले हो, मंजूरी दे दी है। आंध्र प्रदेश कैडर के 1983 बैच के आईएएस अधिकारी, सूदन ने जुलाई 2020 तक तीन साल तक केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

बीमा प्रीमियम पर 18% जीएसटी वापस होः नितिन गडकरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) वापस लेने का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री को लिखे अपने पत्र में गडकरी ने नागपुर डिवीजन जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ की चिंताओं को उठाया, जिसने उन्हें बीमा उद्योग के मुद्दों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन का हवाला देते हुए मंत्री ने कहा, जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के समान है। संघ का मानना है कि जो व्यक्ति परिवार को सुरक्षा देने के लिए जीवन की अनिश्चितताओं के जोखिम को कवर करता है, इस जोखिम के खिलाफ कवर खरीदने के लिए प्रीमियम पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि संघ द्वारा उठाया गया मुख्य मुद्दा जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)की वापसी से संबंधित है। जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम दोनों 18 प्रतिशत जीएसटी दर के अधीन हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आगे कहा, इसी तरह, चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी व्यवसाय के इस खंड के विकास में बाधक साबित हो रहा है जो सामाजिक रूप से आवश्यक है। उन्होंने कहा, उपरोक्त के मद्देनजर, आपसे अनुरोध है कि जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने के सुझाव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करें क्योंकि यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए उचित सत्यापन के साथ नियमों के अनुसार बोझिल हो जाता है।

जाति मुद्दे पर छिड़ी जुबानी जंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बुधवार को कांग्रेस संसदीय पार्टी की बैठक में भाग लेने पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी।

एक दिन पहले लोकसभा में कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमले के दौरान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की टिप्पणी पर बुधवार को सत्तारूढ़ दल भाजपा और विपक्षी सदस्यों के बीच जुबानी जंग हुई, जिसके कारण संसद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। मंगलवार को लोकसभा में भाजपा सांसद ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिसकी 'जाति का पता नहीं वह जाति जनगणना की बात करते हैं।' कांग्रेस ने ठाकुर और प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया है और दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठाकुर के भाषण को सोशल मीडिया पर साझा करके 'संसदीय विशेषाधिकार के गंभीर उल्लंघन' को बढ़ावा दिया, विपक्षी सांसदों ने ठाकुर के भाषण को दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का अपमान बताया।

संसद में विवाद बढ़ने पर कांग्रेस ने कहा कि गांधी परिवार की जाति शहादत है लेकिन बीजेपी-आरएसएस इसे कभी नहीं समझेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी बेंच के विरोध पर अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने सांसदों को आश्वासन दिया कि टिप्पणियों को हटा दिया जाएगा। भाजपा ने जाति विवाद को बढ़ाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जाति पूछने में क्या गलत है जब वह सरकारी अधिकारियों, न्यायाधीशों और यहां तक कि पत्रकारों सहित अन्य लोगों की जाति के बारे में पूछ सकते हैं।

हालांकि, उसी क्रम में, सत्ता पक्ष ने स्पष्ट किया कि अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर बोलते समय गांधी की जाति के बारे में नहीं पूछा और आश्चर्य जताया कि विपक्ष के नेता ने इस पर आपत्ति क्यों जताई और इसे उनका अपमान बताया जबकि उनमें से किसी ने भी ऐसा नहीं किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी पर अन्य सदस्यों ने आपत्ति जताई। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस प्रस्तुत किया, जिसमें कथित तौर पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा की गई टिप्पणियों के अंश थे, जिन्हें सभापति ने सदन की कार्यवाही से हटा दिया था। लोकसभा में कांग्रेस के दलित सांसद चन्नी ने स्पीकर ओम बिरला को एक नोटिस सौंपकर प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रक्रिया के नियमों के नियम 222 के तहत विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग की है। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि उनकी पार्टी कहती रही है कि बीजेपी के लोगों के दिल में एससी, एसटी, ओबीसी और मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। राजद के मनोज झा ने कहा कि ठाकुर ने अपनी सामंती (शेष पेज 9)

झमाझम बारिश से तर हुए दिल्ली-एनसीआर

● भीषण उमस से मिली राहत तो ट्रैफिक जाम, बिजली कटौती से परेशान हुए लोग

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

बुधवार शाम को तेज और अचानक बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी और नोएडा तथा गाजियाबाद सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों ने राहत महसूस की। पिछले कई दिनों से लोग यहां भीषण उमस का सामना कर रहे थे। हालांकि तेज बारिश के कारण

नई दिल्ली में पूसा रोड पर भारी बारिश के बाद जलजमाव के बीच महिला को सड़क पार कराता एक पुलिसकर्मी।

लोगों को इससे जुड़ी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम हो गया तथा बिजली कटौती का भी सामना करना पड़ा। शाम 7.30 बजे से 8 बजे के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे से कम से कम 10 उड़ानों को डायवर्ट किया गया।

शहर को रेड अलर्ट पर रखा गया है और नेशनल फ्लैश फ्लड गाइडेंस बुलेटिन ने दिल्ली को 'चिंता के क्षेत्रों' की सूची में शामिल किया है। पूरी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में मध्यम से भारी बारिश के कारण, चिराग दिल्ली, साकेत सहित कई स्थानों पर जलभराव के कारण काम से अपने घरों को वापस जाते समय यात्रियों को सड़क के बड़े हिस्से पर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। इन इलाकों में सैनिक फार्म, कुतुब मीनार मेट्रो स्टेशन, छत्ता रेल चौक, मिंटो ब्रिज, आईटीओ, जनपथ, करोल बाग, गफ्फार मार्केट, नौरोजी नगर, पंत मार्ग, निगम बोध घाट, कनॉट प्लेस और मयूर विहार शामिल हैं। शनिवार शाम को हुई बारिश के कारण राऊज कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया, जिसमें तीन आईएएस उम्मीदवारों की जान चली गई थी, बुधवार को बारिश के कारण संस्थान के बाहर एक बार फिर जलभराव हो गया। स्थानीय विधायक दुर्गेश पाठक मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस बात को नजरअंदाज कर दिया कि निचले इलाके से पानी पंप कर निकाला गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी सोशल मीडिया (शेष पेज 9)

भोले के भक्त

नई दिल्ली में बुधवार को सावन के महीने में शिवभक्त कांवड़िये पवित्र गंगाजल लेकर जाते हुए।

दूधेश्वरनाथ मंदिर के कपाट 24 घंटे के लिए खुलेंगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सावन शिवरात्रि के नजदीक आते ही सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में कांवड़ियों की भीड़ बढने् लगी है। मंदिर के आसपास का वातावरण भी भगवान दूधेश्वर के जयकारों से गूंज रहा है। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए गुरूवार से मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहेंगे। सफाई, आरती व भोग के लिए ही कपाट बंद होंगे।

मंदिर के महंत नारायण गिरि ने बताया कि सावन शिवरात्रि शुक्रवार की है और उसमें अब दो दिन ही शेष हैं। इसी के चलते मंदिर में कांवड़ियों की भीड़ बढने लगी है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब तक के कांवड़िए हरिद्वार, ऋषिकेश ही नहीं गौमुख तक से गंगाजल लाकर भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक कर रहे हैं। 2 अगस्त को सावन शिवरात्रि का जल अपरान्ह 3.30 बजे से चढना शुरू होगा। उससे पहले त्रयोदशी का जल चढ़ेगा। मंदिर के मीडिया प्रभारी एसआर सुथार ने बताया कि शुक्रवार को मंदिर में लाखों कांवड़िए व शिवभक्त भगवान का जलाभिषेक करेंगे। पुलिस प्रशासन व नगर निगम के सहयोग से मंदिर में ऐसी व्यवस्था की गई है कि सावन शिवरात्रि पर कांवड़ियों व शिवभक्तों को कोई परेशानी नहीं होगी। सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस कप्तान अजय कुमार मिश्र खुद नजर रख रहे हैं। महापौर सुनीता दयाल व नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम की पूरी टीम तथा जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन का सहयोग मिल रहा है।

शिवलिंग पर जल चढ़ा रही महिला की सोने की चेन लूटी

नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन उसे समय लूट ली जब वह शिव मंदिर में जल चढ़ा रही थी। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को आंचल शर्मा निवासी डेल्टा-2 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी मां गीता शर्मा डेल्टा दो स्थित शिव मंदिर में जब शिवलिंग पर जल चढ़ा रही थी तभी एक व्यक्ति ने झपट्टा मारकर उनकी मां के गले से सोने की चेन लूट ली।

झुग्गी में लगी आग से तीन बच्चियों की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

अग्निशमन दल को बुधवार सुबह चार बजे आग लगने की मिल थी सूचना

● इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया

घर में रखा सामान आग से हुआ राख।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा जिले कोतवाली फेज वन क्षेत्र में आग लगने से तीन बच्चियों की मौत हो गई और परिवार का मुखिया भी झुलसा। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए दिल्ली के हायर सेंटर सफदरजंग में रेफर किया गया है।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 4 बजे फायर सर्विस को सूचना मिली थी, की सेक्टर 8 स्थित झुग्गी के एक कमरे में आग लग गई है। यह मकान संदीप का है, जिसमें दौलत राम पत्नी और तीन बेटियां 10 वर्षीय आस्था, 7 वर्षीय नैना और 5 वर्षीय आराध्या के साथ रह रहे थे। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। लेकिन इस हादसे में तीन बच्चियों की मौत हो गई है। जबकि पिता को गंभीर हालत में दिल्ली रेफर कर दिया गया है। डीसीपी नोएडा ने बताया कि आग बुझाने के बाद जांच के दौरान पता चला कि कमरे में पांच लोग सोए हुए थे जिसमें तीन बच्चियों की इस घटना में झुलसने से तीन बच्चियों की मौत हो गई, जबकि दौलतराम भी बुरी तरह झुलस गए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उनकी गंभीर हालत देखते हुए दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। मौके पर फायर और पुलिस के अधिकारी मौके मौजूद हैं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आग लगने के कारणों की जांच के साथ कार्रवाई की जा रही है।

Karur Vysya Bank
Smart way to bank

दिल्ली आस्ति वसूली शाखा, नं. 6, तीसरी मंजिल, मेट्रो पिलर नं. 80 के विपरीत, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली 110005
मो.: 7823919620 फोन: 011-35008283

ई-नीलामी सूचना, दिनांक 06.09.2024 को ई-नीलामी

सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा निम्नलिखित उधारकर्ताओं की सुरक्षित आस्तियों पर करूर वैश्य बैंक लिमिटेड की निम्नलिखित शाखाओं के निम्नलिखित उधारकर्ताओं/गारंटरों से बकाया सुरक्षित ऋणों की वसूली के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिए जाने के अनुसरण में।

चूंकि अधोहस्ताक्षरी ने अचल संपत्तियों की ई-नीलामी करने का निर्णय लिया है, इसलिए निम्नलिखित आस्तियों को "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है", तथा "जो कुछ भी है" और "बिना सहारे के" आधार पर खरीदने के लिए ई-निविदा के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम	शाखा का नाम	सम्पत्ति का स्थान	सम्पत्ति का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु. में)	ईएमडी राशि (रु. में)	सम्पर्क व्यक्ति का फोन/ईमेल
1	मैसर्स राज एंटरप्राइजेज	लॉरेंस रोड	रिहायशी भूमि एवं भवन, जोकि म्युनिसिपल नं. एल-2/28, पुराना प्लॉट नं. 28, संपूर्ण प्रथम तल, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052 में स्थित, क्षेत्रफल 62 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती राज बाला के नाम पर है।	रिहायशी फ्लैट	60,00,000	6,00,000	श्री हिमांशु रंजन 7765046680 himanshuranjan@kvbmail.com
2	श्री राकेश सिंह	लॉरेंस रोड	रिहायशी फ्लैट नं. 137, 13वीं मंजिल, टावर नं. डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गढ़ी अलावरपुर, धारूहेड़ा, रेवाड़ी हरियाणा - 123110	रिहायशी फ्लैट	28,35,000	3,00,000	श्री हिमांशु रंजन 7765046680 himanshuranjan@kvbmail.com

उधारकर्ता का विवरण: 1. लॉरेंस रोड शाखा, उधारकर्ता का नाम - (1) मैसर्स राज एंटरप्राइजेज, प्रोपराइटरशिप फर्म, जिसका कार्यालय एल2/28ए, ब्लॉक एल-2, शास्त्री नगर, उत्तर पश्चिम दिल्ली, दिल्ली - 110052, (2) श्री विद्या धर शर्मा, (प्रोपराइटर) पुत्र श्री राम विलास शर्मा, नि. 557/37 ओंकार नगर, त्रि नगर, दिल्ली - 110035 (3) श्रीमती राज बाला, (गारंटर) पत्नी श्री विद्या धर शर्मा, निवासी 557/37 ओंकार नगर, त्रि नगर, दिल्ली - 110035 और कुल देय: दिनांक 30.06.2024 तक रु. 64,99,290.28 (रु. चौसठ लाख निन्यानबे हजार दो सौ नब्बे और अट्ठाईस मात्र) और ब्याज, लागत, अन्य शुल्क और व्यय इत्यादि सहित

2. जनकपुरी शाखा, उधारकर्ता का नाम- (1) श्री राकेश सिंह पुत्र श्री बिजेंद्र सिंह, द्वितीय तल, यादव भवन, ओ/ओ बीर सिंह, गतवारी मोहल्ला, गोपी स्वीट हाउस और इंडसइंड बैंक एटीएम के पास, वजीराबाद सेक्टर 52, गुड़गांव-122003 और फ्लैट नं. 137, 13वीं मंजिल, टावर नंबर डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गढ़ी अलावरपुर, धारूहेड़ा, रेवाड़ी हरियाणा-123110 (2) श्री संदीप गर्ग पुत्र श्री राम मेहर गर्ग, एकेजी फार्म, मंडी रोड, सुल्तानपुर महरौली, नई दिल्ली-110030 और कुल देय: दिनांक 30.06.2024 तक रु. 36,82,994.58 (रु. छत्तीस लाख ब्यासी हजार नौ सौ चौरानवे और पैसे अट्ठावन मात्र) और ब्याज, लागत, अन्य शुल्क और व्यय इत्यादि सहित

बंधक आस्ति : 1. रिहायशी भूमि एवं भवन, जोकि म्युनिसिपल नं. एल-2/28, पुराना प्लॉट नं. 28, संपूर्ण प्रथम तल, शास्त्री नगर, दिल्ली- 110052 में स्थित, क्षेत्रफल 62 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती राज बाला के नाम पर है। चौहद्दी: उत्तर में - अन्य संपत्ति, दक्षिण में - अन्य संपत्ति, पूरब में - रोड 20 फीट, पश्चिम में - संपत्ति सं. एल-2/28 का हिस्सा

आरक्षित मूल्य : रु. 60,00,000/- ईएमडी : रु. 6,00,000/-

2. रिहायशी फ्लैट नं. 137, 13वीं मंजिल, टावर नं. डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गढ़ी अलावरपुर, धारूहेड़ा, रेवाड़ी हरियाणा - 123110 क्षेत्रफल 1223 वर्ग फीट, चौहद्दी: उत्तर में - अपार्टमेंट नं. डी-4/138, दक्षिण में - पार्क फेस, पूरब में - अपार्टमेंट नं. डी-4/35, पश्चिम में - पार्क फेस

आरक्षित मूल्य : रु. 28,35,000/- ईएमडी : रु. 3,00,000/-

संपत्ति का निरीक्षण	सभी कार्यदिवस: 01.08.2024 से 04.09.2024 को सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे के बीच
ऑनलाइन निविदा और आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि और समय	दिनांक: 05.09.2024 समय: शाम 5 बजे तक
ई-नीलामी की तिथि और समय	ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से 06.09.2024 को सुबह 11.00 बजे से 11.30 बजे के बीच 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ बिक्री समाप्त होने तक
नोडल बैंक खाते का नाम	उपरोक्त खाता करूर वैश्य बैंक लिमिटेड, केंद्रीय कार्यालय के पक्ष में, खाता सं. 1101351000000973, आईएफएससी कोड: KVBL0001101
संपर्क व्यक्ति एवं फोन नं.	जैसा ऊपर उल्लिखित है

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया हमारे बैंक की सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट अर्थात www.kvb.co.in/Property Under Auction में दिए गए लिंक को देखें और हमारे ई-नीलामी सेवा प्रदाता मैसर्स-4क्लोजर के वेब पोर्टल https://BankAuctions.in पर भी

भार-शून्य (बैंक की जानकारी में लाया गया)

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत वैधानिक 30 दिन का नोटिस

उधारकर्ताओं और गारंटरों को ई-नीलामी की तारीख से पहले अद्यतन ब्याज और सहायक खर्चों के साथ ऊपर उल्लिखित बकाया राशि का भुगतान करने के लिए सूचित किया जाता है। ऐसा न करने पर अनुसूची संपत्ति को नीलाम/बेच दिया जाएगा और शेष बकाया, यदि कोई हो, ब्याज और लागत के साथ वसूल किया जाएगा।

स्थान: दिल्ली
दिनांक : 01.08.2024,
हस्ता/- करूर वैश्य बैंक लि.
मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

यीडा लाएगा नोएडा एयरपोर्ट के पास यमुना सिटी में घर बसाने को 2500 छोटे-बड़े प्लॉट की योजना

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास नवरात्रि में घर बनाने के लिए प्लॉट खरीदने का एक और मौका मिलेगा। लोगों की मांग को देखते हुए यमुना प्राधिकरण 2500 प्लॉटों की योजना लाने की तैयारी में है। इनमें छोटे और बड़े प्लॉट होंगे।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि आवासीय सेक्टरों में नए प्लॉट की योजना लाने की तैयारी है। सभी प्लॉट एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के पास हैं। एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के नजदीक आवासीय भूखंड योजना को लेकर लोग काफी समय से मांग उठा रहे हैं। दिसंबर में एयरपोर्ट से उड़ान भी शुरू हो जाएगी, इसके अलावा फिल्म सिटी का निर्माण भी छह माह के अंदर शुरू हो जाएगा। ऐसे में प्राधिकरण अक्टूबर में नवरात्र पर 2500 प्लॉटों पर नई स्कीम शुरू करने की योजना बना रहा है। योजना में 90 मीटर से लेकर 4000 मीटर तक के प्लॉट होंगे। इस स्कीम में भी पेमेंट करने के तीन विकल्प मिलेंगे। प्राधिकरण की आवासीय सेक्टरों में यह एक साल में दूसरी प्लॉट स्कीम होगी। प्राधिकरण आवंटियों को सुविधाओं को देने का काम करा रहा है।

नोएडा में सड़क किनारे तीन शव मिलने से हड़कंप

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग स्थान पर चार लोगों की मौत हो गई। थाना फेस-2 क्षेत्र में दो लोगों के शव सड़क किनारे मिले। इनमें से फेज-2 के हौजरी कांपलेक्स बस स्टैंड के पास और केंट आरो चौराहे के पास शव मिला। थाना सूरजपुर क्षेत्र के बिरोंडी गांव में एक व्यक्ति का सड़ा गला शव बरामद हुआ है।

ईस्टर्न पेरीफेरल पर भिड़े चार ट्रक, कई घायल

गाजियाबाद। वेब सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ईस्टर्न पेरीफेरल पर दादरी की ओर से आने वाले ट्रैक पर तीन ट्रक व एक टैंकर भिड़ गये। इन हादसों के दौरान जहां तीन ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये वहीं एक ट्रक में भरी गत्ते की खेप सड़क पर फैल जाने की वजह से इस मार्ग पर जाम की स्थिति व्याप्त हो गई।

भारी कटौती से नाराज ग्रामीणों ने बिजली घर में जड़ा ताला, हंगामा

● सभी फीडरों की बिजली बंद कराकर चार घंटे तक किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के तहसील दादरी क्षेत्र के दुजाना गांव में पिछले तीन दिन से बिजली की भारी कटौती से नाराज ग्रामीणों ने कूड़ी खेड़ा गांव स्थित बिजली घर पर ताला जड़ दिया और सभी फीडरों की बिजली बंद करा दी गई । करीब चार घंटे तक ताला बंद कर हंगामा किया गया। बिजली अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीण शांत होकर वापस लौटे ।

कूड़ी खेड़ा गांव स्थित बिजली घर से महावड , बंबावड़ , सादोपुर , कल्दा, दुजाना कूड़ी खेड़ा आदि गांवों के लिए बिजली सप्लाई की जाती है । पिछले तीन दिनों से दुजाना गांव में बिजली की भारी कटौती होने से उमस भरी गर्मी में लोगों का बुरा हाल है । जबकि मंगलवार सुबह से लेकर रात तक 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली नहीं दी गई । जिससे नाराज होकर दुजाना गांव के ग्रामीण बुधवार को बिजली घर पहुंचे । और बिजली घर पर तैनात कर्मचारियों को बिजली सब स्टेशन से बाहर निकाल दिया गया और बिजली घर के सभी फीडरो बंद करा दिया गया और बिजली घर पर ताला जड़ दिया गया।

बिजली घर पर सुबह 7 बजे से लेकर 11 बजे तक बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर हंगामा किया गया। बिजली कर्मचारियों द्वारा विनती करने पर भी ग्रामीणों ने ताला नहीं खोला और अधिकारियों से संपर्क करते रहे। बिजली अधिकारियों से संपर्क नहीं होने पर ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ गया और जमकर खरी खोटी सुनाई गई । करीब 4 घंटे ताला बंद रहने के बाद बिजली अधिकारियों द्वारा बिजली सुचारू करने का आश्वासन दिए जाने पर ग्रामीण शांत हुए । ग्रामीण पोपल नगर का कहना है कि पिछले तीन दिनों से बिजली की कटौती होने को लेकर ग्रामीणों का बुरा हाल है। बिजली अधिकारियों से संपर्क करने पर समस्या का समाधान होना तो दूर आश्वासन भी नहीं मिला। अगर समस्या से निजात नहीं दिलाई गई तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

PUBLIC NOTICE

This is to notify that **Paramjeet Kaur EMP Code : 1012297**, a nurse by profession, has worked in many hospitals for 13 years. Currently, she is working as the medical room in charge at Delhi Public School, Ghaziabad, and lives in Shalimar Garden, Ghaziabad. While traveling, she saw Naresh Kumar (also known as Pankaj), a 59-year-old man who was with his wife. Suddenly, he fainted and fell down. People checked the old man and said he was dead. She checked the old man and started giving CPR. After repeating it 2-3 times, the old man's pulse rate came back, and he started breathing. Then he was taken to the nearby GTB Hospital, where his life was saved.

PUBLIC NOTICE

Re: Residential Dwelling Flat/Unit No. 1789, having its super area measuring 1290 sq. ft. (119.84 sq. mtrs.), on 17th Floor, Tower-Betina, situated in Complex known as Mahagun Moderne, constructed upon Plot No. GH-02, Sector-78, Noida, District Gautam Budh Nagar, (U.P.); hereinafter referred to as "said property".

Notice is hereby given to the general public including Banks, Financial Institutions, etc. that, as informed by our clientess, Mrs. Rani Sharma, she is the sole and absolute owner of the said property. In this connection, she has informed that the said property was owned by Mr. Inder Kumar Sharma vide Transfer Cum Sale Deed executed by Mrs. Bhawna Malik and Mr. Abhishek Malik in his favour. The said Deed is registered as Document No. 7595, Book No.1,Volume No.10857, pages 169-200, on 22.11.2019 (SRO Noida-II). After his death, the said property was mutated by NOIDA vide their letter dated 07.12.2023 in favour of Mrs. Rani Sharma. Thus, Mrs. Rani Sharma became the sole and absolute owner of the said property. Now, Our clientess intends to mortgage the said property with IDFC FIRST Bank Limited for availing loan facility.

If any person, society, bank, financial institution or other institutions have any objection against the ownership of our clientess on the said property and subsequently rightful mortgage of the said property in favour of IDFC FIRST Bank Limited by our clientess, may raise his/her/their objection/s, in writing, by Registered AD post, to the undersigned, within 07 days, on address mentioned below. Otherwise after expiry of 07 days from the date of publication of this notice, the said property shall be mortgaged by our clientess in favour of IDFC FIRST Bank Ltd.,and no objection shall be acceptable against such mortgage.

Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF, Defence Colony,
New Delhi-110024

ट्विन टावर में भ्रष्टाचार पर प्राधिकरण के 11 दोषी अफसरों को अंतिम नोटिस

नोएडा। नोएडा में सुपरटेक के ट्विन टावर मामले की प्रारंभिक जांच में दोषी मिले नोएडा प्राधिकरण के 11 अधिकारियों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। उन्हें अंतिम सुनवाई के लिए 8 अगस्त को तलब किया गया है। इसके बाद इस मामले की पूरी रिपोर्ट शासन को भेजकर आरोपियों पर कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

इस प्रकरण में शासन की ओर से गठित एसआईटी के जांच के बाद 26 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। शासन ने इनमें से 11 अधिकारियों की जांच 23 मार्च 2023 को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव को सौंपी थी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक जांच के बाद इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के 11 अधिकारियों को दोषी मानते हुए शासन से संस्तुति की थी कि इस प्रकरण की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच करा ली जाए। शासन ने एसीईओ की जांच से संतोष जताते हुए उन्हें ही इस प्रकरण में पूरी जांच करने के निर्देश देते हुए फाइल लौटा दी थी। एक बार फिर से एसीईओ ही मामले की जांच कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, एसीईओ ने इस मामले में सभी 11 अधिकारियों को नोटिस जारी कर उनका अंतिम जवाब मांगा है और इस प्रकरण की अंतिम सुनवाई वह 8 अगस्त को करेंगे।

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
8-बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क,
पूसा रोड
नई दिल्ली - 110060

फोन: 011-40591567 (एक्स. 240)
ईमेल: delhiarm@kbank.com
वेबसाइट: www.karnatakabank.com
सीआईएन: L85110KA1924PLC001128

परिशिष्ट IV (नियम 8(1)) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित (एक्ट) 2002 (2002 का 54) प्रवर्तन के तहत कर्नाटका बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता और गारंटर (1) मैसर्स अभिनंदन आर्ट ऑर्नामेंट्स प्रा. लि., इसके निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व, (i) श्री मुकेश वर्मा, (ii) श्री ओम प्रकाश वर्मा, (iii) श्रीमती मधु वर्मा, (iv) मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ पता: जी-27/114, सेक्टर-3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 (2) श्री मुकेश वर्मा पुत्र ओम मुकेश वर्मा, (3) श्री ओम प्रकाश वर्मा पुत्र राम स्वरूप (4) श्रीमती मधु वर्मा पत्नी मुकेश वर्मा, (5) मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ (इसके कर्ता श्री मुकेश वर्मा द्वारा प्रतिनिधित्व), सभी नं. (2) से नं. (5) निवासी: जी-28/85, पॉकेट जी-28, सेक्टर-3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 को एक मांग सूचना दिनांक **19-03-2024** को जारी किया था जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि रु **2,14,48,152.00** (रु. दो करोड़ चौदह लाख अड़तालीस हजार एक सौ बावन मात्र) अर्थात (i) पीएस ओवर ड्राफ्ट ऋण खाता सं. 554700060013301 के तहत रु. 1,75,59,058.20 दिनांक 01.03.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (ii) पीएस टर्म ऋण खाता सं. 554700180015801 के तहत रु. 22,51,221.00 दिनांक 01.03.2024 से भविष्य के ब्याज सहित, (iii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180016601 के तहत रु. 16,37,873.00 दिनांक 01.03.2024 से भविष्य के ब्याज प्लस लागत इत्यादि सहित उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा(4), उक्त नियमो के नियम 8 और 9 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत 30 जुलाई 2024 को ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी कर्नाटका बैंक लि., नई दिल्ली पश्चिम विहार शाखा के प्रभार वास्ते राशि रु **2,22,79,912.20** (रु. दो करोड़ बाईस लाख उनासी हजार नौ सौ बारह और पैसे बीस मात्र) अर्थात (i) पीएस ओवर ड्राफ्ट ऋण खाता सं. 554700060013301 के तहत रु. 1,82,48,213.20 दिनांक 01.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (ii) पीएस टर्म ऋण खाता सं. 554700180015801 के तहत रु. 23,35,557.00 दिनांक 11.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित, (iii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180016601 के तहत रु. 16,96,142.00 दिनांक 11.07.2024 से भविष्य के ब्याज प्लस लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।

कर्जदारों का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

1. आवासीय संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) नगरपालिका सं. 3421-ए, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मी., रेवेन्यू गांव चौकड़ी के क्षेत्र में, मुबारकाबाद, आबादी/कॉलोनी जिसे अब कन्हैया नगर, त्रि नगर के नाम से जाना जाता है, दिल्ली- 110035 में स्थित है, सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - अन्य की संपत्ति, पश्चिम में - सड़क 20 फीट, उत्तर में - अन्य की संपत्ति, दक्षिण में - अन्य की संपत्ति

2. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) आवासीय भवन, प्लॉट सं. 187 और 188 दोनों प्लॉट का क्षेत्रफल प्रत्येक 25.90 वर्ग मी. पॉकेट-डी-1, सेक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली - 110085, सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 186 पश्चिम में - प्रवेश/सड़क, उत्तर में - सड़क, दक्षिण में - संपत्ति सं. डी1/89

3. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत के अधिकार के, जिसका प्लिंथ क्षेत्रफल 48 वर्ग मी., फ्रीहोल्ड प्लॉट नं. 106, पॉकेट-27, ब्लॉक जी, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित चौहद्दी: पूरब में - खुला, पश्चिम में - संपत्ति न. 103, उत्तर में - 13.5 मीटर सड़क, दक्षिण में - संपत्ति न. 107

4. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्री होल्ड सम्पत्ति नं. 67, ब्लॉक जी, पॉकेट नं. 28 सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, प्लॉट क्षेत्रफल 25.90 वर्ग मी. पर निर्मित, सेक्टर 3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085, इसके कर्ता द्वारा मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ से संबंधित चौहद्दी: पूरब में - खुला, पश्चिम में - संपत्ति सं. 73 उत्तर में - संपत्ति सं. 68, दक्षिण में - संपत्ति सं. 66

5. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट नं. 309, ब्लॉक जी, पॉकेट -26, सेक्टर-3, क्षेत्रफल 25.90 वर्ग मी., रोहिणी रिहायशी स्कीम, दिल्ली 110085 इसके कर्ता के माध्यम से मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 246, पश्चिम में - प्रवेश, उत्तर में - संपत्ति सं. 308 दक्षिण में - संपत्ति सं. 334 और 335

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 30.07.2024,
हस्ता/-
कर्नाटका बैंक लि.
मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
8-बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क,
पूसा रोड
नई दिल्ली - 110060

फोन: 011-40591567 (एक्स. 240)
ईमेल: delhiarm@kbank.com
वेबसाइट: www.karnatakabank.com
सीआईएन: L85110KA1924PLC001128

परिशिष्ट IV (नियम 8(1)) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित (एक्ट) 2002 (2002 का 54) प्रवर्तन के तहत कर्नाटका बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता और गारंटर (1) मेसर्स अभिनंदन ज्वैलर्स, इसके प्रोपराइटर श्री मुकेश वर्मा द्वारा प्रतिनिधित्व, पता: जी-27/114, सेक्टर-3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 (2) श्री मुकेश वर्मा पुत्र ओम मुकेश वर्मा (3) श्रीमती मधु वर्मा पत्नी मुकेश वर्मा, (4) मेसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ (इसके कर्ता श्री मुकेश वर्मा द्वारा प्रतिनिधित्व), सभी (2), (3), (4) निवासी: जी-28/85, पॉकेट जी-28, सेक्टर-3 रोहिणी, नई दिल्ली-110085 को एक मांग सूचना दिनांक **12-03-2024** को जारी किया था जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि रु **4,14,88,018.77** (रु. चार करोड़ चौदह लाख अट्ठासी हजार अट्ठारह पैसेस सतहत्तर मात्र) अर्थात (i) पीएस ओवर ड्राफ्ट ऋण खाता सं. 554700060012401 के तहत रु. 3,25,54,604.00 दिनांक 01.03.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (ii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180015701 के तहत रु. 22,97,761.77 दिनांक 01.03.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (iii) पीएस टर्म लोन खाता संख्या 554700180016501 के तहत रु. 66,35,653.00 दिनांक 29.02.2024 से भविष्य के ब्याज, प्लस लागत इत्यादि सहित उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4), उक्त नियमो के नियम 8 और 9 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत 30 जुलाई 2024 को ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी कर्नाटका बैंक लि., नई दिल्ली पश्चिम विहार शाखा के प्रभार वास्ते राशि रु **4,31,04,695.77** (रु. चार करोड़ इकतीस लाख चार हजार छह सौ पिचानवे और पैसे सतहत्तर मात्र) अर्थात (i) पीएस ओवर ड्राफ्ट ऋण खाता सं. 554700060012401 के तहत रु. 3,37,46,539.00 दिनांक 01.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (ii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180015701 के तहत रु. 23,90,852.77 दिनांक 10.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (iii) पीएस टर्म लोन खाता संख्या 554700180016501 के तहत रु. 69,67,304.00 दिनांक 30.06.2024 से भविष्य के ब्याज, प्लस लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।

कर्जदारों का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

1. आवासीय संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) नगरपालिका सं. 3421-ए, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मी., रेवेन्यू गांव चौकड़ी के क्षेत्र में, मुबारकाबाद, आबादी/कॉलोनी जिसे अब कन्हैया नगर, त्रि नगर के नाम से जाना जाता है, दिल्ली- 110035 में स्थित है, सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - अन्य की संपत्ति, पश्चिम में - सड़क 20 फीट, उत्तर में - अन्य की संपत्ति, दक्षिण में - अन्य की संपत्ति

2. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) आवासीय भवन, प्लॉट सं. 187 और 188 दोनों प्लॉट का क्षेत्रफल प्रत्येक 25.90 वर्ग मी. पॉकेट-डी-1, सेक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली - 110085, सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 186 पश्चिम में - प्रवेश/सड़क, उत्तर में - सड़क, दक्षिण में - संपत्ति सं. डी1/89

3. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत के अधिकार के, जिसका प्लिंथ क्षेत्रफल 48 वर्ग मी., फ्रीहोल्ड प्लॉट नं. 106, पॉकेट-27, ब्लॉक जी, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित चौहद्दी: पूरब में - खुला, पश्चिम में - संपत्ति न. 103, उत्तर में - 13.5 मीटर सड़क, दक्षिण में - संपत्ति न. 107

4. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्री होल्ड सम्पत्ति नं. 67, ब्लॉक जी, पॉकेट नं. 28 सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, प्लॉट क्षेत्रफल 25.90 वर्ग मी. पर निर्मित, सेक्टर 3, रोहिणी, नई दिल्ली-110085, इसके कर्ता द्वारा मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ से संबंधित चौहद्दी: पूरब में - खुला, पश्चिम में - संपत्ति सं. 73 उत्तर में - संपत्ति सं. 68, दक्षिण में - संपत्ति सं. 66

5. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट नं. 309, ब्लॉक जी, पॉकेट -26, सेक्टर-3, क्षेत्रफल 25.90 वर्ग मी., रोहिणी रिहायशी स्कीम, दिल्ली 110085 इसके कर्ता के माध्यम से मैसर्स मुकेश वर्मा एचयूएफ से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 246, पश्चिम में - प्रवेश, उत्तर में - संपत्ति सं. 308 दक्षिण में - संपत्ति सं. 334 और 335

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 30.07.2024,
हस्ता/-
कर्नाटका बैंक लि.
मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
8-बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क,
पूसा रोड
नई दिल्ली - 110060

फोन: 011-40591567 (एक्स. 240)
ईमेल: delhiarm@kbank.com
वेबसाइट: www.karnatakabank.com
सीआईएन: L85110KA1924PLC001128

परिशिष्ट IV (नियम 8(1)) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित (एक्ट) 2002 (2002 का 54) प्रवर्तन के तहत कर्नाटका बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता और गारंटर (1) श्री मुकेश वर्मा पुत्र ओम मुकेश वर्मा, (2) श्रीमती मधु वर्मा पत्नी मुकेश वर्मा, दोनों (1) और नंबर (2) निवासी: जी-28/85, पॉकेट जी-28, सेक्टर-3 रोहिणी, नई दिल्ली-110085, (3) श्री आनंद जैन पुत्र श्री किशन जैन, निवासी: जे-46, गली नं. 1, जय प्रकाश नगर, दिल्ली-110053 को एक मांग सूचना दिनांक **21-05-2024** को जारी किया था जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि रु **21,82,743.72** (रु. इक्कीस लाख ब्यासी हजार सात पैसे बहत्तर मात्र) अर्थात (i) ओवरड्राफ्ट लोन खाता सं. 554700010013701 के तहत रु. 10,84,322.72 दिनांक 01.05.2024 से भविष्य के ब्याज सहित, (ii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180011501 के तहत रु. 2,45,686.00 दिनांक 27.04.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (iii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180012801 के तहत रु. 8,52,735.00 दिनांक 29.04.2024 से भविष्य के ब्याज, प्लस लागत इत्यादि सहित उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4), उक्त नियमो के नियम 8 और 9 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत 30 जुलाई 2024 को ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार, बंधककर्ता और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी कर्नाटका बैंक लि., नई दिल्ली पश्चिम विहार शाखा के प्रभार वास्ते राशि रु **22,21,891.72** (रु. बाईस लाख इक्कीस हजार आठ सौ इक्यानवे और पैसे बहत्तर मात्र) अर्थात (i) ओवरड्राफ्ट लोन खाता सं. 554700010013701 के तहत रु. 10,96,589.72 दिनांक 01.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित, (ii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180011501 के तहत रु. 2,51,755.00 दिनांक 27.07.2024 से भविष्य के ब्याज सहित (iii) पीएस टर्म लोन खाता सं. 554700180012801 के तहत रु. 8,73,547.00 दिनांक 29.04.2024 से भविष्य के ब्याज, प्लस लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।

कर्जदारों का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

1. आवासीय संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) नगरपालिका सं. 3421-ए, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मी., रेवेन्यू गांव चौकड़ी के क्षेत्र में, मुबारकाबाद, आबादी/कॉलोनी जिसे अब कन्हैया नगर, त्रि नगर के नाम से जाना जाता है, दिल्ली- 110035 में स्थित है, सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - अन्य की संपत्ति, पश्चिम में - सड़क 20 फीट, उत्तर में - अन्य की संपत्ति, दक्षिण में - अन्य की संपत्ति

2. रिहायशी संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) निर्मित प्लॉट सं. 188, ब्लॉक और पॉकेट-डी-1, सैक्टर-11, क्षेत्रफल प्रत्येक 25.90 वर्ग मी., सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 186 पश्चिम में - प्रवेश/सड़क, उत्तर में - सड़क, दक्षिण में - संपत्ति सं. डी1/89

3. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार के) रिहायशी भवन, प्लॉट नं. 187, पॉकेट-डी-1, सैक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली-110085 में स्थित, दोनो प्लॉट का क्षेत्रफल 25.90 वर्ग मी., सामान्य क्षेत्रों पर आनुपातिक अधिकारों के साथ, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित, चौहद्दी: पूरब में - संपत्ति सं. 186, पश्चिम में - प्रवेश/सड़क, उत्तर में - सड़क, दक्षिण में - संपत्ति सं. डी1/89

4. संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत के अधिकार सहित, फ्रीहोल्ड निर्मित सम्पत्ति प्लॉट नं. 106, पॉकेट-27, ब्लॉक जी, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली, श्री मुकेश वर्मा से संबंधित चौहद्दी: पूरब में - खुला, पश्चिम में - संपत्ति सं. 103, उत्तर में - 13.5 मी. सड़क, दक्षिण में - संपत्ति सं. 107

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 18.03.2024,
हस्ता/-
कर्नाटका बैंक लि.
मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

PUBLIC NOTICE

Public at large given notice that M/s Supercity Developers Private Limited had entered into a Development Management Agreement dated 16.01.2023 with Avinya Realtech India Private Limited- MILAN GROUP in respect of the project MAYFAIR RESIDENCY at GH-07B, Tech Zone-IV, Greater Noida West, Gautam Budh Nagar, U.P.-201306. The Development Management Agreement has been terminated on 19.05.2023. The ownership of the project and units therein continue to vest with M/s Supercity Developers Private Limited. Avinya Realtech India Private Limited has no right to book any unit, receive payment from buyer against any unit, to adjust any payments against bills etc without the written consent of M/s Supercity Developers Private Limited. Further Avinya Realtech India Private Limited has no unilateral right whatsoever to execute any Buyer Builder Agreement or any other document in respect to any unit of the project. It is hereby clarified and cautioned that M/s Supercity Developers Private Limited shall not be responsible, accountable or liable for any allotment/sale of any unit in the project under taken by Avinya Realtech India Private Limited unilaterally. Any person who has entered into or shall enter into any agreement/arrangement with Avinya Realtech India Private Limited without the consent/knowledge of M/s Supercity Developers Private Limited, the same maybe done at own cost and risk.

M/s Supercity Developers Private Limited
Email :- accounts@supercitygroup
Contact No.:- 9899111172

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी शाखा:
मेन मथुरा रोड, ईश्वर नगर
न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, दक्षिण पूर्व दिल्ली

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)
(सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(1) के अंतर्गत)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का एक्ट नं. 54) के अधीन इंडियन बैंक न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी शाखा का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता सुश्री सीमा पुत्री दया नंद को एक मांग सूचना दिनांक **15.05.2024** को जारी की गई थी जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि **रु. 13,31,928.93** (रु. तेरह लाख इकतीस हजार नौ सौ अट्ठाईस और पैसे तिरान्वे मात्र) साथ में आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार **इत्यादि** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्तियों/आस्तियों का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 और 9 साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक **30.07.2024** को कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार/गारंटर तथा सामान्य रूप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियों के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी शाखा के प्रभार वास्ते बकाया राशि **रु. 13,31,928.93** (रु. तेरह लाख इकतीस हजार नौ सौ अट्ठाईस और पैसे तिरान्वे मात्र) दिनांक 03.05.2024 तक और भविष्य का ब्याज, लागत, प्रभार एवं खर्चे **इत्यादि सहित के अधीन होगा।**

हम कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

साम्यिक बंधक सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी जनता फ्लैट नं. 229, ब्लॉक बी, पॉकेट -11, जसोला, नई दिल्ली-110002, विस्तारित क्षेत्रफल 194 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति श्रीमती सीमा (पुत्री दयानंद) पत्नी श्री अशोक कुमार के नाम पर है। चौहद्दी: उत्तर-पूरब में - खुला स्पेस, दक्षिण पूरब में - अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण पश्चिम में - फ्लैट नं. बी-225, दक्षिण पूरब में - फ्लैट नं. बी-235

दिनांक: 30.07.2024 | स्थान: नई दिल्ली
हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

कोचिंग संस्थानों को कानून के दायरे में लाएंगे : आतिशी

जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, फीस पर लगाम, भ्रामक विज्ञापन समेत कई बिंदुओं को रेगुलेट करेगी सरकार

● शिक्षा मंत्री ने कहा, देशभर में फैली कोचिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट करने के लिए अबतक कोई केंद्रीय कानून नहीं बना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राउज आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भरने से हुई यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के बाद दिल्ली सरकार जागी है। राष्ट्रीय राजधानी में नियमों को ताक कर कोचिंग संस्थानों की गैर कानूनी गतिविधियों और मनमानी पर नकेल कसने के दिल्ली सरकार कानून बनाने की तैयारी कर रही है। नए कानून के तहत कोचिंग संस्थानों में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, मनमाने फीस पर लगाम, भ्रामक विज्ञापनों पर रोक, शिक्षकों की योग्यता सहित तमाम जरूरी बिंदुओं को रेगुलेट करेगी सरकार। दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि देशभर में फैली कोचिंग सेंटरों पर नकेल कसने के लिए अब तक कोई केंद्रीय कानून नहीं बना है। उनकी सरकार केंद्र के कानून बनाने का इंतजार नहीं करेगी। कोचिंग इंस्टीट्यूट रेगूलेशन एक्ट के जरिए दिल्ली में कोचिंग संस्थानों के अनियमितताओं पर रोक लगायेंगे।

आतिशी और महापौर शैली ओबेरॉय ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कानून बनाने के लिए सरकार कमिटी गठित करेगी। इसमें दिल्ली सरकार और एमसीडी के अधिकारियों समेत कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के छात्र भी हिस्सा होंगे। सरकार ने इसके लिए ईमेल एड्रेस coaching.law.feedback@gmail.com भी जारी किया है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने दिल्ली के लोगों और छात्रों से इसका अपना फीडबैक देने की अपील की है। इस बाबत दिल्ली सचिवालय में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में यूपीएससी अभ्यर्थियों के साथ चर्चा की गई और उनके सुझाव लिए गए। उन्होंने कहा कि, जाँच संबंधित बाकी रिपोर्ट 7 दिनों में आएगी लेकिन अंतरिम जाँच रिपोर्ट के आधार पर ही एमसीडी ने तुरंत कारवाई शुरू की। सबसे पहले यहाँ ड्रेन के रखरखाव के लिए जिम्मेदर जूनियर इंजीनियर पर सख्त कारवाई की गई और नौकरी से निकाल दिया गया। साथ ही यहाँ के असिस्टेंट इंजीनियर को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया। क्योंकि फील्ड ऑफिसर के रूप के उनकी जिम्मेदारी थी कि यहाँ मौजूदा ड्रेन की जाँच की जाए और देखा जाए कि वो काम कर रहा है या नहीं। आतिशी ने कहा कि, वह दिल्ली और देश के लोगों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि जैसे ही जाँच पूरी होगी तब इन अधिकारियों के अलावा और भी कोई अधिकारी जिम्मेदार पाया जाएगा तो उसे भी बख्शा नहीं जायेगा और उसके खिलाफ भी सख्त कारवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा अभी तक 35 बेसमेंट सील किए गए हैं लेकिन ये अल्पकालीन उपाय है। उन्हें उम्मीद थी कि, केंद्र देश में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स को रेगुलेट करने के लिए कोई कानून लेकर आएगी लेकिन अफसोस है कि केंद्र ने कोई कानून नहीं बनाया है।

राजेंद्र नगर में धरने पर बैठे छात्रों से मिलने पहुंची दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी और महापौर शैली ओबरॉय। फोटो : रंजन डिमरी

राजेंद्र नगर में छात्रों से मिली शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री आतिशी बुधवार को राजेंद्र नगर में प्रदर्शन कर रहे यूपीएससी अभ्यर्थियों से मिली और उन्हें सरकार की ओर से सभी जरूरी सहायता मुहैया कराने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वह छात्रों के साथ खड़ी हैं और उनकी बेहतरी व सुरक्षा में कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे। शिक्षा मंत्री छात्रों से उनकी समस्या और मांगों को सुना और वादा किया वर्तमान में तुरंत एक्शन लेते हुए एमसीडी के जूनियर इंजीनियर को नौकरी से निकाल दिया गया और असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। घटना की जाँच पूरी होते ही जिम्मेदार हर अधिकारी पर सख्त कारवाई की जाएगी।

सुरक्षा गाइडलाइंस लाए सरकार : सचदेवा

● कोचिंग सेंटरों एवं पीजी के लिए सुरक्षा गाइडलाइंस की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा है दिल्ली सरकार की कोचिंग इंस्टीट्यूट रेगुलेशन एक्ट लाने की घोषणा महज एक छलावा है।

दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने प्रेस वार्ता का संचालन करते हुए कहा की यह खेदपूर्ण है की केजरीवाल सरकार आवश्यक गाइडलाइंस ला कर कोचिंग इंस्टीट्यूट समस्या का फौरी समाधान करने के बजाए सुझाव मांगने के खेल में और समाधान प्रक्रिया को ईवेंट बनाने में लग गई है। सचदेवा ने कहा की दस साल पूर्व भी यह एक्ट उतना ही आवश्यक था जितना आज है और इसी के साथ दिल्ली को पीजी रेगुलेशन एक्ट की भी उतनी ही जरूरत है क्योंकि यह दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए मामले हैं। अन्य राज्यों से पढ़ने के लिए दिल्ली आने वाले छात्र उतने ही असुरक्षित वातावरण में रहने को भी बाध्य हैं जैसे में पढ़ने को। जलबोर्ड द्वारा की सीवर सफाई ना होना हो, फायर सर्विस द्वारा बिना बेसमेंट का वास्तविक उपयोग जांचे राव इंस्टीट्यूट भवन को एन.ओ.सी. देना हो, नगर निगम की नालियों पर अतिक्रमण रोकने की विफलता हो, नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेसिक स्वास्थ्य निरिक्षण न करना हो सबके लिए आप शासित दिल्ली सरकार एवं नगर निगम हैं।

निजी-सरकारी स्कूलों के लिए सरकार ने जारी किए निर्देश

● बेसमेंट का इस्तेमाल सिर्फ तय नियमों के अनुसार किया जाए : शिक्षा निदेशालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजेंद्र नगर हादसे के बाद शिक्षा निदेशालय ने सभी निजी और सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट की सिक्योरिटी और सेफ्टी के लिए गाइडलाइंस जारी किए हैं। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि निजी और सरकारी स्कूलों को सार्वजनिक भवनों में बेसमेंट के उपयोग के संबंध में दिल्ली मास्टर प्लान, 2021 के प्रावधानों का पालन करना होगा। स्कूल प्रशासन को स्कूल परिसर में और उसके आसपास जलभराव से बचने के लिए अपने स्तर पर सभी आवश्यक कदम सुनिश्चित करने होंगे।

शिक्षा निदेशालय के दिशा-निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में हाल ही में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है जिसमें तीन सिविल सेवा उम्मीदवार एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में डूब गए और एक उम्मीदवार की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। ऐसे में यह जरूरी है कि सभी स्कूल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए उचित आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करें।

स्कूल भवनों के सभी द्वार चालू होने चाहिए और प्रवेश और निकास के लिए खुले होने चाहिए। बेसमेंट तक पहुंच को स्कूल निकासी योजना में उचित रूप से चिह्नित और स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए। सभी गलियारे हर समय अवरोधों से मुक्त होने चाहिए और सुगम मार्ग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सर्कुलर में कहा गया है कि स्कूल के गलियारों और सीढ़ियों की नियमित रूप से पानी के जमाव के लिए जाँच की जानी चाहिए और आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। अप्रिय घटना से बचने के लिए तारों और फिटिंग, उपकरणों की जाँच की जानी चाहिए।

आवासीय इमारत में लगी आग, 10 को बचाया गया

नई दिल्ली। कीर्तिनगर स्थित एक आवासीय इमारत में बुधवार को आग लगने के बाद 10 लोगों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीएफएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सुबह आठ बज कर 40 मिनट पर एक घर में आग लगने के संबंध में फोन से सूचना मिली। दो दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि आग ने कुछ बिजली मीटर, बिजली पैनल बोर्ड और दो स्कूटरों को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारी ने कहा, हमारे अधिकारियों ने अलग-अलग मंजिलों से 10 लोगों को सुरक्षित बचाया। तीन मंजिल मकान में भूमिगत पार्किंग भी हैं।

हाईकोर्ट ने कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत पर प्राधिकारियों को फटकारा

● अदालत ने कहा- जब रेवड़ी संस्कृति के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियां होना स्वाभाविक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के मामले में प्राधिकारियों को बुधवार को फटकार लगाई और कहा कि जब रेवड़ी संस्कृति के कारण कर संग्रह नहीं होता है, तब ऐसी त्रासदियां होना स्वाभाविक है। उच्च न्यायालय ने किसी केंद्रीय एजेंसी को घटना की जांच का निर्देश देने का संकेत दिया और दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, संबंधित क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त और मामले के जांच अधिकारी को शुक्रवार अदालत के समक्ष पेश होने को कहा।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेदेला की पीठ ने कहा कि एक अजीब जांच चल रही है, जिसमें दिल्ली पुलिस ने ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बाहर से गुजरने वाले कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की, लेकिन एमसीडी के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पीठ ने कहा, क्या उनका दिमाग खराब हो गया है, दिल्ली पुलिस क्या कर रही है, इसके अधिकारी क्या कर रहे हैं, लीपापोती की कोशिश हो रही है क्या, क्या अब तक इस घटना के लिए किसी अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया गया है। आपसे कह रहे हैं कि एक बार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो गई, तो भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। उच्च न्यायालय ने प्राधिकारियों को ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में नालों पर सभी अवैध निर्माण और अतिक्रमण को शुक्रवार तक हटाने का निर्देश भी दिया।

पीठ ने कहा, यह बहुत ही गंभीर घटना है। शहर में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे की विफलता है। जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल अराजक है। हमें लगता ही नहीं है कि नगरीय एजेंसियां जमीनी स्तर पर काम भी करती हैं। बहुमंजिला इमारतों को संचालित करने की अनुमति दी जा रही है, लेकिन पानी की उचित निकासी की व्यवस्था नहीं है। आपके विभाग दिवालिया हैं। यदि आपके पास वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं, तो आप बुनियादी ढांचे को कैसे उन्नत करेंगे।

एमसीडी आयुक्त से मिलकर छात्रों ने जताई चिंता

● कई कोचिंग सेंटरों में खराब सुरक्षा उपायों के बारे में की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में एक कोचिंग सेंटर में हुई मौतों के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों के बीच सिविल सेवा अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को यहां एमसीडी मुख्यालय में एमसीडी आयुक्त अश्विनी कुमार से मुलाकात की। छात्रों ने कुमार के साथ कई कोचिंग सेंटरों में खराब सुरक्षा उपायों के कारण जीवन के खतरे एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

निगम के एक अधिकारी ने बताया कि बैठक जारी है। इस बीच 27 जुलाई की घटना के खिलाफ मध्य दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में सिविल सेवा अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन बुधवार को चौथे दिन भी जारी रहा। इस घटना में तीन अभ्यर्थियों की जान चली गई थी।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदर्शन की भावी रणनीति तय करने और संबंधित अधिकारियों से संवाद करने के लिए 15 सदस्यीय समन्वय समिति गठित की गई है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र गौतम ने कहा, हमने 15 सदस्यों वाली एक समिति गठित की है और समिति के सदस्य आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेंगे। विभिन्न कोचिंग सेंटरों के अभ्यर्थी रविवार से राउज स्टडी सर्किल के सामने धरना दे रहे हैं। कुछ छात्रों ने एमसीडी के खिलाफ भूख हड़ताल भी शुरू कर दी। एक छात्र सुनील कुमार ने कहा, जबतक हमारी मांगें मान नहीं ली जाती हैं तबतक आंदोलन जारी रखेंगे। पुलिस उपायुक्त (मध्य) एम. हर्षवर्धन ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी प्रदर्शन स्थल का दौरा कर रहे हैं और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उनकी मांगें समझने की कोशिश कर रहे हैं।

लाइसेंस प्राप्त पुस्तकालयों ने शुल्क किया दोगुना

सिविल सेवा अभ्यर्थियों ने दावा किया है कि इमारत के बेसमेंट मे अवैध रूप से संचालित कोचिंग सेंटर पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कार्रवाई के बाद यहां ओल्ड राजेंद्र नगर और इसके आसपास के इलाकों में लाइसेंस प्राप्त पुस्तकालयों ने अपना शुल्क दोगुना कर दिया है। एमसीडी ने ओल्ड राजेंद्र नगर में उन इमारतों पर कार्रवाई की है, जहां बेसमेंट का इस्तेमाल पुस्तकालयों समेत अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। नगर निगम ने यह कार्वाई पिछले शनिवार को भारी बारिश के बाद इलाके के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अवैध रूप से संचालित लाइब्रेरी में पानी भर जाने के कारण तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के बाद की थी।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार से कांवड़ लेकर आता हुआ कांवड़िया।

रोडरेज में महिला की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके के फ्लाईओवर के रोडरोज में बाइक से जा रही महिला की हत्या कर दी गई। घटना के समय महिला पति और बच्चों के साथ कहीं जा रही थी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिमरनजीत कौर अपने पति हीरा सिंह और बच्चों के साथ भलस्वा डेयरी की गुरु नानक कलोनी में रहती थी। बुधवार को करीब सवा तीन बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि स्कूटी सवार ने बुलेट पर जा रही महिला पर गोलियां चलाई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सिमरनजीत कौर को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय हीरा सिंह, पत्नी और दो बच्चों के साथ दुर्गापुरी चौक स्थित बैंक में काम से जा रहे थे। गोकलपुरी फ्लाई ओवर के पास हीरा सिंह की बुलेट एक स्कूटी सवार से टकरा गयी जिसके बाद गुस्साए स्कूटी सवार ने गोली चला दी, सिमरनजीत की गर्दन के पास दो गोलियां लगी।

मानसून में भी यमुना जहरीली : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मॉनसून में भी यमुना में भयंकर प्रदूषण पाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार की लापरवाही और अनदेखी के कारण राजधानी में यमुना दम तोड़ चुकी है। जुलाई में यमुना में ऑक्सीजन की मात्रा शून्य पाई गई है जबकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यमुना की सफाई के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली की केजरीवाल सरकार को 8500 करोड़ रुपए दिए लेकिन कोई हिसाब-किताब ही नहीं है।

स्वतंत्र जांच की मांग को राष्ट्रपति को लिखा पत्र

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर में प्रदर्शन कर रहे सिविल सेवा के अभ्यर्थियों के एक समूह ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर उनसे एक कोचिंग सेंटर के इमारत के पानी भरे बेसमेंट में हुई तीन विद्यार्थियों की मौत की स्वतंत्र जांच कराने का अनुरोध किया है।

एमसीडी ने मानी अपनी गलती

● अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने राजेंद्र नगर हादसे में विफलता को किया स्वीकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत के मामले में नगर निगम की विफलता को बुधवार को स्वीकार किया और कहा कि इसमें गंभीर ढांचागत मुद्दे हैं, जिन्हें हल करने की आवश्यकता है।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए कोचिंग संस्थानों के प्रमुख केंद्र राजेंद्र नगर में प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत करते हुए, एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घटना के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता है और एजेंसी को अपना कर्तव्य बेहतर ढंग से निभाना चाहिए था।

थॉमस ने राउज आईएएस स्टडी सर्किल के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की चिंताओं पर कहा, जैसा कि आपने कहा, हमारे सामने ढांचागत मुद्दे हैं और उन्हें व्यवस्थित तरीके से हल करने की जरूरत है, यही मेरा समाधान है। उन्होंने एक छात्र की शिकायत का जवाब देते हुए कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि यह हम सबकी और व्यक्तिगत रूप से मेरी विफलता है। मैं यह दावा नहीं कर रहा हूं कि ऐसा नहीं हुआ है, यह अधिकारियों के रूप में हमारी विफलता है।

'कोचिंग रेगुलेशन एक्ट गुमराह करना वाला'

नई दिल्ली। राजेन्द्र नगर में बेसमेंट में पानी भरने के बाद डूब कर मरने वाले छात्रों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला।

यादव बादली विधानसभा के ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कैंडल मार्च में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा व आम आदमी पार्टी छात्रों को न्याय दिलाने की जगह उनकी मौत पर राजनीति कर रहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि जांच के नाम पर गृहमंत्रालय ने कमेटी गठित करके और मंत्री आतिशी ने मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा करके लीपापोती की है और पुलिस ने थार कार चालक को गिरफ्तार करके दोष मढ़ने की पटकथा तैयार की है।

नाले से गाद निकालने पर ऑडिट रिपोर्ट तलब

● दिल्ली के मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को जारी किए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि वे नालों से गाद निकालने के काम में शामिल ठेकेदारों को तब तक भुगतान न करें, जब तक उनके काम का तीसरे पक्ष से ऑडिट पूरा नहीं हो जाता। यह कदम राष्ट्रीय राजधानी के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में नाले का पानी एक कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में संचालित पुस्तकालय में भर जाने के कारण तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के मद्देनजर उठाया गया है।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज के पत्र के जवाब में, मुख्य सचिव ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास) को विभिन्न एजेंसियों द्वारा नालों से गाद निकालने के काम के तीसरे पक्ष से ऑडिट पर मंत्री द्वारा मांगी गई जानकारी के साथ एक तथ्यात्मक नोट पेश करने का निर्देश दिया गया है।

निगम ने दिल्ली वालों को किया निराश : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि भ्रष्टाचार और अरविंद केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण दिल्ली की सीवरेज प्रणाली पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। बुधवार शाम हुई भारी बारिश से फिर पूरे शहर में जलभराव हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जून के अंतिम सप्ताह में बारिश से जलजमाव के बाद दिल्ली सरकार और एमसीडी को सीवर साफ करने के लिए पर्याप्त समय दिया, लेकिन उन्होंने आज फिर से दिल्ली वासियों, विशेष रूप से पुराने राजेंद्र नगर के निवासियों को निराश किया। शर्मनाक बात यह है कि वह स्थान जहाँ मंत्री आतिशी और महापौर शैली ओबेरॉय ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की, कुछ मिनट की बारिश में ही कमर तक पानी में डूब गया।

एम्स में मरीजों की सुविधा के लिए चलाई जाएगी एसी ई-बसें

● पास के मेट्रो स्टेशनों और बस स्टॉप से एम्स परिसर के विभागों तक पहुंच होगी आसान

संजय राय। नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े अस्पताल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उत्तर भारत समेत अन्य राज्यों के मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में मरीजों को एक विभाग से दूसरे विभाग में आने-जाने के लिए ऑटो और ई-रिक्शा का सहारा लेते हैं। हालांकि एम्स प्रशासन ने मरीजों और तीमारदारों को परिसर में कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं लेकिन यहां आने वाले मरीजों की संख्या को देखते हुए ये सुविधाएं बहुत की कम है। वहीं डॉक्टर को दिखाने के बाद मरीजों को बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशनों तक जाने में भी दिक्कत होती है। अब इस समस्या से निजात दिलाने के लिए एम्स जल्दी ही 20 सीटों वाली एसी ई-बसों की सुविधा मरीज और उनके तीमारदारों के लिए शुरू की जाएगी, जिससे उन्हें एम्स तक पहुंचने के लिए महंगे ऑटो, ई रिक्शा से निजात दिलाई जा सके।

एम्स मीडिया सेल की इंचार्ज प्रोफेसर रीमा दादा ने बताया कि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर एम श्रीनिवास की पहल से शुरू की जाएगी। ताकि देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले मरीज और उनके तीमारदारों को मेट्रो स्टेशन और बस स्टॉप से एम्स आने में होने वाली परेशानियों को देखते हुए की गई है। ऐसी बस की सुविधा शुरू होने के बाद मरीज और उनके तीमारदारों को कम किराए में मेट्रो स्टेशन और बस स्टॉप से ही एम्स के अंदर तक इलेक्ट्रिक एसी बस की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कि यहां तक पहुंचने में उनके समय और पैसे की भी बचत होगी।

ई-बस सेवा की मुख्य विशेषताएं : बेहतर कनेक्टिविटी और सेवाओं से मरीजों को निजी परिवहन का उपयोग करने की आवश्यकता समाप्त होगी। इससे लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करेंगे तो वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कुछ कमी आएगी। नियमित सेवा पीक ऑवर्स सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक के दौरान हर 10 और 15 मिनट में उपलब्ध होगी। मरीजों के लिए शेल्टर की जानकारी देने के लिए कॉल बटन की सुविधा भी होगी।

फाइल फोटो

इन मेट्रो स्टेशन और बस स्टॉप से मिलेगी बस

रीमा दादा ने बताया कि एसी बस की सुविधा एम्स के नजदीकी मेट्रो स्टेशन लाजपत नगर, साउथ एक्स, ग्रीन पार्क आदि मेट्रो स्टेशनों से शुरू की जाएगी। इसके अलावा नजदीकी बस स्टॉप किदवई नगर, गौतम नगर और भीकाजी कामा प्लेस से सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि एम्स के निदेशक प्रो. एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में तैयार की गई यह एक समग्र योजना सार्वजनिक परिवहन द्वारा संस्थान के भीतर आंतरिक स्थलों तक कनेक्टिविटी को सुलभ बनाएगी। ये 20 सीटर ई बसें आधुनिक सुविधाओं एयर-कंडीशनिंग, लो फ्लोर और व्हीलचेयर की सुविधा से लैस होंगी।

आटा गुथने की मशीन की चपेट में आने से नाबालिग की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बेगमपुर इलाके में आटा गुथने वाली मशीन की चपेट में आने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गयी। मृतका इलाके नवीन विहार में एक मोमोज, स्प्रिंग रोल, सोया चाप बनाने वाली दुकान पर काम करती थी।

मंगलवार को रोजाना की तरह नाबालिग घर से काम पर आई थी देर शाम को दुकान मालिक ने परिजनों को फोन पर बताया उनकी बेटी मशीन में फंस गयी है। आनन-फानन में परिवार वाले जब दुकान पहुंचे तो देखा कि लड़की का ऊपरी हिस्सा मशीन में फंसा हुआ था। मामले की जानकारी पुलिस को देने के बाद पुलिस ने नाबालिग को मशीन से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम करीब सवा 7 बजे जानकारी मिली कि नवीन विहार, हनुमान चौक के पास एक लड़की मशीन में फंस गयी है पुलिस ने नाबालिग को अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजेश कुमार नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। परिजनों के अनुसार हादसे के समय नाबालिक मोमोज के लिए आटा गूंथ रही थी। अचानक मशीन की बेल्ट की चपेट में आने से उसका ऊपरी हिस्सा मशीन में फंस गया था।

देश के विकास में सिखों का बड़ा योगदान: मनोहर

सिख समाज की ओर से आयोजित किए अपने सम्मान समारोह में बोले केंद्रीय आवास एवं शहरी मामले मंत्री

- झज्जर से मनु भाकर और अंबाला से सरबजोत सिंह को मेडल जीतने पर दी बधाई

अपने सम्मान में रखे गए कार्यक्रम में पूरे हरियाणा से पहुंचे सिख समाज के उद्योगपतियों से मिलते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केन्द्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सिख समाज का देश के विकास में हर क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान रहा है। देश की अर्थ व्यवस्था और रक्षा में तैनात सेना बल में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने सिख समाज से आह्वान करते हुए कहा कि देश-प्रदेश की तरक्की व विकास में इसी प्रकार से सिख समाज के लोग लगातार हर क्षेत्र में भाग लेते हुए आगे बढाने का काम करते रहें।

मनोहर लाल नई दिल्ली में बेल-ला-मोंटे रिजार्ट में उनके सम्मान में रखे गए एक प्रीतिभोज कार्यक्रम में हरियाणाभर से पहुंचे सिख समाज के उद्योगपतियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह भी विशेष तौर पर उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री ने अपने आपको सिख समाज का हिस्सा बताते हुए कहा कि सिख समाज का हर क्षेत्र में योगदान रहा है। उन्होंने पेरिस ओलपिंक का जिक्र करते हुए कहा कि आज हरियाणा के दो खिलाड़ियों झज्जर से मनु भाकर और अंबाला से सरबजोत सिंह ने ओलंपिक में मेडल जीतकर देश-प्रदेश का नाम रोशन किया है। मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन में सिख समाज के प्रति बहुत सम्मान है।

पूर्व सांसद सरदार त्रिलोचन सिंह ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल का स्वागत करते हुए कहा कि सिखों की देश के विकास में अहम भूमिका हमेशा से रही है। इस अवसर पर बेलमोंडे ग्रुप के चेयरमैन डॉ. गुरमीत सिंह, पूर्व कुलपति पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला डॉ. जसपाल सिंह, सिग्मा ग्रुप के डॉ. जगदीप सिंह चड्ढा, जमुना ऑटोस के रणबीर सिंह जौहर, विक्टोरा ग्रुप के सरदार सतिंदर सिंह बंगा, वीजॉन ग्रुप के सरदार हर्षित सिंह कोचर के अलावा हरियाणा के सभी सिख उद्योगपति और व्यवसायी मौजूद रहे।

मैंने केवल तीन दिन के भीतर सीएम की कुर्सी छोड़ी

मनोहर लाल ने राजनीति के संबंध में बात करते हुए कहा कि राजनीति में कोई कुर्सी छोडना नहीं चाहता। उन्होंने 11 मार्च से 13 के बीच, केवल तीन दिनों के भीतर ही मुख्यमंत्री की कुर्सी को छोड़ दिया। नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। क्योंकि उनको केन्द्र में जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि आज मैं केन्द्र में मंत्री हूं। करनाल की जनता ने उन्हें जिताकर लोकसभा में भेजा है। उनके मेरे पास दो बड़े ही अहम बिजली और आवास विभाग हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में देशभर के लोगों की जो भी अपेक्षाएं हैं। उस संबंध में उनके द्वारा कार्य किया जाएगा।

ट्रक की टक्कर लगने से कांवड़िये की मौत

- गुस्साए कांवड़ियों ने दिल्ली-जयपुर हाइवे किया जाम
- मृतक के परिजनों के लिए मांगा 50 लाख का मुआवजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां दिल्ली-जयपुर एनएच-48 पर रामपुरा फ्लाईओवर के पास हादसे में एक कांवड़िये की मौत हो गई। यह घटना सुबह पौने 3 बजे हुई। घटना से गुस्साए कांवड़ियों ने हाइवे पर जाम लगा दिया। सुबह 6 बजे के बाद यह जाम खुल पाया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार-बुधवार की सुबह एक डाक कांवड़ राजस्थान के कोटपुतली ले जायी जा रही थी। शिव भक्त भोले शंकर के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी बीच एक तेज रफ्तार ट्रक ने डाक कांवड़ में शामिल एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में 17 साल के एक कांवड़िये की मौत हो गई और दो अन्य युवक घायल हो गए। इस हादसे के बाद कांवड़ियों ने हाइवे को जाम कर दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसीपी, डीसीपी के अलावा एडीएम ने मौके पर पहुंचकर गुस्साए कांवड़ियों को समझाने का प्रयास किया। जनहित में हाइवे से जाम हटाने को कहा। तीन घंटे से भी अधिक समय तक कांवड़िये हाइवे को जाम किए रहे। अधिकारियों ने उनसे घंटों तक अनुरोध किया, तब जाकर कांवड़ियों ने जाम खोला। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी ट्रक को छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं इस हादसे में मारे गए कांवड़िये की पहचान राजस्थान के बहरोड़-कोटपुतली के पास गांव पनेड़ा निवासी 17 साल के हेमंत मीणा के रूप में हुई है।

कांवड़ियों ने मांग की है कि हेमंत के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।

आरोपी चालक काबू

बुधवार की सुबह रामपुरा फ्लाईओवर के पास कांवड़िये की बाइक में टक्कर मारने वाले ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खेड़कीदौला पुलिस थाना में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त मानेसर दीपक के मुताबिक इस हादसे के आरोपी को थाना खेड़कीदौला क्षेत्र से काबू किया गया है। आरोपी ट्रक चालक की पहचान कुलदीप निवासी गांव बादसहापुरा जिला आगरा उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

अवैध शराब सहित एक महिला गिरफ्तार

गुरुग्राम। अवैध शराब के आरोप में पुलिस ने एक महिला को काबू किया है। आरोपी महिला के पास से 55 पव्वे अवैध शराब भी बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ राजेंद्रा पार्क थाना में केस दर्ज किया गया है। थाना राजेंद्रा पार्क पुलिस द्वारा मंजू देवी निवासी गली सूरत नगर फेज-2, उसी कालोनी से अवैध शराब सहित काबू किया। पुलिस ने महिला के कब्जे से 28 पव्वे अंग्रेजी शराब व 27 पव्वे देशी शराब बरामद की है।

डॉ. नेहरू ने की केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात

- स्टार्ट अप और उद्यमिता के प्रावधानों पर की चर्चा, विवि में आने का दिया निमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से बातचीत करते श्री विश्वकर्मा कौशल विवि के कुलपति डॉ. राज नेहरू।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और उन्हें स्टार्ट अप तथा उद्यमिता पर आधारित विभिन्न परियोजनाओं का ब्यौरा दिया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा बजट में स्टार्ट अप पर किए गए प्रावधानों पर भी चर्चा की।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा स्टार्ट अप के क्षेत्र में की गई पहल और नीतियों से अवगत कराते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को विश्वविद्यालय परिसर के अवलोकन का निमंत्रण भी दिया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा में कौशल शिक्षा का दोहरा मॉडल देश के सामने प्रस्तुत किया है। हालिया बजट से पूर्व भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कौशल संबंधित प्रावधानों पर परामर्श के लिए कुलपति डॉ. राज नेहरू को विशेष तौर पर आमंत्रित किया था। डॉ. राज नेहरू ने बताया कि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ एक सार्थक मुलाकात हुई। उन्हें स्टार्ट अप को लेकर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए इको सिस्टम की जानकारी दी और केंद्रीय बजट में स्टार्ट अप को लेकर किए गए प्रावधानों पर भी चर्चा की।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एनएचएआई व पुलिस ने लगाए पौधे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भोंडसी थाना क्षेत्र में पेड़ लगाते पुलिसकर्मी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पर्यावरण में सुधार के लिए एक पेड़ मां के नाम के अभियान में हर कोई हिस्सा ले रहा है। पुलिस भी इससे पीछे नहीं है। पुलिस जगह-जगह पर पेड़ लगाने का अभियान चला रही है।

पुलिस उपायुक्त सिद्धांत जैन के आदेशानुसार प्रबंधक थाना भोंडसी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एनएचएआई के साथ मिलकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के दोनों तरफ पौधारोपण किया गया। इस दौरान लगभग 500 पौधे लगाए गए। पुलिस उपायुक्त सिद्धांत जैन के अनुसार वातावरण को शुद्ध, हरा भरा रखने के लिए बारिश के इस मौसम में गुरुग्राम पुलिस द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। इस पौधारोपण अभियान में पुलिस कर्मचारियों तथा आमजन द्वारा भी बढ़-चढ ?र भाग लिया जा रहा है। मानसून के दौरान पौधे लगाने का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। गुरुग्राम पुलिस सभी से अपील भी करती है कि अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर उनकी देखभाल करके पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

तीन दिवसीय खेल महाकुंभ आज से, 2433 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

- केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह होंगे मुख्य अतिथि, हरियाणा के खेल मंत्री संजय सिंह होंगे विशिष्ट अतिथि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह गुरुवार को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में राज्यस्तरीय खेल महाकुंभ के दूसरे चरण का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में हरियाणा के खेल, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। सोहना के एसडीएम व आयोजन के नोडल अधिकारी सोनू भट्ट ने बताया कि खेल विभाग द्वारा राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के तहत गुरुग्राम जिला में 1 से 3 अगस्त के बीच तीन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

तीन दिवसीय खेल महाकुंभ में गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आर्चरी व एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वहीं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन सोहना के भोंडसी स्थित आरबीएसएम स्कूल में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन में करीब 2433 खिलाड़ियों के पहुंचने की संभावना है। सोनू भट्ट ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी पार्टी के उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करती नवनियुक्त महिला जिला अध्यक्ष व उनकी टीम।

रेखा भसीन का महिलाओं ने किया स्वागत

गुरुग्राम। रेखा भसीन को आम आदमी पार्टी की गुरुग्राम की महिला शाखा की जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर महिलाओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा नवनियुक्त हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गुरुग्राम के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रेखा भसीन के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी को गुरुग्राम में मजबूती मिलेगी। महिला शाखा की जिलाध्यक्ष रेखा भसीन ने उमेश अग्रवाल एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, वह उस पर खरा उतरेंगी। गुरुग्राम के प्रत्येक घर तक आम आदमी पार्टी को जोडने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि आप पार्टी जन मानस के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रही है। महिलाओं ने पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल के कार्यालय पर ही आगामी 7 अगस्त को हुडा मैदान सेक्टर-5 में आयोजित होने वाले भव्य तीज महोत्सव के कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में एक बैठक आयोजित की। जिसमें अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की जिलाध्यक्ष मीनाक्षी गुप्ता ने बताया कि इस बार का तीज महोत्सव ऐतिहासिक होने के साथ-साथ स्मरणीय भी रहेगा। इस बैठक में जिलाध्यक्ष मीनाक्षी गुप्ता के साथ-साथ इंदु जैन, अनुराधा शर्मा, रेखा भसीन, अंजलि राही, पूजा, बाला, विभूति गुप्ता, दया गुप्ता, रेनू गुप्ता, हेमा अग्रवाल, हेमा शर्मा, क्षमा गर्ग, स्वाति गुप्ता, मेघा गुप्ता, संतोष कवात्रा, पूजा गांधी, मीनाक्षी गुप्ता, सविता अग्रवाल, मधु गुप्ता, डोली गुप्ता, शालिनी गुप्ता एवं रेनू आहूजा मौजूद थे।

नकदी, आभूषण व मोबाइल चोरी कर ले गया नौकर

गुरुग्राम। बादशाहपुर थाना के अंतर्गत एक मकान से चोरी करने के आरोपी नौकर को पुलिस ने काबू किया है। गृह स्वामी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, गृह स्वामी ने उन्हें शिकायत देकर कहा है कि 27-28 जुलाई की रात को ट्यूलिप वायलेट सेक्टर-69 से उसका नौकर आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन व कार चोरी कर ले गया। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके तलाश शुरू की। अपराध शाखा सिकंदरपुर ने आरोपी नाबालिग नौकर को रोजका मेव नूंह से काबू किया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की हुई कार बरामद कर ली है।

पटौदी में हरियाणा मांगे हिसाब पदयात्रा 11 अगस्त को

गुरुग्राम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखबीर तंवर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्षीय कुशासन के कफन में कांग्रेस की हरियाणा मांगे हिसाब पदयात्रा अंतिम कील साबित होगी। बुधवार को यहां जारी बयान में सुखबीर तंवर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की 10 वर्षों की विफलता का लंबी फेहरिस्त है। हरियाणा प्रदेश में तथाकथित डबल इंजन लोकसभा चुनाव में टूट चुका है। सरकार की ओर से हजारों स्कूल मर्जर के नाम पर बंद करना शिक्षा व्यवस्था पर काला धब्बा है। स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचागत विकास नही होना, गुरुग्राम की आबादी में निरंतर बेहताशा वृद्धि और प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व अर्जित करने वाले जिला के सिविल अस्पताल में विगत 10 वर्षों में एक भी ईंट नहीं लगाकर उसको पार्किंग स्थल बना देना सरकार के अत्यंत घटिया प्रदर्शन की बानगी है। प्रदेश बेरोजगारी में प्रथम स्थान और 75 प्रतिशत आरक्षण कानून न्यायालय द्वारा रद्द होना, युवाशक्ति का नशे और अपराध में अग्रसर होना भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार की विफलता के प्रत्यक्ष प्रमाण है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच निगम ने दी सफाई

- कहा, 58701 मीट्रिक टन कचरा बंधवाड़ी प्लांट पहुंचाने का काम किया
- एजेंसियों को निर्धारित दरों पर 22 करोड़, 89 लाख, 3 हजार, 390 रुपए का किया जाना है भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम की ओर से अपने अधिकार क्षेत्र में गंदगी उठाने में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच ऐसा कुछ भी होने से इंकार किया है। साथ ही कहा है कि स्वीप के तहत 58701 मीट्रिक टन कचरा उठाकर बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट में भिजवाया गया है। इसकी एवज में एजेंसियों को निर्धारित दरों पर 22 करोड़ 89 लाख 3 हजार 390 रुपए का भुगतान किया जाना है।

नगर निगम की ओर से कहा गया है कि ठोस कचरा पर्यावरण आवश्यकता कार्यक्रम (स्वीप) के तहत नगर निगम क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया गया है। इसके तहत एक ओर जहां सड़कों, गलियों, ग्रीन बैल्ट, बाजारों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त की गई, वहीं दूसरी ओर गार्बेज वर्नेबल प्वाइंटों तथा सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंटों से कचरा उठाकर बंधवाड़ी स्थित कचरा निस्तारण प्लांट में भिजवाया गया।

नगर निगम के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (स्वच्छ भारत मिशन) निजेश कुमार के मुताबिक स्वीप के दौरान नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों से जुलाई माह में कुल 58701 मीट्रिक टन कचरा उठाकर बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट में भिजवाया है। इसके लिए रूचि की अभिव्यक्ति समाचार-पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करके एजेंसियों को आमंत्रित किया गया तथा पूरी पारदर्शिता अपनाते हुए 390 रुपये प्रति टन की दर पर एजेंसियों को कचरा उठान का कार्य सौंपा गया। इन एजेंसियों ने सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों से कचरा उठाकर बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट में पहुंचाया।

खोखरा जोहड़ मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया महाशिवरात्रि का पर्व

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महाशिवरात्रि पर्व पर हवन यज्ञ करते सदस्य।

वजीराबाद के खोखरा जोहड़ पांच मंजिला मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व हर्ष उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी मंयक शर्मा परिवार द्वारा पूजा अचर्ना करवाई गई।

विद्वान ब्राह्मणों ने विधिवत रूप से भगवान भोलेनाथ का सवा सवा लाख मत्रों का जाप किया जा रहा है। लगातार 8 दिन सवा सवा लाख मंत्रोच्चारण कर रहे हैं। मयंक शर्मा ने बताया कि 22 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक लगातार हवन यज्ञ किए जाएंगे। 2 अगस्त को विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उसी दिन जलाभिषेक किया जाएगा। महाशिवरात्रि को रात्रि के समय मंदिर परिसर में बहुत से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और शिवलिंग का भी भस्म अभिषेक किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी मयंक परिवार की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जायेगा, जिसमें हजारों की संख्या में संत समाज व श्रद्धालुओं की पहुंचने की उम्मीद हैं। इस अवसर पर पंडित इंद्रजीत शर्मा, विमल शर्मा, केशव शर्मा, परमजीत जून, वरुण धवन, गणेश, मुकेश यादव, हिमानी बरेला, अलंकृता घोष, अदिति वशिष्ठ आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

मादक पदार्थ के साथ पकड़े विदेशी नागरिक सहित 2 लोगों को 5 व 12 साल की कैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मादक पदार्थ के साथ पकड़े गए एक विदेशी नागरिक समेत दो आरोपियों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए 5 व 12 साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माना भी लगाया है। पुलिस के अनुसार 26 मई 2019 को कुतुब प्लाजा मार्केट के पास से 1 विदेशी नागरिक को 345 ग्राम अफीम के साथ काबू किया था। उसका एक अन्य साथी पुलिस टीम को देखकर 4.285 किलो ग्राम नशीला/मादक पदार्थ फेंक कर भाग गया था। जिसको बाद में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। विदेशी नागरिक वैध वीजा व पासपोर्ट पुलिस के सामने पेश नहीं कर सका था।

अवैध अफीम व चरस बरामद किए जाने तथा विदेशी नागरिक के बिना वैध वीजा के पाए जाने पर आरोपी युवकों के विरूद्ध थाना डीएलएफ फेज-1 में धारा एनडीपीएस एक्ट तथा फॉर्नर एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोपियों की पहचान पैट्रिक ड्जीविंस्की निवासी पोलैंड व काजी निवासी कुल्लू (हिमाचल-प्रदेश) के रुप में हुई थी। आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी साक्ष्य व गवाह जुटाकर अदालत में पेश किया गया था। जिनके आधार पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने बुधवार को दोनों आरोपियों को इस केस में दोषी करार दिया गया। विदेशी नागरिक को फॉर्नर एक्ट के तहत 4 वर्ष कैद व 40 हजार रुपये जुर्माना तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 वर्ष कैद व 50 हजार जुर्माने की सजा सुनाई। दूसरे आरोपी को 12 वर्ष की कैद व 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा तथा अन्य एक्ट में 12 वर्ष की कैद व 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

गोयल ने निगमायुक्त को बताई समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम आयुक्त को मांग पत्र सौंपते नवीन गोयल व अन्य मौजिज लोग।

शहर की समस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाकर उनका निराकरण कराकर जनता को राहत दिलाने में जुटे व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा, हरियाणा के प्रमुख नवीन गोयल ने इस बार कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम समेत पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले करीब 10 साल में ऐतिहासिक विकास कार्य किए हैं। गुरुग्राम का विकास बहुत ही अहम है। केंद्र व राज्य सरकार की परियोजनाओं पर यहां लगातार काम चलता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के विकास में सरकार, आम आदमी की भी बड़ी भूमिका है। किसी को कोई परेशानी, समस्या से ना जूझना पड़े, इसके लिए सरकार ने यहां विकास के कार्यों को सदा आगे बढ़ाया है। फिर भी कुछ क्षेत्रों की छोटी-छोटी समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करके आम आदमी को राहत देनी चाहिए। निगमायुक्त को सौंपे गए पत्र में उन्होंने सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के सुझाव दिए। उन्हांने कहा कि हम समस्याओं पर मिलकर काम कर सकते हैं।

भारत में काम के अवसर बहुत, मगर स्किल की है कमी: कल्याण चक्रबर्ती

- काम में क्वालिटी देने के लिए स्किल को देना होगा बढ़ावा
- एमार इंडिया इस क्षेत्र में कर रही है काम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

दुबई में बनी विश्व की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को बनाने वाली कंपनी एमार के इंडिया कंट्री सीईओ कल्याण चक्रबर्ती का मानना है कि हमारे देश में काम के अवसर बहुत अधिक हैं। अगर कहीं कमी है तो यहां स्किल्ड लेबर की है। इस कमी को दूर करके हम देश के अधिकाधिक युवाओं को रोजगार दे सकते हैं। इस दिशा में एमार इंडिया निरंतर काम कर रहा है। यह बात उन्होंने बुधवार को गुरुग्राम स्थित एम्मार इंडिया कंपनी कार्यालय में विशेष बातचीत के दौरान कही।

कल्याण चक्रबर्ती ने कहा कि चाहे निर्माण क्षेत्र हो या तकनीक का कोई अन्य क्षेत्र, आज हर जगह प्रशिक्षित व स्किल्ड लेबर की जरूरत है। सुविधाएं दुरुस्त रखने में इनका अहम योगदान रहता है। अनट्रेंड या अनस्किल्ड लेबर को काम में लगाकर क्वालिटी बनाकर रखी नहीं की जा सकती। इसके लिए स्किल्ड लेबर होना बहुत जरूरी है। तभी हम अपने ब्रांड को वेल्यूएबल बनाकर रख सकते हैं। ऐसे में एमार इंडिया ने अपने क्षेत्र में श्रम नामक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसके तहत स्किल पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कंपनी अपने सीएसआर फंड से गरीब बच्चों के उत्थान के लिए काम कर रही है। किसी भी कंपनी की सीएसआर फंड समाज के हित में लगना ही चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने बच्चों की शिक्षा को चुना है। उन्होंने कहा कि हम किसी को कुछ दान देना चाहते हैं तो उसे शिक्षा का दान दें, ताकि वह अपने जीवन में कामयाब हो सके। हमारे देश में लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। कुछ संसाधनों के अभाव से स्कूल छोड़ रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने फंड का सदुपयोग करते हुए गरीब बच्चों को स्कूल की दहलीज तक पहुंचाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ें। इससे समाज को फायदा होगा।

एमार इंडिया के सीईओ कल्याण चक्रबर्ती।

सीईओ कल्याण चक्रबर्ती ने कहा कि एमार इंडिया ने एक नया सोशल लीडरशिप प्रोग्राम शुरू किया है। यह देश में अपनी तरह का एक खास प्रोग्राम है। कम्युनिटी को बेहतर सुविधाएं देना, कम्युनिटी को कैसे कंट्रीब्यूट करना है। इन सब विषयों पर कंपनी की लीडरशिप काम करेगी। कंपनी के प्रोजेक्ट के विषय में सीईओ कल्याण चक्रबर्ती ने कहा कि देशभर में आज तक 22 हजार से ज्यादा यूनिट्स एमार ने तैयार करके खरीदारों को हैंडओवर कर दी हैं। इसमें अकेले गुरुग्राम में करीब 13 हजार 500 यूनिट बेची गई हैं।

पुराने समय की ग्राहकों के जो भी शिकायतें या समस्याएं थीं, उन सभी को पूर्ण रूप से दुरुस्त करके सभी को उनकी प्रॉपर्टी दे दी गई हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि जिस तरह से बुर्ज खलीफा दुबई की पहचान है, भविष्य में एमार गुरुग्राम में भी ऐसा कुछ बनाएगा, जिससे कि गुरुग्राम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पहचान हो।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 1 अगस्त, 2024

सोनीपत में सदियों पुराने पेड़ काटने पर रोक

- पुलिस लाइन व थाने के निर्माण को तलाशें वैकल्पिक जगहः कोर्ट
- पेड़ काटे बगैर करें निर्माण तो अदालत को नहीं होगी कोई आपत्ति

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सोनीपत जिले में बनने वाले पुलिस थाने और पुलिस लाइन के निर्माण कार्य के लिए एक सदी पुराने 150 पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद सरकार के सामने नई जमीन तलाशने की चुनौती पैदा हो गई है।

हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर एक याचिका राष्ट्रीय पर्यावरण और वन संरक्षण ट्रस्ट (पंजीकृत) द्वारा दायर की गई थी। जिसमें ग्राम पंचायत ठस्का, सोनीपत द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार एक सार्वजनिक हित में पुलिस लाइन और थाने को जमीन आवंटित करने का निर्णय लिया गया था। थाना निर्माण के लिए एक एकड़ जमीन और पुलिस लाइन के लिए पांच एकड़ जमीन दी गई थी। उनकी शिकायत थी कि वहां खड़े 150 पेड़ काटे जाएंगे, जो कथित तौर पर लगभग 100 वर्ष पुराने हैं।

याचिका पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने उप वन संरक्षक, सोनीपत से रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट की जांच करने के बाद, पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि संबंधित भूमि पर, जिसे पुलिस स्टेशन और पुलिस लाइन के निर्माण के लिए आवंटित किया गया है, लगभग 150 पेड़ खड़े हैं जो लगभग एक शताब्दी पुराने हैं।

मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति विकास सूरी ने बुधवार को कहा कि हम लोगों ने काफी पर्यावरण क्षरण झेला है। इसलिए, यह न्यायालय किसी भी और क्षरण का हिस्सा नहीं बनेगा। यदि संबंधित अधिकारी पेड़ों को काटे बिना पुलिस स्टेशन और पुलिस लाइन का निर्माण करने में असमर्थ हैं, तो उन्हें पेड़ों को काटने से रोका जाता है। साथ ही उन्हें निर्माण के लिए वैकल्पिक स्थान खोजने की सलाह दी जाती है। पुलिस लाइन और पुलिस स्टेशन में इस आदेश के किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश नागू ने कहा कि, यह स्पष्ट है कि लगभग 150 पेड़, जो एक सदी पुराने हैं। एक पुलिस स्टेशन और एक पुलिस लाइन के निर्माण के उद्देश्य से आवंटित भूमि पर खड़े हैं। न्यायालय ने निर्देश दिया कि यदि संबंधित अधिकारी मौके पर खड़े 150 पेड़ों में से एक भी पेड़ को काटे, क्षतिग्रस्त किए बिना पुलिस स्टेशन और पुलिस लाइन का निर्माण कर सकते हैं, तो अधिकारी ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।

डेरा मुखी की पैरोल याचिका पर हाईकोर्ट में नहीं हुई सुनवाई

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की पैरोल याचिका पर बुधवार को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हुई। जिसके चलते अदालत ने आठ अगस्त को सुनवाई तय की है।

साध्वी यौन शोषण और मर्डर केस में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम जेल से बाहर आना चाहता है। राम रहीम ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सामने किसी भी तरह की पैरोल या फरलो देने पर रोक के आदेश को हटाने की गुहार लगाई है। राम रहीम ने दावा किया है कि वह इस साल 20 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो सहित कुल 41 दिनों की अवधि के लिए रिहाई के लिए पात्र है। वह इसका लाभ उठाना चाहता है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर राम रहीम को बार-बार जेल से बाहर लाने का विरोध जताया था। जिसके बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए थे कि कोर्ट की परमिशन के बिना डेरा प्रमुख की पैरोल के आवेदन पर विचार न किया जाए। राम रहीम के वकील जितेंद्र खुराना ने बुधवार को बताया कि पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट आज सुनवाई की जानी थी, मगर किसी कारणवश सुनवाई नहीं हो सकी। हाईकोर्ट ने अगले सप्ताह की तारीख दी है।

घर बैठे ही सेवानिवृत्त हो गए हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल

- नायब सैनी के सीएम बनते ही अवकाश पर चले गए थे कौशल
- टीवीएसएन प्रसाद अब पूर्णकालिक मुख्य सचिव होंगे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार में नेतृत्व परिवर्तन होते ही अवकाश पर गए हरियाणा के मुख्य सचिव आईएएस संजीव कौशल बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। कौशल घर बैठे ही सेवानिवृत्त हुए हैं। खराब मौसम का हवाला देकर बुधवार की रात उनके सम्मान में आईएएस एसोसिएशन द्वारा रखी गई पार्टी भी रद्द कर दी गई है।

12 मार्च को नायब सैनी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद 15 मार्च से संजीव कौशल 30 जुलाई तक अर्जित अवकाश (ईएल) पर चले गए थे। प्रदेश सरकार ने 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर राजपत्रित अवकाश घोषित कर दिया था, इसलिए कौशल अंतिम दिन भी कार्यालय नहीं आ सके। संजीव कौशल के छुट्टी पर जाने के बाद से ही मुख्य सचिव का काम देख रहे 1988 बैच के आईएएस अधिकारी टीवीएसएन प्रसाद अब पूर्णकालिक मुख्य सचिव होंगे। अभी तक उनके पास वित्तायुक्त के साथ नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन के चीफ रेजिडेंट कमिश्नर का भी चार्ज है। ऐसे में नया वित्तायुक्त राजस्व बनने की दौड़ में 1990 बैच के आईएएस अधिकारी सुधीर राजपाल, डॉ. सुमिता मिश्रा, अंकुर गुप्ता, अनुराग रस्तोगी और आनंद मोहन शरण सबसे आगे हैं। मुख्य सचिव संजीव कौशल की सेवानिवृत्ति पर आईएएस आफिसर एसोसिएशन ने डिनर कार्यक्रम रखा था, लेकिन बारिश के पूर्वानुमान के चलते यह स्थगित कर दिया गया।

चुनावः भाजपा की सर्वे एजेंसी ने जारी की पहली रिपोर्ट

- रातभर धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में चला मंथन
- केंद्रीय नेतृत्व की रैलियों के लिए चिन्हित किए गए स्थान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने की कवायद में जुटी भाजपा की रात भर चली मंथन बैठक में सर्वे एजेंसी ने अपनी पहली रिपोर्ट दे दी है। इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा चुनावी रणनीति को अमली रूप देगी।

बीती रात केंद्रीय शिक्षा मंत्री व हरियाणा के विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के दिल्ली आवास पर हुई इस बैठक में त्रिपुरा के पूर्व सीएम व चुनाव के सह-प्रभारी बिप्लब कुमार देव, सीएम नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, केंद्रीय बिजली मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, हरियाणा मामलों के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया व सह-प्रभारी सुरेंद्र नागर मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में पार्टी के लिए सर्वे करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उनसे सभी नब्बे हलकों को लेकर फीडबैक लिया गया। सूत्रों की मानें तो अब तक जिन हलकों में सर्वे किया गया है उनमें से कईयों में मौजूदा विधायकों की स्थिति ठीक नहीं है। जिसके चलते वहां नए चेहरों पर मंथन का सुझाव दिया गया है। इस बैठक में चुनावी रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी सहित अन्य केंद्रीय नेताओं के दौरों को लेकर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी समय मांगा गया है। मोदी से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चार अगस्त को चंडीगढ़ आ सकते हैं।

कांग्रेस को मिले दो हजार से ज्यादा आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कांग्रेस के पास विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 90 विधानसभा हलकों से अब तक दो हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। बुधवार को आवेदन का अंतिम दिन होने के कारण कांग्रेस मुख्यालय में आवेदकों की भारी भीड़ जुटी। कार्यकर्ताओं की मांग पर कांग्रेस ने अब आवेदन की अंतिम तिथि दस अगस्त तक बढ़ा दी है। बुधवार तक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में विधानसभा की नब्बे सीटों के लिए 2000 से अधिक आवेदन आ चुके हैं। पार्टी के पास कई हलकों से यह रिपोर्ट आई थी कि अभी और भी आवेदन आ सकते हैं। इसी के चलते 10 अगस्त तक आवेदन लेने का फैसला लिया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान के अनुसार चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में अपने आवेदन जमा करवा सकेंगे।

यहां बता दें कि कांग्रेस ने सामान्य वर्गों के लिए 20 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति और महिलाओं के लिए आवेदन की फीस 5 हजार रुपये निर्धारित की है। कांग्रेस मुख्यालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एससी के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों पर सबसे अधिक आवेदन आ रहे हैं।

शहीद उधम सिंह शहीदी दिवस पर स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

स्वतंत्रता सेनानियों व महापुरुषों का जीवन प्रेरणा पुंज होता है इसलिए छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। परिस्थितियां कितनी भी विपरीत हो लेकिन एक बार जो करने के लिए मन में निश्चय कर लिया उसे प्राप्त करना चाहिए। शहीद उधम सिंह के जीवन से यही सीखने को मिलता है।

यह विचार की कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज की प्राचार्या प्रो. रीटा ने शहीद उधम सिंह शहीदी दिवस पर यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। स्कूल परिसर में पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ सुखविंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया। प्रो. रीटा ने कहा कि स्कूल में आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि वो इसी स्कूल की छात्रा रही है।

आईबीबीआई (परिसमापन) प्रक्रिया विनियम, 2016 के विनियम 37ए के अंतर्गत एनआरआरए (तत्काल वसूली योग्य नहीं परिसंपत्तियां) के असाइनमेंट के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) हेतु आमंत्रण

काम्पैक्ट लैम्प्स प्राइवेट लिमिटेड – परिसमापन में
(सीआईएन- U31501DL2005PTC1400731) के मामले में

कॉम्पैक्ट लैम्प्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में आईबीबीआई (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 (आईबीसी, 2016 के दायरे में) के विनियमन 44ए के साथ विनियमन 37ए के तहत निम्नलिखित आसानी से प्राप्त न होने वाली परिसंपत्तियों ("एनआरआरए") के असाइनमेंट के लिए ईओआई आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो **"जहां है, जैसा है, जो कुछ भी है और बिना किसी सहारे के आधार पर"** है। इसका विवरण इस प्रकार है: –

- **धारा 43 और 45 के तहत दायर तरजीही और कम मूल्यांकित आवेदन के तहत लेनदेन आवेदन** जिसका **IA No. 2658/2020** है और **धारा 66 के तहत दायर धोखाधड़ीपूर्ण व्यापार या गलत व्यापार आवेदन** जिसका **IA No. 2660/2020** है। (मुकदमेबाजी के अधिकार सहित सभी अधिकार और हित)।

इच्छुक पक्ष 21 अगस्त, 2024 तक अपने प्रस्ताव अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते हैं और तदनुसार संबंधित दस्तावेज इच्छुक पक्षों के साथ उनकी उचित जांच के लिए साझा किए जाएंगे। असाइनमेंट IBC, 2016, उसके तहत बनाए गए विनियमों और प्रक्रिया दस्तावेज के प्रावधानों के अधीन होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया **वेबसाइट https://insolvencyandbankruptcy.in/public-announcement/compact-lamps-private-limited/** पर प्रकाशित प्रक्रिया दस्तावेज देखें।

नोटः – इस ईओआई के जारी होने का तात्पर्य यह नहीं है कि परिसमापक किसी आवेदक/असाइनी/हस्तांतरिती का चयन करने के लिए बाध्य है या प्रस्तावित कंपनी की परिसंपत्तियों के लिए पसंदीदा आवेदक/असाइनी/हस्तांतरिती को सफल आवेदक/असाइनी/हस्तांतरिती के रूप में नियुक्त करने के लिए बाध्य है और परिसमापक एससीसी के परामर्श से सभी या किसी भी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ताक्षर/-
दिनांकः 31.07.2024 — दीपिका भुगरा प्रसाद - परिसमापक
स्थान : नई दिल्ली — कॉम्पैक्ट लैम्प्स प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में)
आईबीबीआई पंजीकरण संख्याः IBBI/IPA-003/IP-N000110/2017-2018/11186
एएए इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स एलएलपी,
64, प्रथम तल, ओखला एस्टेट, फेस III, नई दिल्ली-110020
ईमेल आईडीः compact.lamps@aaainsolvency.com ; assetsale1@aaainsolvency.in
संपर्क नंबरः +91 8800865284 (श्री वसीम/राज कुमार)

लीड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः 101, सीताराम मेंशन, 718/21, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005, सीआईएनः L74140DL1993PLC053485

30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश
(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 30.06.2024 (समीक्षित)	तिमाही समाप्ति 31.03.2024 (लेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति 30.06.2023 (समीक्षित)	वर्ष समाप्ति 31.03.2024 (लेखापरीक्षित)
1.	संचालन से कुल आय	15.24	15.96	8.23	53.77
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व और आपवादिक मदें)	3.27	9.66	3.91	33.35
3.	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	3.27	9.66	3.91	33.35
4.	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	2.53	7.10	2.93	24.70
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	2.86	7.16	3.22	25.37
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10/- रुपये)	330.00	330.00	330.00	330.00
7.	अन्य इक्विटी	-	-	-	261.50
8.	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये) (वार्षिकीकृत नहीं)				
	मूलभूतः	0.09	0.22	0.09	0.75
	तरलीकृतः	0.09	0.22	0.09	0.75

नोटः उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 (संशोधित) के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल तिमाही अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। तिमाही अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट अर्थात www.leadfinancialservices.in पर उपलब्ध है।

बोर्ड और उसकी की ओर से
लीड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता/-
स्थानः नई दिल्ली — (पी.सी. बिंदल)
दिनांकः 31.07.2024 — (अध्यक्ष)

सार्वजनिक सूचना
मेरी मुवक्किल श्री कालीचरण पुत्र श्री महेंद्र, एक आवासीय मकान क्षेत्रफल 350 वर्ग गज यानी 292.63 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 360 में से के मालिक हैं। जो ग्राम इलहबंस, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 29.07.2024 के माध्यम से, श्रीमती लाखमरी पत्नी श्री महेंद्र और श्री अशोक कुमार पुत्र श्री महेंद्र सिंह के द्वारा श्री कालीचरण के पक्ष में निष्पादित है। पंजीकरण संख्या 4368, SR-VII, नोएडा, उत्तर प्रदेश में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/अधिवक्ता विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **विशाल मेहन, अधिवक्ता ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092, मोबाइल नंबर 9811215181**

सार्वजनिक सूचना
एतदद्वारा सूचित करना है कि श्रीमती मोहरवती पत्नी श्री धर्मी निवासी ग्राम- सोरखा, जाहिदाबाद, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0), जो कि आवासीय भूखण्ड संख्या-142, ब्लॉक-एस.के. सैक्टर-116, नोएडा(उ0प्र0) की मूल मालकिन है, उनके वसीयतनामा के आधार पर जो उप पंजीयक कार्यालय सूरजपुर गौतमबुद्ध नगर में दिनांक 12.08.2013 को पंजीकृत है। श्रीमती मोहरवती की मृत्यु दिनांक 20.07.2021 को हो गयी है, जिनके पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर उक्त आवासीय भूखण्ड संख्या-142, ब्लॉक-एस.के. सैक्टर-116, नोएडा (उ0प्र0) निम्न व्यक्ति को ट्रान्सफर/म्युटेशन किया जा रहा है :-

1. श्री रामू पुत्र श्री धर्मी निवासी बी-329, प्रेम विहार, खोडा कॉलोनी, गाजियाबाद (उ0प्र0)
2. यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति, समस्त साक्ष्य सहित, नौएडा प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर दाखिल कर दें।

श्री रामू

सार्वजनिक सूचना
ICICI Bank — **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ने आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा(ओं) के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है। ऋण(ओं) को गैर-निष्पादित आस्ति(यों) (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसे तामील नहीं किया गया है और इसलिए इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों का विवरण	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	करतार./अनीता (LBGNC00005796335) एवं लालचंद का बड़ा ताली माधोपुर राजस्थान करौली-322251	पट्टा नं. 32, खसरा सं. 650, ग्राम पंचायत डांडा, पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली, राजस्थान- 322230	05/07/2024 रु. 20,20,213/-	04/04/2024

ये कदम नोटिस की प्रतिस्थापित तामील के लिए उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ता/ओं और/या गारंटरों/ओं (जैसा लागू हो) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अगस्त 01, 2024 — भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः दिल्ली — कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.

सार्वजनिक सूचना
ICICI Bank — **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लि., कार्यालय नं. 201-बी, दूसरी मंजिल, रोड नं. 1 प्लॉट नं. बी3, वाईफाई आईटी पार्क, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, ठाणे, (पश्चिमी)-400604

निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ने आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा(ओं) के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है। ऋण(ओं) को गैर-निष्पादित आस्ति(यों) (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसे तामील नहीं किया गया है और इसलिए इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों का विवरण	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	अभिषेक वर्मा/वर्मा सेतु बीरेंद्र/(LBBRH00005444691) एवं 124, महानगर, चैनपुर, बिहार, सीवान-841203	फ्लैट नं. 27 (नया फ्लैट नं. 215), दूसरी मंजिल, उमंग कॉम्प्लेक्स (उमंग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., आरएस नं. 298 और 300 पैकी, प्लॉट नं. 3001/1 पैकी, कपोदरा पाटिया के पास, कोसमडी, भडकोडरा, भरूच, अंकलेश्वर 393001	जून 28, 2024 रु. 16,95,080/-	14-04-2024

ये कदम नोटिस की प्रतिस्थापित तामील के लिए उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ता/ओं और/या गारंटरों/ओं (जैसा लागू हो) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अगस्त 01, 2024 — भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः दिल्ली एनसीआर — कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.

PUBLIC NOTICE
To be known to all that **I,GULZAR SINGH JUDGE S/O SH. JAGIR SINGH R/O DDA LIG FLAT NO.C-5/100, GROUND FLOOR, KESHAV PURAM,LAWRENCE ROAD, DELHI-110035 has applied for conversion of the Flat No. 100, GROUND FLOOR, UNDER LIG CATEGORY, BLOCK C-5,KESHAV PURAM,LAWRENCE ROAD, DELHI-110035** from lease hold to free hold in DDA. The Original Possession Letter, NOC for Electricity and Water Connection & Site Possession Slip for electricity and water connection of the above flat have been lost. An NCR to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch in vide S.O. No.430/2014 LR No.19791 45/2024 dated 29.07.2024. Any person(s) claiming any right,interest,having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above address/phone No. 9810039511 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to **Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

PUBLIC NOTICE
To be known to all, **K V MANIKUTTAN S/o LATE VELAVAUDHAN Allottee/Owner of FLAT NO.A-204, THIRUVIZHA CGHS LTD., PLOT NO. 37,SECTOR-10,DWARKA, NEW DELHI-110075** The original document i.e. **CONVEYANCE DEED** issued by Delhi Development Authority (DDA) and duly registered in the office of Sub-Registrar-VII, INA, New Delhi of the above said flat has been lost. An LR No.1986473/2024 dated 31/07/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi. Any person (s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 7994032513 within 15 days from the date of publication of this notice.

PUBLIC NOTICE
KNOW all men by this presents that my client/s namely Naresh Kumar S/o Chhotu Ram R/o 28/938, V.P.O Jharoda Kalan, South West Delhi, Delhi-110072 has/have disowned and barred his son ABHIMANYU DAGAR and his wife RITU RATHI from all his moveable and immovable properties due to their bad behaviour, misconduct and disobedient attitude and my client/s has/have severed all relations with all of them. If anybody deals with them shall do at his/her/their own risk and responsibility and my client/s shall not be responsible for the same in future.
VIKRAM SINGH (ADVOCATE) B-52, Laxmi Garden, Near S.D.M Office/Tehsil Najafgarh, New Delhi-110043

पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
सीआईएन नं.: L65929DL1947PLC001240; ई-मेलः pnbfinanceindustries@gmail.com
पंजीकृत कार्य.: प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
टेलीफोनः +91-7303495375, वेबसाइटः www.pnbfinanceandindustries.com

सूचना
कंपनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ) में स्थानांतरण

सदस्यों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) और उसके संशोधन ("आईईपीएफ नियम") के अनुसरण में, वे सभी शेयर जिनके संबंध में शेयरधारकों द्वारा लगातार सात वर्षों या उससे अधिक समय तक लाभांश का दावा नहीं किया गया है, कंपनी द्वारा आईईपीएफ नियम के संदर्भ में निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) के नाम पर हस्तांतरित किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2016-17 से सदस्यों द्वारा धारित शेयरों के संबंध में लाभांश राशि जो दावा रहित रह गई है, उसे आईईपीएफ खाते में स्थानांतरित किया जाना है। आईईपीएफ में शेयरों के हस्तांतरण की नियत तिथि 01 नवंबर, 2024 है।

संबंधित शेयरधारकों को अलग-अलग नोटिस कंपनी के रिकॉर्ड में उपलब्ध उनके नवीनतम पते पर भेजे गए हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उचित कार्रवाई करने के लिए आईईपीएफ को हस्तांतरित किए जाने वाले शेयरों का विवरण दिया गया है।

संबंधित शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे 01 नवंबर 2024 को या उससे पहले दावा न किए गए लाभांश का दावा करें, ऐसा न करने पर उनके शेयर नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे। कंपनी ने आईईपीएफ को हस्तांतरित किए जाने वाले ऐसे शेयरों का विवरण अपनी वेबसाइट www.pnbfinanceandindustries.com पर अपलोड कर दिया है।

संबंधित शेयरधारक आईईपीएफ प्राधिकरण से शेयरों का दावा करने के लिए वेब फॉर्म आईईपीएफ-5 में आवेदन करके हकदार होंगे, जैसा कि पूर्वोक्त नियमों के तहत निर्धारित है और यह एमसीए वेबसाइट अर्थात www.mca.gov.in पर उपलब्ध है।

यदि शेयरधारकों को विषय वस्तु और आईईपीएफ नियमों के संबंध में कोई प्रश्न हैं, तो वे अपने प्रश्न कंपनी को मेल आईडीः pnbfinanceindustries@gmail.com पर भेज सकते हैं या स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट), डी-153ए, पहली मंजिल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020, फोनः 011-26812682/83, ईमेलः compliances@skylinerta.com से संपर्क कर सकते हैं। शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे कृपया ऊपर दिए गए ईमेल पतों पर कंपनी या आरटीए के साथ अपना ईमेल पता पंजीकृत करें।

कृते पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता/-
दिनांकः जुलाई 31, 2024 — श्वेता सक्सेना
स्थानः नई दिल्ली — निदेशक एवं कंपनी सचिव

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Sh.Lokender Kumar Sharma S/o Late Sh.Banwari Lal R/o 266B, Nawada Village, Uttam Nagar New Delhi-110059 have disowned/debarred his son Robin and both daughters Bhanu & Anjali from all his movable and immovable properties and have severed all relations from all of them due to their misconduct. They shall have no right, title in any of his properties, either during his lifetime or after his death. All his properties will solely be transferred to his wife. Any person dealing with them shall be doing at his own risk. **KETAN BHUTANI (Advocate) A-84, F/F, Defence Colony, New Delhi**

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my clients Jaswinder Singh (8595973008) and Gurvinder Singh (8745956318) are filing application in L&DO for substitution of the property no. A-89, Double Storey, Kalkaji, New Delhi-110019, in the name of Jaswinder Singh and Gurvinder Singh, on the ground of Surviving Member Certificate and Will. If there are any objections / claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in,Within 30 days of publication of this notice.
M N SHARMA ADVOCATE Ch 83 A K Sen Block Supreme Court Of India, New Delhi-110001

Public Notice
This is to inform the general public that Mrs. Gulnaz is the owner of Plot area measuring 500 sq. ft. i.e., 46.468 sq. mtr., out of Khasra No. 889, situated at Madiyaon, Ward Jankipuram, District - Lucknow, UP. through Sale Deed dated 18.05.2023 doc. No. 4771 executed by Mrs. Meena Singh in favour of Mrs. Gulnaz in respect of the said Plot.
The above-said owner has misplaced the 1) **Original Registration Particular Page of Sale Deed** dated 18.05.2023 doc. no. 4771 executed by Mrs. Meena Singh in favour of Mrs. Gulnaz in respect of the said Plot. A FIR No. 20240000628202, also registered at Police Computer Center, Technical Services HQ, Lucknow on dated 31.07.2024. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of **Kotak Mahindra Bank Limited, Kanpur and Lucknow, Uttar Pradesh.**
Mrs. Gulnaz is in the process of mortgaging the said Land **Kotak Mahindra Bank Limited**. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 10 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 10-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 10-days period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE
PROPERTY NO. J-2, SECTOR-41, NOIDA MEASURING 162 SQ. MTRS.
Be it known to all concerned that Shri Vikas Malik son of Shri G.L. Malik and Shri Kushal Malik son of Shri Vikas Malik, while representing themselves to be the owners and in actual physical possession of property no. J-2, Sector-41, Noida, measuring 162 sq. mtrs.,had entered into an agreement with my client Shri Harsh Khatar, son of Shri Atul Khattar, to sell the said property to him. the said agreement was duly acted upon. pursuant to the said agreement, the substantial part of sale consideration has already been paid by my client to the said owners. The original title documents along with the actual physical possession of the said property has already been handed over by the said owners to my client which my client is holding in his own rights. the said agreement is pending for performance.
If any person deals with the said owners in respect of the said property in any manner whatsoever, he/she shall be doing so at his/her own risks and no such transaction shall no bind my client in any manner whatsoever. **(D.K.Sharma) Advocate 99, LGF, Jaipuria Plaza, Sector-26, Noida**

जीवन अनमोल अस्पताल
मयूर विहार फेज -1, प्रताप नगर के सामने, दिल्ली-110091
फोन : 8527527573, 011-43029831
E-mail : jeevananmol1@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
यह सार्वजनिक सूचना के लिए है की 01-01-2017 से 31-07-2019 तक के इनडोर रोगियों के मेडिकल रिकॉर्ड (एमएलसी और मृत्यु रिकॉर्ड को छोड़कर) को नियामक मानदंडों के अनुसार नष्ट कर दिया जाएगा। जो कोई भी भविष्य के संदर्भ के लिए इंडोर रोगी मेडिकल रिकॉर्ड को संरक्षित करना चाहता है, उससे अनुरोध है की वह मेडिकल रिकॉर्ड विभाग से संपर्क करे। प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर ईमेल आईडी या व्यक्तिगत रूप से और फोन नंबर पर संपर्क करे। अस्पताल एक महीने से अधिक के रिकॉर्ड को संरक्षित करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
आदेशानुसार चिकित्सा अधीक्षक

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट संख्या-01, सेक्टर-नॉलेज पार्क-4 ग्रेटर नोएडा सिटी, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0 प्र0)
सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत M/s Elegant Solutions Pvt. Ltd. भूखंड संख्या-06, Sector-K.P.-05, Greater Noida को दिनांक 15.02.2018 को मानचित्र स्वीकृति प्रदान की गई थी। तदोपरान्त विकासकर्ता द्वारा (Group Housing Project) का पुनरीक्षित मानचित्र स्वीकृति हेतु. आवेदन संख्या-SCR-21716 दिनांक 09.07.2024 ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन किया गया है। तत्क्रम में UP-Apartment Act & 2010, Amendment 2016 in Section-4 Sub Section-B के अंतर्गत परियोजना के आवंटियो से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किए जाने का प्रावधान है। इस सम्बन्ध में विकासकर्ता द्वारा प्रस्तुत स्वीकृत मानचित्र एवं Declarations as per UP Apartment Act-2010 परीक्षण किसी भी कार्यदिवस में सुबह 9:30 से सायं 6.00 बजे के मध्य नियोजन विभाग में तथा प्राधिकरण की वेबसाइट पर किया जा सकता है।

अतः उपरोक्त परियोजना के आवंटियो द्वारा Sanction Map एवं Declarations as per UP Apartment Act-2010 के सम्बन्ध में सूचना प्रकाशित करने के 30 दिनों के अंदर आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त के निहितार्थ अपनी आपत्तियां लिखित रूप में अपने आवंटन पत्र, नाम, पता एवं दूरभाष नंबर के साथ कार्यालय समय व कार्यदिवस में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, भूखंड संख्या-1, नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा में स्थित महाप्रबंधक (नियोजन/वास्तु0) को संबोधित करते हुए सूचना प्रकाशित होने के 30 दिवसों के अंदर जमा कराई जा सकती है।

महाप्रबंधक (नियो0/वास्तु0)
ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

PROPERTY DOCUMENTS LOST
NOTICE IS HEREBY GIVEN that the following documents in respect of Chain of title of property bearing No.9, N.D.S.E. (New Delhi South Extension), Part-I, New Delhi-110049 (hereinafter referred to as the said property), have lost the following documents in the original title chain of the documents and LR No.1982082 dated 30.07.2024 has been registered: -
1. Deed of Conveyance dated 25.07.1956 executed by Navin Co-Operative Development & Housing Building Society Ltd. in favour of Nauhria Ram S/o Late Shri. Pheru Ram duly registered at the Sub Registrar of Assurances at Delhi as Document No. 2474 in Addl. Bok 1, Volume No. 210, Pages 167-168 on 25.07.1956.
2. Sale Deed Dated 19.07.1963 executed by Nauhria Ram S/o Late Shri. Pheru Ram in favour of Shri. Rup Lal Jaloto alias Roop Lal Jalota S/o Shri Lala Boota Ram Jalota duly registered with the Sub Registrar of Assurances at Delhi as Document No. 5069, in Addl. Book 1, Volume No. 1006, Pages 124-127 on 26.07.1963.
3. Sale Deed dated 05.09.1964 executed by Shri. Rup Lal Jalota alias Roop Lal Jalota in favour of Sh. Jagdish Chander Gulati, Sh. Satish Chander Gulati both sons of Late Sh. Jagan Nath Gulati and Sh. Dev Mitter Bajaj S/o Sh. Brij Lal Bajaj duly registered with the Sub Registrar of Assurances at Delhi as Document No. 6124 in Addl. Book 1, Volume No. 1186 Pages 126-139 on 14.09.1964.
4. Copy of registered general Power of Attorney in favour of Smt. Saroj Gulati W/o Sh. Sh. Jagdish Chander Gulati issued by Sh. Satish Chander Gulati duly registered with the Sub Registrar of Assurances at Delhi as Document No. 1892 in Addl. Book IV, Volume No. 1783 Pages 163-166 on 19.04.1991.

Incase any person/entity/authority has any information in relation to the aforementioned documents please contact the undersigned.
Manoj Mehra
No.9, Ground Floor, N.D.S.E. (New Delhi South Extension), Part-I, New Delhi-110049
Place: Delhi
Date: 30.07.2024 — **Mb No.:** 9899513136

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (अब सम्मान कैपिटल लिमिटेड से जाना जाता है) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **श्वेता कौर और गुरप्रीत सिंह** को **15.11.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDIP00167510** की राशि **रू.18,83,038.77 /- (दस अठारह लाख तिरासी हजार अडतीस और सतहत्तर पैसे मात्र)** और **04.11.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एततद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **27.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एततद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.18,83,038.77 /- (दस अठारह लाख तिरासी हजार अडतीस और सतहत्तर पैसे मात्र) 04.11.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (अब सम्मान कैपिटल लिमिटेड से जाना जाता है)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
युनिट नं.बी-1 /0829 संपत्ति के सभी भाग और खंड, आठवीं मंजिल पर, ब्लॉक -बी-1 में, जिसका सुपर एरिया 690 स्के.फीट, गोल्फ विलेज पर स्थित, गोल्फ कंट्री से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, टीएस-5 पर स्थित, सेक्टर 22डी, यमुना एक्सप्रेस वे, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश कवर्ड कार पार्किंग जगह के साथ ।

दिनांक :27.07.2024
स्थान :नोएडा
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड
सीआईएनः L65910DL1980PLC010617
ई-मेलः hindaf1980@gmail.com, वेबसाइटः www.hindaf.in
रजि. कार्या. केबिन नंबर डीए-8, 02वीं मंजिल, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली-110092
दिनांक 30.06.2024 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण
(लाख रूपये में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 30.06.2024 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31.03.2024 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 30.06.2023 अलेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	-	13.63	-
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदे)	-4.01	0.82	-7.62
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	-4.01	0.82	-7.62
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	-4.01	0.82	-7.62
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	-4.01	0.82	-7.62
6	इक्विटी शेयर पूंजी	350.28	350.28	350.28
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-106.12	-
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10/- रुपये का) (जारी और बंद परिचालन हेतु)			
	1. मूलभूत	-0.11	0.02	-0.22
	2. तरलीकृत	-0.11	0.02	-0.22

टिप्पणियाँः
(1) उपरोक्त 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए विस्तृत वित्तीय परिणामों का सारांश है, जिसे सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किया गया है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए पूर्ण तिमाही वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट (https://www.hindaf.in/investor-deck/financial-statements/) और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट (https://www.msei.in) पर उपलब्ध हैं।
(2) 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और उसके बाद 31 जुलाई, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और रिकॉर्ड पर लिया गया। कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों ने उपरोक्त वित्तीय परिणामों की सीमित समीक्षा की है और उन्होंने एक अयोग्य रिपोर्ट जारी की है।
(3) कंपनी के वित्तीय परिणाम कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखा मानक 34 (इंड एएस 34) के अनुसार तैयार किए गए हैं, जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 और उसके प्रासंगिक संशोधन के साथ पठित

कृते मैसर्स हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता/-
सुभाष सपरा
दिनांकः 31.07.2024 — प्रबंध निदेशक
स्थानः नई दिल्ली — डीआईएनः 00241940

भारत-चीन संबंध

तनाव की स्थिति

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्वीकार किया है कि चीन के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। उनका हालिया बयान भारत और चीन के बीच वर्तमान समय में जारी राजनयिक तनाव रेखांकित करता है। इसके पहले भी उन्होंने कहा था कि चीन एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसका अर्थ था कि हमें चीन के खिलाफ काम करने के पहले दो बार सोचना चाहिए। विदेश मंत्री द्वारा वर्तमान समय में भारत–चीन संबंधों का आंकलन उन चुनौतियों को रेखांकित करता है जो विभिन्न राजनयिक प्रयासों तथा उच्चस्तरीय संपर्क के बावजूद बनी हुई हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान का एक प्रमुख तत्व यह था कि उन्होंने चीन के साथ विवाद सुलझाने में तीसरे पक्ष की 'मध्यस्थता' से साफ इनकार किया। विदेश मंत्री ने जोर दिया कि भारत चीन के साथ अपने मुद्दे द्विपक्षीय स्तर पर बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के हल करना चाहता है। यह दृष्टिकोण भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रत्यक्ष प्रबंधन की दीर्घकालीन नीति का हिस्सा है। जयशंकर की टिप्पणी विदेश नीति में संप्रभुता व स्वायत्तता बनाए रखने के भारतीय दृष्टिकोण की परिचायक है। तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को अस्वीकार कर भारत चीन के साथ अपने मतभेद प्रत्यक्ष संवाद व बातचीत के माध्यम से हल करने के इरादे का संकेत दे रहा है। भारत का यह दृष्टिकोण स्थापित राजनयिक चैनलों के माध्यम से विवाद समाधान के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करता है। इससे वह विदेशी प्रभाव को अस्वीकार करता है जिससे प्रक्रिया में बाधा आ सकती है तथा वह और जटिल हो सकती है।

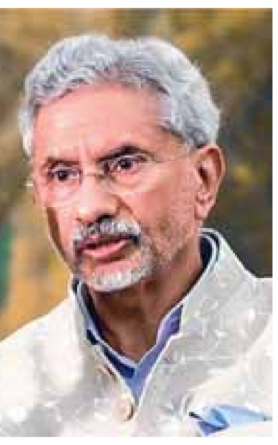

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों के समाधान में दिलचस्पी दिखाई, पर इसका कोई लाभ नहीं हुआ। चीनी प्रधानमंत्री शी जिनपिंग को भारत आमंत्रित कर उनका जोरदार स्वागत किया गया, पर इससे बर्फ नहीं पिघली और सीमाओं पर तनाव जारी रहा। भू–राजनीति की जटिलताओं में भारत अमेरिका के ज्यादा निकट आया है जो भारत का प्रयोग चीन का प्रभाव सीमित करने के लिए करना चाहता है। स्वाभाविक रूप से चीन इससे बहुत चिंतित है। चीन की बेचैनी सीमा पर उसकी कार्रवाइयों से प्रकट होती है जो 1962 से 2017 में 'डोकलाम घटना' होने तक शांतिपूर्ण बनी रही। भारत–चीन संबंध जटिल और बहुआयामी हैं जिन पर ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक व रणनीतिक तत्वों का प्रभाव पड़ता है। दोनों देशों के बीच काफी लंबी सीमा है। 1962 में अक्साईचिन क्षेत्र में सीमा विवाद के कारण भारत–चीन युद्ध हुआ था। मजेदार बात है कि सीमा विवादों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बढ़े हैं। चीन भारत का एक सबसे बड़ा व्यापार साझीदार है। लेकिन हालिया वर्षों में सीमा पर टकराव तथा रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ी है। हालिया वर्षों में संबंधों में सहयोग व टकराव, दोनों शामिल रहे हैं। 2017 में हुई डोकलाम झड़प सीमा पर तनाव का प्रमुख उदाहरण है। यह टकराव डोकलाम पठार पर हुआ जो चीन और भूटान के बीच विवादित क्षेत्र है। 2020 में गलवान घाटी में झड़प से टकराव और बढ़ा। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद भारत और चीन लगातार राजनयिक और आर्थिक संबंध बनाए रहे। दोनों देशों ने परस्पर लाभ के दृष्टिकोण से मतभेदों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता अनुभव की है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय भू–राजनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

विकसित भारत हेतु संतुलित बजट

2024–25 के बजट में प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण को केन्द्रीय स्थान मिला है। इससे घरेलू उत्पादन बढ़ेगा, एसएमई को सहायता मिलेगी तथा निर्भरता घटाने के लिए खोज को गति मिलेगी।

के.एस. तोमर
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

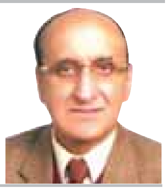

प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण को बजट में केन्द्रीय स्थान मिला है। इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे कृषि, विनिर्माण व तकनीक में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है। बजट में घरेलू उत्पादन बढ़ाने, छोटे एवं मझोले उद्यमों–एसएमई की सहायता करने तथा खोज प्रोत्साहित करने पर जोर है। इन पहलों का उद्देश्य आयात निर्भरता घटाना तथा जीवन्त व टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनाना है। इसके साथ ही बजट में मोदी के वैश्विक अर्थव्यवस्था से भारत के संबंधों पर भी जोर दिया गया है। भारत की निर्यात प्रतियोगिता क्षमता बढ़ाने, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश–एफडीआई आकर्षित करने तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में सहभागिता का महत्वपूर्ण स्थान है। इस दृष्टिकोण से वैश्विक बाजार से संबंध मजबूत करने के साथ घरेलू क्षमतायें बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। यह संतुलित दृष्टिकोण भारत के लिए महत्वपूर्ण है जिससे वह लगातार जटिल होती वैश्विक अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में चुनौतियों का सामना कर अवसरों का लाभ उठा सकेगा।

केन्द्रीय बजट देश के आर्थिक नियोजन में केन्द्रीय स्थान रखता है। इससे सरकार की रणनीतिक प्राथमिकताओं तथा भविष्य का दृष्टिकोण पेश करने में सहायता मिलती है। यह अगले पांच साल के लिए उल्लेखनीय सुधारों की नीव रखता है। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट आर्थिक वृद्धि को गति देगा, सामाजिक असमानताओं को संबोधित करेगा तथा भारत को वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। नवीनतम बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में तैयार किया गया है और यह संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए घरेलू विकास तथा अंतराष्ट्रीय दृष्टिकोण को समाहित करता है।

2024–25 के केन्द्रीय बजट के प्रकाश में भाजपा–नीत केन्द्र सरकार को विपक्ष शासित सरकारों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पैसा एकत्र करने व नीतिगत क्रियान्वयन में भेदभाव का आरोप लगाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि केन्द्रीय योजनाओं व पैसे के आबंटन में बजट फ्लैगशिप योजनाओं, जैसे 'प्रधानमंत्री आवास योजना'–पीएमएवाई और 'आयुष्मान भारत' में 15 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव करता है। लेकिन विपक्षी राज्यों का तर्क है कि फंड में उनका आबंटन समानुपातिक आवश्यकताओं की अभिव्यक्ति नहीं करता है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु ने दावा किया है कि पीएमएवाई में काफी आबंटन के बावजूद पैसा जारी करने में विलंब से क्रियान्वयन में इसके प्रभावी प्रयोग में बाधा आती है।

केन्द्र सरकार की प्रतिक्रिया में जोर दिया गया है कि समतापूर्ण वितरण विभिन्न आयामों पर आधारित है, पर विपक्षी राज्यों का दृष्टिकोण है कि ये व्याख्यायें सतही हैं। आलोचकों का कहना है कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अक्षमता भेदभाव का प्रमाण है। विपक्ष शासित राज्यों ने विलंब के बारे में चिन्ता प्रकट की है जिससे योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन नहीं होता है। केन्द्र सरकार को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इन फंडों का प्रभावी प्रयोग हो तथा शिकायतों को संबोधित करने के लिए क्रियान्वयन पर गहरी नजर रखी जाए। राजनीतिक पूर्वाग्रह के आरोप राजनीतिक गतिशीलता को प्रभावित करते हैं। विपक्षी नेताओं का तर्क है कि केन्द्रीय एजेंसियां राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना लगाती हैं जिनसे भेदभाव की भावना और मजबूत होती है। भाजपा के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का आरोप है कि केन्द्रीय संसाधनों के प्रबंधन से सरकार इन जटिल राजनीतिक गतिशीलताओं का प्रबंधन आसानी से कर सकती है। भेदभाव के आरोपों का मुकाबला करने के लिए केन्द्र सरकार को अनेक रणनीतियों का पयोग करना चाहिए जिनमें पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। उसे फंड आबंटन तथा खर्च की विस्तृत रिपोर्ट जारी करना चाहिए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके तथा असमान वितरण की शिकायतें दूर हो सकें।

सरकार को केन्द्रीय योजनाओं के सक्षम और प्रभावी क्रियान्वयन पर खासकर विपक्ष शासित राज्यों में जोर देना चाहिए ताकि समान विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हो सके। केन्द्र को विपक्षी राज्य सरकारों के साथ नियमित चर्चा कर उनकी शिकायतों को दूर कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी बातें सुनी गईं और उनको संबोधित किया गया। टिकाऊ वृद्धि के लिए संतुलित दृष्टिकोण जरूरी है। मोदी के नेतृत्व में भारत का केन्द्रीय बजट विकास के प्रति संतुलित रूपरेखा पेश करता है। इसमें घरेलू विकास तथा रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाया गया है। इसमें ढांचागत संरचना, स्वास्थ्यरक्षा, शिक्षा और वित्तीय समावेशन पर जोर दिया गया है जो सरकार की समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करता है। इसके साथ ही वैश्विक साझेदारी, रक्षा, विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया गया है जिससे स्पष्ट होता है कि भारत विश्व मंच पर प्रमुख पक्ष के रूप में उभरना चाहता है। बजट का प्रमुख ध्यान समावेशी विकास पर है। इसमें सुनिश्चित किया गया है कि आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचें। ढांचागत सुधार पर काफी आबंटन किया गया है जिसमें सड़कें, रेलवे और डिजिटल ढांचे शामिल हैं। बजट न केवल रोजगार सृजन का वादा करता है, बल्कि दीर्घकालीन आर्थिक मजबूती के लिए जमीनी आधार भी तैयार करता है।

नवीकरणीय ऊर्जा व हरित तकनीक पर जोर इसका एक और महत्वपूर्ण पक्ष है जो इसे टिकाऊ विकास की वैश्विक प्रवृत्तियों से जोड़ता है। लेकिन स्वास्थ्यरक्षा और शिक्षा पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य पर समुचित आबंटन खासकर कोविड–19 वैश्विक महामारी से सीखे सबकों के बाद जरूरी था। इसके साथ ही शिक्षा व खासकर डिजिटल व व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देना जरूरी है। इससे युवा पीढ़ी ऐसे कौशलों से लैस होगी जो उसे भविष्य में रोजगार बाजार के लिए तैयार करेगी। मानव पूंजी के विकास पर जोर देना दीर्घकालीन टिकाऊ विकास के लिए बहुत जरूरी है। वित्तीय समावेशन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता उसकी अनेक पहलों के विस्तार के रूप में सामने आती है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं का विस्तार शामिल है। यह प्रयास ग्रामीण जनसंख्या को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित करने, उनके आर्थिक अवसर बढ़ाने तथा क्षेत्रीय असमानतायें समाप्त करने के लिए जरूरी है। इसके साथ ही किसानों, महिलाओं और हाशियाकृत समुदायों के प्रति लक्षित कल्याणकारी योजनाओं से सरकार की प्रतिबद्धता प्रकट होती है कि वह सामाजिक असमानताओं को संबोधित कर संसाधनों का ज्यादा समतापूर्ण वितरण सुनिश्चित करना चाहती है।

भेदभाव वाले दृष्टिकोण का एक प्रमाण केन्द्रीय बजट में बिहार को बाढ़ समस्या से निपटने के लिए 11,500 करोड़ रुपये का आबंटन है, जबकि हिमाचल और उत्तराखंड को भी जुलाई–अगस्त, 2023 में लगभग 12,000 करोड़ व 4,000 करोड़ का भारी नुकसान हुआ, लेकिन इन आंकड़ों का बजट में कोई उल्लेख नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश की इस आपदा में 550 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी तथा राज्य सरकार ने विस्थापितों के पुनर्वास के लिए 650 करोड़ रुपये का आबंटन करना पड़ा। उसे केन्द्रीय वित्त मंत्री से उदार पैकेज की उम्मीद थी। वित्त मंत्री ने पंजाब पर भी ध्यान नहीं दिया जिसके 23 जिलों में से 21 भारी बरसात और बाढ़ से प्रभावित हुए थे और उसे 1,680 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था।

बिहार को विशेष व्यवहार के लिए चुना गया और वित्त मंत्री ने बाढ़ राहत के लिए उसे 11,500 करोड़ रुपये का आबंटन किया। विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार भारत का सर्वाधिक बाढ़–संभावित राज्य है। उत्तर बिहार की 76 प्रतिशत जनसंख्या दशकों से लगातार बाढ़ का सामना कर रही है। इसलिए उसे विशेष पैकेज की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए दूसरे राज्यों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए जिनको ऐसी ही समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' का दृष्टिकोण पूरे बजट में केन्द्रीय स्थान पर है। यह देश की आर्थिक व रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं का रोडमैप पेश करता है। समग्र दृष्टिकोण, संतुलित घरेलू प्राथमिकतायें तथा अंतरराष्ट्रीय संबंधों के साथ ही भारत निश्चित रूप से टिकाऊ व समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

निरंतरता व सहानुभूति से टीबी का उपचार

> **तपेदिक एक उपचार योग्य संक्रामक रोग है जो असमानताओं से जुड़ा है, इसलिए इन असमानताओं को सहानुभूति के साथ संबोधित करने वाली साझेदारियों में निवेश करना महत्वपूर्ण है।**

स्वप्ना मजूमदार
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एक साल पहले 20 वर्षीय ताहिरा को यकीन हो गया था कि वह मरने वाली है। बुखार जो ठीक नहीं हो रहा था, लगातार खांसी, भूख न लगना और अत्यधिक कमजोरी ने उसे महीनों तक बिस्तर पर रहने पर मजबूर कर दिया था। उसका पति, जो एक रिक्शा चालक है, के पास न तो साधन थे और न ही उसे डॉक्टर के पास ले जाने का समय। जब उसका भाई कोलकाता में उससे मिलने आया और उसकी गिरती सेहत को देखा, तभी उसने मामले को अपने हाथों में लेने का फैसला किया। वह ताहिरा को अपने साथ दिल्ली के सीमापुरी में उसके मायके ले आया।

यह फैसला उसकी जान बचाने के लिए था। लगभग इसी समय, एक गैर–लाभकारी संस्था, ह्यूमैना पीपल टू पीपल इंडिया, अपने प्रोजेक्ट लीड (लीवरेजिंग एजुके टिंग, एडवोके टिंग टू डिसरप्ट टीबी ट्रांसमिशन) के एक हिस्से के रूप में तपेदिक (टीबी) पर जानकारी और मार्गदर्शन दे रही थी। सरकार के राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करते हुए, लीड ने चार शहरों, दिल्ली, मुंबई, हावड़ा और हैदराबाद में निम्न–श्रेणी की शहरी झुग्गियों में रहने वाले अक्सर उपेक्षित और उपेक्षित हाशिए के समुदायों, बेघर और प्रवासी आबादी पर ध्यान केंद्रित किया। दृढ़ता का फल मिलाजब लीड फील्ड ऑफिसर शांति ने ताहिरा से मुलाकात की, तो उन्हें तुरंत पता चल गया कि क्या करना है। सबसे पहले, उसे छाती का एक्स–रे कराने के लिए ले जाया गया।

जब ताहिरा में टीबी होने की संभावना दिखाई दी, तो थूक की माइक्रोस्कोपी की गई, जिसमें टीबी की पुष्टि हुई। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया, तो कार्टिज–आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिके शन टेस्ट के माध्यम से डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित आणविक परीक्षण और सरकारी जीटीबी अस्पताल में मुफ्त में उपलब्ध कराए गए लाइन प्रोब परख के माध्यम से दवा संवेदनशीलता परीक्षण के माध्यम से निदान की पुष्टि की गई। दवा संवेदनशीलता परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि टीबी बैक्टीरिया (बैसिलस माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस), जो किसी व्यक्ति को संक्रमित करता है, उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधी नहीं है, जिनसे उनका इलाज किया जाता है।

शांति को एहसास हुआ कि बर्बाद करने के लिए समय नहीं है, इसलिए उसने जल्दी से नी–अक्षय, सरकार की एनटीईपी रियल–टाइम रोगी प्रबंधन वेब प्रणाली पर अपना पंजीकरण सक्षम किया, ताकि उसका कार्ड बनाया जा सके और उसका इलाज उसी दिन शुरू हो सके। एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता के रूप में, शांति जानती थी कि समय बहुत महत्वपूर्ण है और उपचार का पालन करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, अगले छह महीनों के लिए, शांति ताहिरा की छाया बन गई। उसने सतर्क नज़र रखी और ताहिरा को दवा के नियम से चिपके रहने या चूकने से बचाने के लिए 40 बार लगातार उसका इलाज किया। उसकी दृढ़ता का फल तब मिला जब कुछ महीने पहले ताहिरा का परीक्षण नकारात्मक आया और अब वह पूरी तरह से ठीक हो गई है। टेक्नो सीएटीटीबी एक संक्रामक बीमारी है, इसलिए जल्दी पता लगाना और इलाज करना बहुत ज़रूरी है, खासकर तब जब यह बीमारी तब फैलती है जब बीमारी वाले व्यक्ति हवा में बैक्टीरिया छोड़ते हैं, ज़्यादातर खांसने से। यहीं पर तकनीक एक भूमिका निभा सकती है। कफ अगेंस्ट टीबी (कैट) एक अभिनव अनुप्रयोग है जो वाधवानी एआई द्वारा विकसित फुफ्फुसीय टीबी की संभावना का आकलन करने के लिए एआई–संचालित खांसी–ध्वनि–आधारित स्क्रीनिंग टूल है, जिसके परिणामस्वरूप 10.8 प्रतिशत संभावित दर और 15.6 प्रतिशत की सकारात्मकता उपज हुई। कैट का उपयोग करने के महत्वपूर्ण परिणामों में से एक स्पर्शोन्मुख मामलों का पता लगाना था, जो अन्यथा छूट जाते। जबकि प्रौद्योगिकी एक सक्षम उपकरण रही है, 600,000 से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग, टीबी (पीडब्ल्यूटीबी) से पीड़ित 3,182 लोगों की पहचान करने और दिल्ली में उनमें से 98त्न को उपचार के अनुपालन में सहायता करने की वास्तविक सफलता महिला फील्ड वर्करों द्वारा दिखाई गई प्रतिबद्धता और करुणा के कारण है। एक साल की परियोजना के अंत में परियोजना के निष्कर्ष बताते हैं कि महिला फील्ड अधिकारी अपनी सहानुभूति के कारण टीबी जागरूकता और स्क्रीनिंग में अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी साबित हुई।

एक मानवीय स्पर्श कैसे एक मानवीय स्पर्श सभी अंतर ला सकता है, यह ताहिरा के मामले में देखा गया। शांति ने ताहिरा को उसके चुनौतीपूर्ण उपचार के दौरान सिर्फ़ काउंसलिंग के ज़रिए ही नहीं, बल्कि एक एनजीओ के साथ अपने संपर्कों के ज़रिए हर महीने भोजन राशन की खुराक देकर भी मदद की। इसके अलावा, उन्होंने उसे एनटीईपी की अक्षय पोषण योजना से भी जोड़ा, जो टीबी पीड़ितों को भोजन खरीदने के लिए हर महीने 500 रुपये देने की सरकारी योजना है। टीबी से ठीक हो चुकी महिलाओं को एक्टिविस्ट और फील्ड वर्कर के तौर पर तैनात करने से उन लोगों तक पहुँचने में भी मदद मिली है जो टीबी से पीड़ित हैं। वे जानती हैं कि टीबी के साथ जीने का क्या मतलब है और उन्हें किस तरह के सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही परिस्थितियों में दूसरों की मदद करने के उनके दृढ़ संकल्प ने शुरुआती पहचान और उपचार को बढ़ावा दिया है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि सबसे ज़्यादा जोखिम में वे लोग हैं जो खराब हवादार और भीड़भाड़ वाली परिस्थितियों में रहते हैं, कुपोषण और बीमारियों से पीड़ित हैं और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी सीमित पहुंच है। प्रोजेक्ट लीड ने दिखाया है कि महिला फील्ड ऑफिसर अपनी समझ और संवेदनशीलता की वजह से कमज़ोर और हाशिए पर पड़े लोगों को टीबी की जांच और उपचार के लिए राजी करने में ज़्यादा सफल होती हैं। टीबी शोधकर्ता डॉ. अनुराग भार्गव, डॉ. मधुकर पई और डॉ. माधवी भार्गव ने दोहराया कि टीबी एक इलाज योग्य संक्रामक रोग है जो असमानताओं से जुड़ा हुआ है, इसलिए इन असमानताओं को पाटने के लिए अधिक साझेदारी में निवेश करना और भी जरूरी है।

आप की बात

मनु की दुहरी सफलता

पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर ने 12 साल बाद निशानेबाजी स्पर्धा में दो पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है और हम भारतवासियों को गौरवान्वित किया है। खेलों में मनु भाकर की सफलता ने सिद्ध किया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं है। उन्होंने अपने हौसलों से हर मुश्किल काम को आसान किया है और हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी का परचम लहराया है। ओलंपिक में एक बार फिर मनु ने हमें गर्व करने का अवसर प्रदान किया है। ओलंपिक के 124 सालों के सफर में भारत ने अब तक 35 पदक ही हासिल किए हैं और इनमें मात्र 10 स्वर्ण पदक है। 10 में से 8 स्वर्ण पदक तो पुरुष हॉकी में जीते हैं और दो स्वर्ण पदक भाला फेंक और निशानेबाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा में जीते हैं। ऐसे बहुत सारे गेम है जिसमें भारत पदक जीतने से अब तक वंचित रहा है। 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सर्वाधिक सात पदक जीते थे। अब तक के ओलंपिक इतिहास में भारत पदक तालिका में दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच पाया है। उम्मीद करनी चाहिए कि भारत पेरिस ओलम्पिक में अब तक का सर्वोत्तम प्रदर्शन कर न केवल खेलों की दुनिया में अपना जलवा दिखाएगा, बल्कि वर्ष 2036 में ओलम्पिक मेजबानी के लिए भी तैयार होगा।

– **नलिन खोईवाल,** इंदौर

मीडिया की जिम्मेदारी

दिल्ली से छपने वाले अखबारों में शायद ही ऐसा कोई दिन हो कि किसी कोचिंग संस्थान का पूरे पेज का विज्ञापन न छपा हो। विडंबना है कि जैसे ही ये कोचिंग संस्थान विज्ञापनदाता हो जाते हैं, मीडिया का ध्यान इस बात से हट जाता है कि इनके भीतर कोई गड़बड़ी भी हो सकती है। शायद बड़े विज्ञापन देने के कारण ये कोचिंग संस्थान मीडिया की जांच का विषय नहीं रह जाते। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर लोग खुलेआम वीडियो बनाकर मीडिया संस्थान का नाम लेकर लिख रहे हैं कि वे इंटरव्यू शूट करने और दिखाने के लाखों रूपये लेते हैं। ऐसे में यदि किसी कोचिंग संस्थान के मालिक ने पैसे दे कर मीडिया के किसी हिस्से को इंटरव्यू दिया तो उसके लिए भी कोचिंग संस्थान कोई ख़बर का विषय नहीं है। मीडिया को भारी–भरकम विज्ञापन देकर प्रभावित किया जा सकता है। मीडिया में विज्ञापनों और खबरों के बीच द्वंद्व तो महात्मा गांधी के समय से ही शुरू हो गया था, जब मीडिया अपने उदीयमान समय में था। आज स्थिति पहले की तुलना में ज्यादा गंभीर हो गई है। लेकिन तमाम वित्तीय दबावों के बावजूद मीडिया से उम्मीद की जाती है कि वह देश और समाज की विसंगतियां उजागर करता रहेगा।

–**भूपेंद्र सिंह,** दिल्ली

ट्रेन दुर्घटना

हावड़ा से मुंबई जा रही मेल एक्सप्रेस झारखण्ड में चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ा बम्बू स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 20 बोगियां बेपटरी हो गई जिससे 2 यात्रियों की मृत्यु हुई और अनेक घायल भी हो गए। हालांकि, रेलवे ने मृतक आश्रितों, गंभीर घायलों और मामूली घायलों को मुआवजा देने की घोषणा की है। लेकिन पिछले कुछ समय से एक के बाद एक दुखद रेल दुर्घटनायें कहीं न कहीं गंभीर लापरवाही दर्शाती हैं। यह जांच का विषय है कि इनके पीछे कोई षड्यंत्र तो नहीं हो रहा है। लेकिन इनसे रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं। हालांकि रेलवे वर्तमान समय में नई–नई ट्रेनें चला रही है और अनेक विकास कार्य भी रेलवे में चल रहे हैं। लेकिन तकनीकी या गैर तकनीकी कर्मचारियों की कमी भी दूर करना जरूरी है ताकि परिचालन में असुविधा व अड़चनें न उत्पन्न होने पायें। रेलवे ने तकनीकी उन्नयन से यात्रियों की सुविधा बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है, पर यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में तकनीक पर अति–निर्भरता हानिकारक हो सकती है। समय की मांग है कि रेलवे में सभी खाली पदों पर उपयुक्त कर्मचारियों की यथासंभव शीघ्रातिशीघ्र भर्ती की जाए।

–**महेश नेनावा,** इंदौर

कर्नाटक का निर्णय

भारतीय न्याय संहिता–बीएनएस की धारा 281 के तहत वाहनों की गति 120 किलोमीटर से अधिक होने पर खतरनाक ड्राइविंग मानी जाती है। इसीलिए कर्नाटक राज्य सरकार ने 130 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाने वाले के खिलाफ एक अगस्त से एफआईआर दर्ज करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय उचित और स्वागत योग्य है। यह निर्णय इसलिए भी उचित है क्योंकि इससे अधिक स्पीड से गाड़ी चलाने पर ड्राइवर का कोई कंट्रोल नहीं रह पाता है और दुर्घटना का अंदेशा हमेशा बना रहता है। आजकल बाइक भी ऐसी आ रही है जो पल भर में 160 की स्पीड पकड़ लेती है जो जानलेवा सिद्ध हो सकती है। कर्नाटक सरकार का यह निर्णय प्रशंसनीय है। दूसरे राज्यों को भी इस निर्णय का अनुकरण कर इसे अपने प्रदेशों में इसे लागू करना चाहिए। दोपहिया या चौपहिया वाहन चालकों को स्पीड का आनन्द उठाने का अवसर देने के लिए राज्य सरकारों को बाइक व कार रेसिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करने पर विचार करना चाहिए। वाहनों की गति पर लगाम निरपराध राहगीरों के लिए भी जरूरी है।

– **भगवानदास छारिया,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई–मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

हमारी सरकार ने खोले आठ लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते: योगी

● वर्तमान सरकार ने न्यू पेंशन स्कीम के अंतर्गत राज्यांश को बढ़ाकर किया 14 प्रतिशत

न्यू पेंशन स्कीम पर सीएम योगी ने विधानपरिषद में सपा-बसपा को लताड़ा, कहा, 2005 से 2017 तक नहीं खोले गए पेंशन खाते

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद् में न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर वक्तव्य दिया। एनपीएस पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनाने के बाद राज्य के करीब 8 लाख कर्मचारियों के पेंशन खाता खोलने का कार्य किया गया।

उन्होंने कहा कि 2005 में जब न्यू पेंशन स्कीम लागू हुई तब प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा सरकार थी। वहीं 2007 से 2012 तक बसपा और फिर 2012 से 2017 तक सपा सत्ता में थी, मगर ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक भी कर्मचारी के पेंशन खाते नहीं खोले गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 में जब ये बात हमारे सज्ञान में आई, तब हमने तत्कालीन फाइनेंस सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें संबंधित विशेषज्ञों को भी रखा गया। कर्मचारी संगठनों से भी चर्चा की गई। ये लगभग आठ लाख कर्मचारियों से संबंधित मुद्दा था। तब ये बात सामने आई थी कि कर्मचारी की लास्ट पेमेंट जो ड्रॉ होगी उसका 50 प्रतिशत देने के लिए आवश्यक होगा कि सरकार अपना शेयर थोड़ा और बढ़ाए। आंकलन में पता लगा कि अगर सरकार और कर्मचारी समय से पैसा जमा करें और कर्मचारी किसी स्कीम से अपना पैसा जोड़ता है तो रिटायरमेंट के बाद करीब 60 प्रतिशत तक पैसा पेंशन के रूप में उसे प्राप्त हो सकता है। इसके बाद हमने पेंशन स्कीम में सरकार के शेयर को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया है। हमने सभी कर्मचारियों के अकाउंट खोले, 2005 से 2017 तक का पैसा जो कर्मचारियों के खाते में नहीं गया था, क्योंकि खाता ही नहीं था, उस पैसे को भी डालने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 2005 में न्यू पेंशन स्कीम लागू होने के वक्त जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में थी, ऐसे 70 हजार लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम में ही रखा, इनमें एक बड़ी संख्या शिक्षकों की है। सीएम योगी ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम को प्राइवेट बैंकों में जमा करने की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है और इसमें कार्रवाई भी की गई है, साथ ही धनराशि को वापस लाने का कार्य किया गया है। सरकार की प्राथमिकता होती है कि किसी भी सरकारी स्कीम का पैसा राष्ट्रीयकृत बैंक में ही जुड़े।

लाल बिहारी यादव को उच्च सदन में नेता विरोधी दल बनने पर दी बधाई

इससे पहले मुख्यमंत्री ने लाल बिहारी यादव को विधान परिषद में नेता विरोधी दल बनने पर बधाई दी और चुटकी लेते हुए कहा कि आशा करता हूं कि आप हमेशा नेता विरोधी दल बने रहें। उन्होंने कहा कि ये उच्च सदन है, यहां आने वाले माननीय सदस्यगण सभी समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुछ स्थानीय निकाय, कुछ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, कुछ स्नातक मतदाताओं व माननीय राज्यपाल जी के मनोनयन से यहां आते हैं। सरकार आपकी भावनाओं का पूरा सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही पीठ से जो भी आवश्यक दिशा-निर्देश मिलते हैं, उनका भी सम्मान किया जाता है।

नेता सदन ने दी है सुरक्षा की गारंटी: सुरेश खन्ना

● परिवार की सुरक्षा की मांग को लेकर सपा सदस्य आए वेल में

● नजूल सम्पत्ति विधेयक-2024 प्रस्तुत होने पर विपक्ष बिफरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा

मानसून सत्र के तीसरे दिन विधानसभा में समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ सदस्य विजमा यादव अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर वेल में पहुंच गयी। उनके बाद समाजवादी पार्टी के बाकी सदस्य भी वेल में पहुंच गए। सपा सदस्य विजमा यादव का कहना था कि उनके पति जवाहर यादव पंडित के हत्यारोपी उदयभान करवरिया की सजा माफ कर उसे रिहा किए जाने से उनकी और परिवार की सुरक्षा का खतरा बढ गया है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना का कहना था कि इस बावत कल ही सदन में नेता सदन और मुख्यमंत्री से चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार सदस्य विजमा यादव और उनके परिवार की सुरक्षा की गारंटी लेती है। उनकी मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर जो भी आवश्यक होगा किया जायेगा। सपा सदस्य का कहना था कि उनके पति के हत्यारोपी की सजा माफ किए जाने के साथ ही उनकी सुरक्षा में भी कटौती की गयी है जिससे उन्हे और परिवार को जान का खतरा है। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने हत्यारोपी की सजा माफ किए जाने पर सवाल उठाया। इस पर विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सजा माफ किये जाने का निर्णय राज्यपाल का है उस पर इस सदन में चर्चा नहीं की जा सकती है। संसदीय कार्यमंत्री के आश्वासन के बाद सपा के सदस्य वेल से अपने आसन पर वापस गए। आज ही विधानसभा में दूसरी शोरशराबे और हंगामें की स्थिति तब पैदा हुई जब उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति विधेयक-2024 प्रस्तुत किया गया। सपा के सदस्य इस विधेयक को प्रवर समिति के सुपुर्द किए जाने की मांग कर रहे थे। अपनी इस मांग को लेकर सपा सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। शोरशराबे और हंगामें के बीच ही नजूल सम्पत्ति विधयेक ध्वतिमत से पारित हो गया। शोरशराबे के बीच ही उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र और अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक 2024 सहित कई विधयेकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

शिवपाल ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के मध्य बैठक कराने का उठाया मुद्दा

सपा के वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश सिंह ने जिलो में सलाहकार समितियों के गठन न होने और उनकी बैठके न होने का मामला उठाया। सपा के शिवपाल यादव ने भी जिलों में अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों की बैठक न बुलाए जाने का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार जिलों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक सुनिश्चित कराए। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि हर जिलें में जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक सुनिश्चित कराए जाने के आज ही निर्देश निर्गत करायेंगे।

उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जिला सलाहकार समितियों का गठन सुनिश्चित कराने के संबंध में मुख्यमंत्री से बात भी करेंगे। संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि जिलों में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है कि जनप्रतिनिधियो के साथ बैठकें करें और उनके फोन भी रिसीव करें। पूर्व में भी मुख्य सचिव की ओर से इस आशय के निर्देश जारी किये जा चुके है। नियम 301 के तहत कांग्रेस की सदस्य आराधना मिश्रा मोना ने सदन के सदस्यों का वार्षिक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने का मामला उठाया। इस पर विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि इस बारे में वे उपमुख्यमंत्री से यह सुनिश्चित करायेंगे। इससे पूर्व प्रश्न प्रहर सपा के सदस्य डा संग्राम यादव ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को ध्वस्त बताते हुए कहा कि सरकार बिजली विभाग के निजीकरण की तैयारी कर रही है। स्वयं ऊर्जा के क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की बुरी स्थिति है। दस से पन्द्रह दिन लग जाते हैं फुंके हुए टांसफार्मर भी नहीं बदले जा रहे हैं। किसानों को चार घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। प्रश्नकाल का समय समाप्त होने के कारण ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के लिखित जवाब पर सपा सदस्य पर कोई अनुपूरक नहीं किया। प्रश्न प्रहर में गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर सपा के कई सदस्यों ने सवाल किए जिस पर गन्ना विकास मंत्री चैधरी लक्ष्मीनारायण ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार सत्तारूढ होने के बाद गन्ना किसानों का भुगतान शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराया जा रहा है।

सपा के सदस्य समरपाल सिंह का आरोप था कि सरकार गन्ना किसानों को तीन का भुगतान नहीं किया गया है। एक अनुपूरक के जवाब में कहा कि केन्द्र के शुगर एक्ट मे परिवर्तन करने का राज्य सरकार कोई अधिकार नहीं है। आज ही सदन में दिवंगत पूर्व लोकसभाध्यक्ष मनोहर जोशी तथा प्रदेश के पूर्व राज्यपाल डा अजीज कुरैशी सहित पूर्व विधायक आसिफ जाफरी, राजा मोहम्मद अमीर मोहम्मद खान, डा अच्युतानंद तिवारी, शफीकुर्र रहमान वर्क, राम छबीला, मुख्तार अंसारी, छोटे लाल यादव, विनय शाक्य, बाबूलाल कुशवाहा सहित अन्य सदस्यों के निधन पर शोक जताया गया।

भाजपा नेताओं को राहुल गांधी से आजादी की लड़ाई का हिसाब पूछना चाहिए: अजय राय

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा नेताओं को राहुल गांधी से आजादी की लड़ाई का हिसाब पूछना चाहिए। 1947 तक जिस देश में सुई भी नहीं बनती थी वह चांद पर कैसे पहुंच गया और मंगल पर जा रहा है, पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया 5 सैन्य ताकतों में से एक बन गया इन सब का हिसाब पूछना चाहिए। साथ ही साथ खुद भी बताना चाहिए की आजादी की लड़ाई में आरएसएस और भाजपा के आकाओं ने देश के साथ गद्दारी क्यों की और पिछले 10 साल से देश को बर्बाद क्यों कर रहे हैं। अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी के परिवार ने आजादी के लिए सिर्फ जेल नहीं काटी बल्कि देश के दुश्मनों से लड़ते हुए अपनी जान निछावर कर दी और शहीद हो गए। संघ और भाजपा के लोगों को राहुल गांधी के परिवार के बहते हुए रक्त की एक-एक बूंद का हिसाब भी मांगना चाहिए और खून की जाति भी पूछनी चाहिए। राय ने कहा कि ऐसा लगता है आरएसएस और भाजपा में घटिया से घटिया बोलने तथा कीचड़ में नहाने की होड़ लगी है, यह शर्मनाक है। देश और प्रदेश की सत्ता में बैठे भाजपा के लोग अपनी मर्यादा खो रहे हैं जो देश की जनता को बिल्कुल भी पसंद नहीं है, अगले चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

यूपी में अपराधियों को पुलिस का तनिक भय नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाख दावे करें कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुधरी है परन्तु हकीकत में तो यही लगता है कि अपराधियों को पुलिस का तनिक भी भय नहीं रह गया है। रोज ही दबंगों द्वारा भूमि पर कब्जे, अपहरण, लूट और महिला अपराध के मामलें सुर्खियां बटोरते हैं। भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था कैसे सुधर सकती है जब स्वयं सत्ता से जुड़े लोग ही संरक्षण का लाभ उठाकर मनमानी करने पर उतारू हो रहे हैं।

अखिलेश जौनपुर के सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के कयार गांव में हौसला बुलंद बदमाशों ने युवक को गोली मार दी, उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। तीन महीने पहले उसके पिता की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राजधानी लखनऊ में दोस्तों ने अपने दोस्त की निर्ममता से हत्या कर दी। बाराबंकी में सिगरेट के विवाद में भाईयों ने लाइनमैन को मार डाला। हरदोई में घर में घुसकर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

अखिलेश ने कहा कि लखनऊ जनपद के मोहनलालगंज में खेत से घर आ रही युवती से रेप का प्रयास किया गया। उसे जान से मारने की भी कोशिश की गई। हरदोई के सांडी क्षेत्र में गोबर डालने घर से निकली किशोरी की दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्यारो ने उसकी आंख भी फोड़ दी। लखनऊ में घर में काम करवाने के बहाने से बुलाकर 12 साल की बालिका से दुष्कर्म किया गया। कारखाने में महिला से सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। अखिलेश ने कहा ि कबरेली के नवाबगंज में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ रेप किया गया। बाद में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। यों तो छिनौती और लूट की घटनाएं तो आए दिन की बातें हैं। व्यापारियों के साथ लूट की तमाम घटनाएं हुई है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब राजधानी में ही किसी न किसी महिला की चेन या पर्स नहीं लूटा जाता हो। आज कल तो साइबर क्राइम भी बहुत बढ़ गया है। ठगी की घटनाएं कम नहीं हो रही है।

अखिलेश ने कहा कि स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री जो यह कहते थे कि उनकी सरकार में अपराधी या तो जेल में होंगे या प्रदेश से बाहर चले जाएंगे, 24 कैरेट असत्य निकला। अपराधी पूरी तरह राज्य में निर्भीक होकर सक्रिय हैं। उन्हें किसी का डर नहीं रह गया है। वैसे जबसे भाजपा की सरकार आई है उसका प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। भाजपा सभी मोर्चे पर विफल साबित हुई है। अब बहुत ही जल्द भाजपा का सत्ता से बाहर हो जाना तय है।

फतेहपुर व कुशीनगर के एसपी सहित 8 आईपीएस व 13 पीपीएस अफसरों के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार ने फतेहपुर और कुशीनगर के एसपी सहित आठ आईपीएस व 13 पीपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। पीपीएस अफसरों में 11 अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और दो डिप्टीएसपी स्तर के हैं। इस फेरबदल में अजय कुमार सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ को 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ का सेनानायक, एसपी प्रशिक्षण एवं सुरक्षा संतोष कुमार मिश्रा को एसपी कुशीनगर, एसपी अभिसूचना मुख्यालय अभिषेक यादव को एसपी रेलवे प्रयागराज, एसपी फतेहपुर उदय शंकर सिंह को एसपी प्रशिक्षण एवं सुरक्षा, एसपी कुशीनगर धवल जायसवाल को एसपी फतेहपुर, शुभम पटेल पुलिस उपायुक्त, गायिजाबाद कमिश्नरेट को एसपी अभिसूचना मुख्यालय, लखनऊ, श्रद्धा नरेंद्र पांडेय पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज को सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएससी अलीगढ़ और अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विवेक चंद्र यादव को अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट के पद पर नई तैनाती प्रदान की गई है। इसके अलावा जिन अपर पुलिस अधीक्षकों की तैनाती में फेरबदल किया गया है उनमें कुमार रणविजय सिंह को फिरोजाबाद से नगर, मुरादाबाद, अखिलेश भदौरिया को नगर मुरादाबाद से ग्रामीण फिरोजाबाद, शिवराम यादव को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट से पीटीएस मेरठ, श्रीपाल यादव को पीटीएस मेरठ से अभिसूचना मुख्यालय, लखनऊ, शशि शेखर सिंह को संतकबीर नगर से एटीएस, लखनऊ और सुशील कुमार सिंह प्रथम को बंदायू से संतकबीर नगर का अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। अजय कुमार तृतीय को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से कन्नौज, अशोक कुमार द्वितीय को अयोध्या से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट, बलरामचारी दुबे को पीएसी सीतापुर से सुरक्षा, अयोध्या, अलका धर्मराज को पीएसी गाजियाबाद से क्षेत्रीय अभिसूचना मेरठ और दिनेश यादव को एटीएसी सीतापुर से उपसेनानायक 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के पद पर भेजा गया है।

कांग्रेसियों ने अनुराग ठाकुर का फूंका पुतला

लखनऊ। भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए कथित अमर्यादित बयान पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर प्रदेश के सभी जनपदों में कांग्रेसजनों द्वारा विरोध प्रदर्शन कर ठाकुर का पुतला फूंका गया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा में दिए गए भाषण के दौरान जननायक, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जाति पूछने सम्बन्धी अमर्यादित बयान पर कांग्रेसजनों में भारी आक्रोश है। राहुल गांधी द्वारा जिस प्रकार से लगातार जातीय जनगणना के मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाई जा रही है उससे देश का जनमानस कांग्रेस पार्टी में अपनी आस्था दिखा रहा है जिसका उदाहरण देश में कुछ दिनों पूर्व हुए लोकसभा चुनाव के परिणामों से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। राहुल गांधी जी द्वारा जातीय जनगणना के मुद्दे पर लगातार आवाज उठाने जाने पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं में बौखलाहट है, और अनुराग ठाकुर का यह बयान उनकी बौखलाहट को दर्शाता है। पर अब देश की जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों को भलि भांति पूर्वक समझ चुकी है और आने वाले समय में भाजपा को सबक सिखाने का काम करेगी। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में कांग्रेसजनों ने आज जिला/शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, अमित श्रीवास्तव त्यागी एवं डॉ. शहजाद आलम के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर भाजपा के पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया तथा पूर्व मंत्री का पुतला फूंका। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों को बलपूर्वक रोका गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा पुलिस प्रशासन के लोगों के बीच धक्का मुक्की भी हुई।

अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए पुलिस अफसरों को डीजीपी ने दी विदाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए पुलिस अफसरों को डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय में समारोह आयोजित कर विदाई दी। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी सुनील कुमार गुप्ता अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण निदेशालय, रूचिता चौधरी पुलिस अधीक्षक महिला एवं सुरक्षा संगठन व अष्टभुजा प्रसाद सिंह पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज को डीजीपी ने मोमेन्टो भेंट किया। सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यो की सराहना करते हुए उन्होंने उनके एवं उनके परिवार के सुख, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सुनील कुमार गुप्ता वर्ष 1993 में भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। वर्ष 2009 में पुलिस उपमहानिरीक्षक और 2013 में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत हुए। वर्ष वर्ष 2018 में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर प्रोन्नत होकर अपर पुलिस महानिदेशक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर अकादमी मुरादाबाद, पुलिस महानिदेशक उप्र के जनरल स्टाफ आफिसर एवं अपर पुलिस महानिदेशक दूरसंचार के पदों पर नियुक्त रहे। वर्तमान में अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण निदेशालय के पद पर नियुक्त थे।

रूचिता चौधरी वर्ष 1994 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुईं। वर्ष 2006 में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोन्नत हुईं। वर्ष 2021 में उन्हें भारतीय पुलिस सेवा का कैडर हासिल हुआ। वर्तमान में वह पुलिस अधीक्षक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090), लखनऊ के पद पर नियुक्त थीं। अष्टभुजा प्रसाद सिंह वर्ष 1999 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। वर्ष 2013 में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोन्नत हुए। वर्ष 2019 में उन्हें भारतीय पुलिस सेवा का कैडर हासिल हुआ। वर्तमान में वह पुलिस अधीक्षक, रेलवे प्रयागराज के पद पर नुयिक्त थे।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक, अपर पुलिस महानिदेशक / पुलिस महानिदेशक के जीएसओ, अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध, अपर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नजूल संपत्ति विधेयक जनविरोधी: आराधना मिश्रा

● कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता ने कहा, इस कानून के बहाने भाजपा सरकार कर रही गरीबों का आशियाना छीनने की साजिश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता में आराधना मिश्रा 'मोना' ने जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल उठाए। जिसमें प्रमुख रूप से नजूल संपत्ति प्रबंधन विधेयक 2024 में जनहित में संशोधन करने और घरेलू कूड़ा निस्तारण में सुधार का मुद्दा उठाया और इसे धरातल पर लागू करने की बात कही।

मोना ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा बुधवार को विधानसभा में लाए गए नजूल संपत्ति विधेयक 2024 को जनविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जनता के दिए जनादेश की संख्या का तानाशाही दुरुपयोग बताया है। मोना ने कहा की सरकार इस कानून में संशोधन करें यह कानून गरीबों के घरों को उजाड़ने का कानून है, और जीवन भर की गाढ़ी कमाई से बनाये आशियाने को उजाड़ने वाला है, प्रदेश के लाखों लोगों को बेघर करने वाला है, इस कानून का व्यापक स्तर पर दुरुपयोग होगा। मोना ने कहा कि सरकार ने कानून में यह स्पष्ट नहीं किया कि यदि नजूल की भूमि पर सरकारी कार्यालय बने हुए हैं, सरकारी अस्पताल बनें हैं तो उसके लिए इस कानून से छूट दी जायेगी और गरीब आदमी के घर को इस कानून से उजाड़ दिया जायेगा यह भेदभाव कैसे, संविधान समान अधिकार कानून के समान रूप से लागू करने की बात करता है, जिन लोगों ने अपने नजूल जमीन को फ्री होल्ड करा लिया है, या जो लोग पैसा जमा कर चुके और अभी फ्री होल्ड नहीं हो पाया उनके लिए विधेयक में सरकार ने स्पष्ट नहीं किया, इस कानून को संशोधन लाने और प्रदेश के करोड़ों लोगों के हित में परिवर्तन कर सुधार करने की जरूरत है, भाजपा सरकार विधानसभा के अंदर अपनी संख्या के बल पर इस तानाशाही विधेयक को लाकर जनता के जनादेश का दुरुपयोग कर रही है।

मोना ने जनहित से जुड़े बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे घरेलू कूड़ा निस्तारण में अव्यवस्था और भाजपा सरकार के द्वारा की जा रही लापरवाही के मुद्दे को उठाया और भाजपा सरकार की नाकामी से पर्यावरण के नुकसान की बात कही। उन्होंने कहा कि कूड़ा निस्तारण आज के समय का बहुत महत्वपूर्ण विषय है, सरकार द्वारा निस्तारण संबंधी संयंत्र की बातें हवा हवाई हैं, आज कूड़ा निस्तारण के में लापरवाही से प्रदूषण दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है, सरकार की तरफ से कूड़ा निस्तारण में बातें तो हो रही है, कूड़ा संयंत्रों की संख्या गिनाई जा रही लेकिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तमाम पदार्थ हैं जिनके रिसाइकल में लापरवाही हो रही है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा की प्रदेश की सरकार की लापरवाही से सैकड़ों लोग बीमार हो रहे हैं, सरकार इस पर सिर्फ बातें न करे इस पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

एससीआर व नजूल संपति विधेयक विधानसभा में पारित

● नजूल संपति विधेयक के तहत नजूल भूमि को संरक्षित कर इसका सार्वजनिक उपयोग करेगी सरकार

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, और बाराबंकी के लोगों को एनसीआर की तर्ज पर मिलेंगी सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) विधेयक के साथ ही उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति, 2024 विधेयक भी पारित हो गया। इन दोनों विधेयकों को योगी सरकार ने अध्यादेश लाने के बाद निर्धारित समयसीमा के अंदर विधानसभा में प्रस्तुत किया और इस पर सदन की मुहर लगवा दी। उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) विधेयक के तहत एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन का गठन किया जाएगा। विधेयक के पारित होने के बाद लखनऊ और उसके पड़ोसी जिलों उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, और बाराबंकी को मिलकर एससीआर का गठन किया जाएगा, जिससे इन जिलों का उचित, व्यवस्थित और त्वरित विकास हो सकेगा। वहीं नजूल संपति विधेयक 2024 के तहत सरकार ने नजूल भूमि को संरक्षित करते हुए इन भूमियों को निजी व्यक्तियों/संस्थाओं के पक्ष में पूर्ण स्वामित्व के रूप में घोषित करने के बजाय इसका उपयोग केवल सार्वजनिक उपयोगिता के लिए किए जाने का निश्चय किया है। दोनों ही विधेयकों को विधानसभा में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रस्तुत किया। विधेयक पारित होने के बाद विधानसभा को गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र एवं अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकरणों का गठन विधेयक-2024 के माध्यम से राज्य सरकार का उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण और अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण की स्थापना का प्रस्ताव है। इसके गठन के लिए राज्य सरकार पर किसी प्रकार का व्यय भार प्रस्तावित नहीं है। इसके तहत सभी 6 जिलों के 27 हजार 860 वर्ग मीटर एरिया को समेटकर राज्य राजधानी क्षेत्र बनाया गया है। इससे इन सभी जिलों में तेज विकास किया जा सकेगा और यहां रहने वाले लोगों को एनसीआर की तर्ज पर सुविधाएं प्रदान की सकेंगी। क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण अपने क्षेत्र के लिए संबंधित विकास प्राधिकरण, निगम, स्थानीय निकाय एवं विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वय से क्षेत्रीय योजना तैयार करेगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास और गुणवत्ता पूर्ण बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के अंतर्गत निजी व सार्वजनिक क्षेत्र बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं, जनसुविधाओं का समूचे क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार विकास होगा। योजना गत क्षेत्रीय विकास से आवासन, अवसंरचना, यातायात, उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन में बढ़ोत्तरी होगी। वहीं, उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति विधेयक, 2024 के लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश में स्थित नजूल भूमियों का निजी व्यक्ति या निजी संस्था के पक्ष में पूर्ण स्वामित्व के रूप में प्रतिवर्तन नहीं किया जाएगा तथा नजूल भूमि के पूर्ण स्वामित्व परिवर्तन संबंधी किसी भी न्यायालय की कार्यवाही या प्राधिकारी के समक्ष आवेदन, निरस्त हो जाएंगे और अस्वीकृत समझे जाएंगे। यदि इस संबंध में कोई धनराशि जमा की गई है, तो ऐसे जमा किए जाने की तारीख से उसे भारतीय स्टेट बैंक की मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) की ब्याज दर पर कैलकुलेट करते हुए धनराशि वापस कर दी जाएगी। नजूल भूमि के ऐसे पट्टाधारक जिनका पट्टा अभी भी चालू है और नियमित रूप से पट्टा किराया जमा कर रहे हैं और पट्टे की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया है, के पट्टों को सरकार या तो ऐसी शर्तों पर जैसा सरकार समय-समय पर निर्धारित करती है जारी रख सकती है या ऐसे पट्टों का निर्धारण कर सकती है।

ईओडब्लू ने वित्तीय निगम के पूर्व सहायक प्रबंधक को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया

● लाखों रुपए गबन के मुकदमे में थी तलाश, रेड कार्नर नोटिस भी हुआ था जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लाखों रुपए गबन करने वाली फर्म के साथ आपराधिक साजिश में शामिल रहने के आरोपी अनिल कुमार खन्ना, तत्कालीन सहायक प्रबन्धक, (टेक्निकल) उप्र वित्तीय निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा को स्वीटजरलैंड से लौटते ही ईओडब्लू ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। खन्ना के खिलाफ ईओडब्लू ने रेड कार्नर नोटिस भी जारी करवा रखा था। दुर्गा वायर एण्ड फिलामेन्ट प्रा.लि., ग्रेटर नोएडा, गोतमबुद्ध नगर के प्रमोटरों द्वारा पूर्व नियोजित आपराधिक षडयन्त्र कर उप्र वित्तीय निगम, क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा से 37,05,000 रुपए शॉट टर्म लोन लेने तथा उक्त फर्म के प्रोराइटर पंकज खन्ना तथा उप्र वित्तीय निगम के तत्कालीन सहायक प्रबन्धक अनिल कुमार खन्ना के साथ दुरभिसंधि कर गबन किए जाने के सम्बन्ध मे थाना सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसकी विवेचना उप्र शासन के निर्देशानुसार 17 जुलाई 2000 को ईओडब्लू को हस्तान्तरित की गई। उक्त अभियोग से सम्बन्धित आरोपी वांछित अभियुक्त अनिल कुमार खन्ना निवासी एम-21, साकेत मन्दिर मार्ग, दिल्ली की गिरफ्तारी के लिए 21.6.2017 को उसके विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया गया था। 29.7.2024 को अभियुक्त अनिल कुमार खन्ना उपरोक्त को इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट नई दिल्ली पर ज्यूरिक (स्विटजरलैण्ड) से भारत आने पर रोका गया। उक्त एयरपोर्ट के अधिकारियों से उक्त आशय की सूचना प्राप्त होने पर उच्चाधिकारियों द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम मे पुलिस अधीक्षक, ईओडब्लू मेरठ सेक्टर द्वारा अभियोग की विवेचक नीतू राणा के नेतृत्व मे एक टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा विधिक औपचारिकताएं पूर्ण कर 29.7.2024 को ही अभियुक्त अनिल कुमार खन्ना का न्यायालय से 14 दिवस रिमाण्ड स्वीकृत कराते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा मे जिला कारागार गौतमबुद्धनगर भेज दिया गया।

जिलाधिकारी-एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओंए कारागार की साफसफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी गणेश प्रसाद साहा ने संयुक्त रुप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की।

डीएम.एसपी ने बंदी ग्रह में जाकर बंदियों का हालचाल जाना एवं खाने.पीने के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जेल प्रशासन को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न बैरिकों में जाकर बंदियों से मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कारागार में साफसफाई व्यवस्था मिलने पर संतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि इसी प्रकार प्रतिदिन जेल में साफसफाई बनाए रखी जाए।

डीएम.एसपी ने सभी बैरकों व बंदियों का गहन निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान बैरकों में किसी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु प्राप्त नहीं हुई। जेल अधीक्षक की ओर से बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ की ओर से जेल की चेकिंग की जाती है। डीएम.एसपी ने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें। संवेदनशील बंदियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। समय.समय पर कारागार मे निरुद्ध बंदियों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी देते रहें। कारागार अधीक्षक पीडी सलोनियाए जेलर हरिवंश कुमार पांडेय, डिप्टी जेलर धीरेंद्र प्रताप सिंह राठौर, भोजराज सिंह, चिकित्सक डॉ शिवपूजन मौजूद रहे।

डीएम ने जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय का किया निरीक्षण, सफ सफाई के दिए निर्देश

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के द्वारा जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय अंतर्गत विभिन्न पटलों से संबंधित कार्यों का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए। उन्होंने कार्यालय में साफ सफाई व्यवस्थाए पत्रावलियों के रख.रखाव दुरुस्त रखने के निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान पटलों पर कार्य कर रहे अधिकारियोंए कर्मचारियों को निर्देशित किया की शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार सभी कार्य समय अंतर्गत पूर्ण किए जाएं। उन्होंने परियोजना निदेशक को पुरानी निष्प्रयोग वस्तुओं की नीलामी करने हेतु निर्देशित किया। इस मौके पर परियोजना निदेशक वीरेंद्र कुमार व कार्यालय संबंधित स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

जनपद के दिव्यांग छात्र-छात्राएं निर्धारित समयावधि में छात्रवृत्ति हेतु करें आनलाइन आवेदन

कानपुर देहात। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभागए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालयए भारत सरकारए नई दिल्ली द्वारा दिव्यांग छात्रध्छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति संचालित है जिसका मुख्य उददेश्य आर्थिक रूप से पिछडे दिव्यांग छात्रध्छात्राओं का शैक्षणिक सशक्तीकरण है। उपरोक्त जानकारी देते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुरभि श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित घटकों के माध्यम से दिव्यांग छात्रध्छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। योजना प्री.मैट्रिक छात्रवृत्तिए आरंभ करने की तिथि 30.06.2024 अंतिम तिथि 31.08.2024 है, इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति व उच्च श्रेणी शिक्षा 30.06.2024 से 31.10.2024 है। जनपद के दिव्यांग छात्रध्छात्राएं निर्धारित समयावधि में छात्रवृत्ति हेतु आनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सीडीओ के अध्यक्षता में हुई जनपदीय खरीफ गोष्ठी, किसानों को दी लाभकारी जानकारी

● वैज्ञानिकों को सुझाए बेहतर खेती के गुर, साझा की जानकारी

लखीमपुर खीरी। बुधवार को कलेक्ट्रेट में सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को लाभकारी खेती करने के लिए उपयोगी जानकारी दी। गोष्ठी में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख बेहजम/नकहा/मोहम्मदी तथा जिला पंचायत सदस्य ने प्रतिभाग किया।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए शासन. प्रशासन करते संकल्पित होकर काम कर रहा। इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानपरक योजनाओं के जरिए उन्हें समृद्ध बनाने के लिए नित नए कदम उठा रही है। उन्होंने जिले में स्थापित हाईटेक नर्सरी के उपयोग करने का अनुरोध कियाए जहां से किसान भाई अपनी सब्जी की खेती के लिए पौध कम कीमत पर तैयार करवा सकते हैं। साथ ही कृषक उत्पादक संगठनों से निर्यात की दृष्टि से उपयोगी औद्यानिक फसलों के उत्पादन का संस्करण पैकेजिंग आदि करके किसानों की आय बढ़ाने पर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीडीओ ने किसान भाइयों से अनुरोध किया कि गोष्ठी में प्राप्त जानकारी को न केवल स्वयं अपनाएंगे व आसपास के अपने जानने वाले किसानों तक भी तकनीक को पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उपस्थित किसानों को अन्न जैसे सावांए कोदो तथा रागी के मिनी किट भी वितरित किये गये। खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का संचालन डीडी कृषि ने किया। कृषि वैज्ञानिक डॉ पीके बिसेन ने खरीफ की फसलों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। किसानों को फसल बीमाए प्राकृतिक खेती तथा आईपीएम ;समनवित नाशी जीव प्रबन्धनद्ध विधि से कीड़े, बीमारियों की रोकथाम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

चरित्र के शक में पति ने अपनी पत्नी का सिर काटकर पैदल थाने पहुंचा

बांदा। बांदा में सन 2000 में चरित्र के शक में पति ने अपनी पत्नी का सिर काटकर अपने हाथ में लेकर दिनदहाड़े बीच बाजार से पैदल चलते हुए ठाणे पहुंचा था इस पर पूरा बबेरू तहसील के लोग विचलित हो गए थे उसे आज बांदा सत्र न्यायालय के जिला जज ने फांसी की सजा सुनाई है। बुधवार को जिला शासकीय अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह परिहार उर्फ मुन्नू परिहार व एडीजीसी उमाशंकर पाल ने बताया कि 9 अक्टूबर 2020 को बबेरू थाने में दर्ज मुकदमे के अनुसार कस्बे के नेता नगर निवासी किन्नर यादव पुत्र दयाराम ने अपनी पत्नी विमला की फरसे से वार करते न सिर्फ हत्या कर दीए बल्कि उसकी कटी हुई गर्दन को हाथ में लेकर पैदल ही थाने पहुंच गया था।

मृतका के पिता रामशरण यादव निवासी अमलोहरा बिसंडा की तहरीर के आधार पर दामाद उसकी पुत्री पर अवैध संबंधों को लेकर शक करता था और इसी वजह से उसने दर्दनाक घटना को अंजाम दिया। बताते है कि हत्यारोपी किन्नर ने पड़ोसी युवक रविकांत शर्मा को भी खुरपे से वार करके घायल कर दिया था।

तत्कालीन थानाध्यक्ष जयश्याम शुक्ला ने मृतका के पिता की तहरीर पर धारा 302 व 324 के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले की गहन विवेचना की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विजय बहादुर सिंह परिहार और अपर शासकीय अधिवक्ता उमाशंकर पाल की प्रभावी पैरवी के चलते जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने मामले को जघन्य मानते हुए मृत्युदंड देने का फैसला सुनाया। अदालत में अभियोजन की ओर से कुल दस गावाह पेश किए गए, वहीं आरोपी की तरफ से स्वयं समेत तीन गवाह प्रस्तुत हुए। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद आरोपी किन्नर यादव को दोषी करार दिया और मृत्युदंड की सजा सुनाई।

भारी पुलिस बल के बीच जेसीबी द्वारा तोड़ा गया अतिक्रमण, हुई कहासुनी

संवाददाता। बिंदकी (फतेहपुर)

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी द्वारा अतिक्रमण को तोड़ा गया अतिक्रमण तोड़ने के दौरान कई बार कहा-सुनी भी हुई। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी कर्मचारी तथा राजस्व विभाग के भी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। बुधवार को नगर के ललौली रोड मोहल्ला स्थित मैनी कुआं के समीप भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी द्वारा अतिक्रमण को तोड़ा गया। अतिक्रमण तोड़ने के दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी कर्मचारी राजस्व टीम के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। अतिक्रमण तोड़ने के दौरान कई बार कहा सुनी और नोक झोंक हुई। बताते चलें कि एक सप्ताह पहले इसी स्थान पर अतिक्रमण हटाया गया था, बाकी अतिक्रमण हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था। बुधवार को एक बार फिर अतिक्रमण को तोड़ने का काम किया गया।

इस मौके पर पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता अरुण कुमार सक्सेना, सहायक अभियंता संतोष कुमार कनौजिया, अवध अभियंता अजीत सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार, राजस्व निरीक्षक रघुराज सिंह, लेखपाल भान सिंह, लेखपाल अजीत उमराव, लेखपाल वीरेंद्र श्रीवास्तव तथा पुलिस बल के साथ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे, कस्बा इंचार्ज नीरज कुशवाहा मौजूद रहे।

कार्यवाहीः डीएम ने तीन भण्डारणकताओं पर ठोका 34 लाख का जुर्माना

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी में अवैध खनन, परिवहन पर अंकुश लगानेए प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के मार्गदर्शन में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। डीएम ने तीन भण्डारणकताओं पर 34 लाख का जुर्माना लगाया और कूटरचित मउ311 मामले में पटटाधारक पर एफ्आईआर के निर्देश दिए। माह जुलाई 2024 में तहसील धौरहरा के शारदानगर और तहसील पलिया के भण्डारणकर्ताओं द्वारा स्वीकृत मानक के सापेक्ष अधिक मात्रा में साधारण बालू का भण्डारण पाया गया तथा सेठघाट रोड पर स्थित एक अवैध डम्प साण्बालू का पाया गया। उक्त तीनों भण्डारणकताओं से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर लगभग 34ण्00 लाख रूपये का अर्थदंड आरोपित किया गया और कूटरचित मउ311 जारी किये जाने के सम्बन्ध में डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए एक पटटा धारक के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज कराये जाने के निर्देश दिए।

क्विक न्यूज

डंपरो की आमने सामने भिंडत से चालक की मृत्यु दो जखमी

मौदहा (हमीरपुर)। बीती रात छिरका गांव के पास दो डंपरों में हुई आमने.सामने भिड़ंत में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद वाहनों का आवागमन ठप हो गया। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपरों को राजमार्ग से हटवा घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। मंगलवार की देर रात रामचरण पुत्र गोपाल निवासी जहानाबाद जनपद फतेहपुर अपने खलासी साथी रामचंद्र के साथ के साथ डंपर में गिट्टी लाद हमीरपुर की ओर आ रहा था तभी बिपरीत दिशा से आ रहे दूसरे डंपर की भिंडत हो गयी इस डंपर का चालक नईम (26) पुत्र सलीम निवासी घाटमपुर बताया कजाता है। डंपरो के टकराने से उनका मलवा सड़क में फैल गया जिससे जाम लगने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस ने मौके पर जाकर चालक रामचरण व रामचंद्र को निकाल लहू लुहान हालत में सरकारी अस्पताल मौदहा में भर्ती कराया जबकि दूसरे डंपर के चालक नईम की मौके परही मौत हो गयी। इस राजमार्ग में डिवाइडर न होने के चलते आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं में लोग असमय ही काल के गाल में समा रहे हैं। पुलिस ने शव को परीक्षण के लिये भेज दिया है।

हत्या में वाँछित अभियुक्तगण गिरफ्तार

कानपुर देहात। अपराधियो व अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में दिनांक 29ण्07ण्2024 को वादी द्वारा प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर थाना मंगलपुर पर मु0अ0स0 192ध्2024 धारा 103;1द्धध्61;2द्ध;इद्ध भारतीय न्याय संहिता;बी0एन0एस0द्ध व धारा 3;2द्धट एससीध्एसटी एक्ट बनाम 04 नफर नामजद अभियुक्तगण शिवम उर्फ ज्वाला सिंह पुत्र रामबहादुर पाल निवासी ग्राम जरिहा थाना मंगलपुरएविष्णु दयाल संखवार पुत्र स्व0 शंभू दयाल संखवार निवासी ग्राम फरीदपुर निटर्राएगुलाब संखवार उर्फ अमरजीत पुत्र रामऔतार संखवार निवासी ग्राम मनकापुर थाना मंगलपुरए पूजा देवी पत्नी स्व0 गुरूचरन निवासिनी ग्राम मनकापुर थाना मंगलपुर पंजीकृत किया गया था। मुकदमा उपरोक्त में थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 04 वांछित अभियुक्तगण को रेलवे स्टेशन झींझक रोड़ तिराहा थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

यमुना में डूबे युवक का मवईधाम के पास शव बरामद

फतेहपुर। कानपुर नगर के थाना सजेती गांव बहरौली निवासी अवधेश सचान का पुत्र कपिल सचान अपने कुछ साथियों के साथ मंगलवार की दोपहर यमुना में नहाने गया था। तभी अचानक वह गहरे पानी में चला गया। तेज बहाव के कारण वह बहता हुआ निकल गया। वहीं साथ में आए दोस्तों ने इसकी जानकारी घर वालों को दी। जिस पर मौके पर पुलिस व गोताखोरों ने उसे ढूढ़ने का प्रयास किया। देर रात चांदपुर थाने के मवई धाम के पास से गोताखोरों ने शव को बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। परिजनों में कोहराम मच गया।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के आधारपुर गांव निवासी छूरी का पुत्र सतरेन अपने साथी अंकुश पुत्र गंगाराम 18 वर्ष के साथ बाइक से अपनी बहन के यहां मुत्तौर गांव जा रहे थे। जैसे ही ये लोग सिधांव गांव के पास पहुंचे तभी आ रहे ट्रक की चपेट में आ गए जिससे सतरेन की घटनास्थल पर मौत हो गई वहीं अंकुश गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को तत्काल सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा, जहां चिकित्सक ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए कानपुर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

काली नदी में कूदे अधेड़ का शव कुसुमखोर क्षेत्र में मिला

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत दिन पूर्व किसी बात से आहत होकर अधेड़ ने रामाश्रम में स्थित काली नदी में कूद गया। नदी किनारे अधेड़ की साइकिल व कपड़े मिलने पर नदी में डूबने की आशंका से पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीण गोताखोरों ने खोजबीन शुरू कर दी थी। बुधवार की शाम 05 बजे अधेड का शव सदर थानाक्षेत्र की कुसुमखोर पुलिस चौकी क्षेत्र में मिला। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। ज्ञात हो कि बीते सोमवार की शाम 06 बजे क्षेत्र के ग्राम संगुरा स्थित रिश्तेदारी में रह रहे 45 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र राधेलाल किसी बात से आहत होकर साइकिल पर सवार होकर रामाश्रम में स्थित काली नदी के निकट साइकिल के करियर पर चप्पल व कपड़े रखकर काली नदी में कूद गया था।

बीआरसी पर एआरपी को महिला के भेष में आए हमलावर ने मारी गोली

फर्रुखाबाद। कमालगंज बीआरसी पर मौजूद आरपी के महिला के बेस में आए हमलावर ने पेट में गोली मार दी। जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई उन्हें शहर के एक निजी नर्सिंग होम में उपचार हेतु भर्ती किया गया। थाना जहानगंज क्षेत्र के ग्राम रूनी चुरसई निवासी विश्राम सिंह की कमालगंज क्षेत्र के नौगंवा में प्रधानाचार्य के पद पर तैंनाती है। वह एआरपी पद पर भी हैं। बुधवार को वह कमालगंज ब्लॉक संसाधन केंद्र पर मौजूद थे, इस दौरान बताया जा रहा है कि महिला के वेश में कोई हमलावर बीआरसी कार्यालय पहुंचा और उसने देखकर विश्राम सिंह राजपूत के पेट में गोली मार दी इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गएस उन्हें नाला मछरटटा स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती किया गया स मौके पर पुलिस नें जाँच की। बीआरसी के सीसीटीवी खराब घटना के बाद मौके पर थाना पुलिस पंहुची, पुलिस नें सीसीटीवी को खंगालने का प्रयास किया।

16 साल से कम उम्र के छात्रों को कोचिंग में प्रवेश दिया तो रजिस्ट्रेशन होगा रद्द

● आदेश नहीं माना तो एक लाख का जुर्माना, गाइडलाइन जारी

फतेहपुर। कोचिंग सेंटर 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को अपने यहां दाखिल नहीं कर सकेंगे और अच्छे नंबर या रैंक दिलाने की गारंटी जैसे भ्रामक वादे भी नहीं कर सकेंगे। अन्यथा की स्थिति में कोचिंग संचालकों पर एक लाख रुपये जुर्माना और उनका रजिस्ट्रेशन रद्द करने की कार्यवाही होगी। डीआईओएस राकेश कुमार ने सभी कोचिंग संचालकों को सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं।

डीआईओएस ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा विद्यार्थियों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों, आग की घटनाओं, कोचिंग संस्थानों में सुविधाओं की कमी के साथ-साथ उनके द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण पद्धतियों के बारे में सरकार को मिली शिकायतों के बाद गाइड लाइन जारी की गई है। उन्होंने बताया कि जिले के कोई भी कोचिंग संस्थान स्नातक से कम योग्यता वाले शिक्षकों को नियुक्त नहीं करेगा। कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों के नामांकन के लिए माता-पिता को भ्रामक वादे या रैंक या अच्छे अंक की गारंटी नहीं दे सकते। संस्थान 16 वर्ष से कम उम्र के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। विद्यार्थियों का कोचिंग संस्थान में नामांकन माध्यमिक विद्यालय परीक्षा के बाद ही होना चाहिए। अपराधिक व्यक्ति से नहीं ली जा सकती सेवाएं: कोचिंग संस्थान किसी भी शिक्षक या ऐसे व्यक्ति की सेवाएं नहीं ले सकते, जो नैतिक कदाचार से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो। कोई भी संस्थान तब तक पंजीकृत नहीं होगा जब तक कि उसके पास इन दिशानिर्देशों की आवश्यकता के अनुसार परामर्श प्रणाली न हो।

संस्थानों को करना होगा ब्यौरा उजागरः डीआईओएस ने बताया कि कोचिंग संस्थानों की एक वेबसाइट होगी। जिसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों (ट्यूटर्स) की योग्यता, पाठ्यक्रम-पाठ्य सामग्री, पूरा होने की अवधि, छात्रावास सुविधाएं और लिए जाने वाले शुल्क का अद्यतन विवरण होगा। विद्यार्थियों पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और शैक्षणिक दबाव के कारण कोचिंग संस्थानों को उन्हें तनाव से बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए और उन पर अनावश्यक दबाव डाले बिना कक्षाएं संचालित करनी चाहिए।

पारदर्शी होना चाहिए शुल्क: निर्देशों में बताया गया है कि विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क पारदर्शी और तार्किक होना चाहिए और वसूले जाने वाले शुल्क की रसीद दी जानी चाहिए। इसमें साफ किया गया है कि यदि छात्र बीच में ही पाठ्यक्रम छोड़ता है तो उसकी बची हुई अवधि की फीस लौटाई जानी चाहिए।

माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत ऋण हेतु करें आवेदन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि ष्उ0प्र0 माटीकला बोर्डष् के अन्र्तगत ष्मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगारष् योजना संचालित की गयी है। जिसमें वर्ष.2024.25 के अन्तर्गत आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। कार्यक्षेत्र उद्यम की स्थापना ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में अनुमन्य है। परियोजना का अधिकतम आकार.रू0 10.00 लाख तक है। पात्र उद्यमी अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष पूर्ण हो एवं अभ्यर्थी उ0प्र0 का मूल निवासी हो।आवेदक द्वारा माटीकला बोर्ड के पोर्टल पर आनलाईन आवेदन किया जायेगा। आपेक्षित दस्तावेज आवेदक का फोटोग्राफए शैक्षिक व तकनीकि योग्यता सम्बन्धी प्रमाण.पत्र आधार कार्ड, जाति प्रमाण.पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि है। शैक्षिक व तकनीकि योग्यता अभ्यर्थी का साक्षर अनिवार्य हैए रू0. 5.00 लाख से अधिक परियोजनाओं हेतु लाभार्थी को कम से कम 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा एवं अभ्यर्थी को ऋण लेने से पूर्व माटीकला का प्रशिक्षण प्राप्त/माटीकला की परम्परागत जानकारी हो।

परियोजना की मंजूरी तकनीकि/आर्थिक व्यवहार्यता के अनुसार राष्ट्रीयकृत/ ग्रामीण बैंकों द्वारा परियोजना की मंजूरी प्रदान की जायेगीए जो नियमानुसार 5 वर्ष के लिये होगी। वित्तीय स्रोत एवं सहायता प्रोजेक्ट लागत का 5 प्रतिशत उद्यमी अंशदान तथा 95 प्रतिशत बैंक ऋण अनुमन्य होगा, जिसमें से पूंजीगत ऋण धनराशि पर 25 प्रतिशत मार्जिन मनी के रूप में शासन द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। इच्छुक लाभार्थी अपना आवेदन आनलाईन उपरान्त कार्यालय दिवस में कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी (बैंक ऑफ इण्डिया के प्रथम तल पर) चिटिकपुर चौराहा रनियां कानपुर देहात में 15.08.2024 तक जमा कर सकते हैं।

कई गांवों में घुसा पानी चेतावनी बिंदु पर पंहुची गंगा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

गंगा नें एक बार फिर उफान मार दिया है। आज गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु पर पंहुच गया। जिससे कई गाँव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। अधिकारियों ने बाढ का जायजा लिया सगत दिन से गंगा का जलस्तर 5 सेंमी बढ़ गया।

गंगा 136.60 मीटर यानी चेतावनी बिंदु पर आ गयीं। गंगा में 99141 क्यूसेक पानी नरौरा बैराज से छोड़ा गया । राजेपुर गंगापार में गंगा का जल स्तर बढ़ने से कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। सैकड़ो बीघा मक्का, तीली की फसल नष्ट हो गयी। जिन गांवों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है उन गांव की वि़ुत आपूर्ति बंद की गयी है।

थानाध्यक्ष रणविजय सिंह, एसडीओ सुरजीत कुमार गुप्ता, अवर अभियंता विद्युत विभाग हरिओम कुमार ने क्षेत्र के गांव तीस राम की मड़ैया, सबलपुर, कंचनपुर, चित्रकूट, अंबरपुर, पूर्वी गोटिया के आधा दर्जन गांवों में ज्यादा भ्रमण किया। गंगा का जल लगातार बढ़ रहा है जिससे गंगा पार के ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गयी हैं। गंगा के आसपास बसे लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों में पानी घुसने लगा है।

ऊगरपुर, सुंदरपुर, कछुआ गाढ़ा, लायलपुर, कुतुलूपुर, सबलपुर, जोगराजपुर, कुसुमापुर, आशा की मडैया, उदयपुर, तीसराम की मडैया, सैदापुर, करनपुर घाट, कुंडरी सारंगपुर आदि गांवों के पास पानी पहुंच गया है।

दो जगह कटा सम्पर्क मार्ग

तीस राम की मड़ैया का संपर्क मार्ग दो जगह बाढ़ में कटने से आवागमन बंद हो गया है गांव में आधा दर्जन लोग बुखार खुजली से पीड़ित हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में नहीं पहुंची है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र में आज बुधवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक गृह स्वामिनी महिला की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के ग्राम श्रगीरामपुर निवासी वीरपाल की पत्नी गृहस्वामिनी फूलमती उम्र करीब 40 वर्ष आज बुधवार को अपने मकान की छत पर झोपड़ी में खाना बना रही थी कि दोपहर में बारिश के बीच तेज कड़क के साथ बिजली की गर्जना हुई और इसी दौरानअचानक गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झोपड़ी से बाहर निकली गृह स्वामिनी महिला की मौत हो गई। इस महिला को समीपवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां सरकारी चिकित्सक डा. विकास कुमार ने उसे अमृत घोषित कर दिया। महिला के चार पुत्र और एक पुत्री है । महिला के पति का रो रो कर बुरा हाल है। इधर धटना की सूचना मिलते ही फर्रुखाबाद सदर के तहसीलदार श्री कनौजिया तथा पुलिस मौके पर पहुंची। शब का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल फतेहगढ़ को भिजवाने की कार्रवाई की।

आठ परिषदीय विद्यालयों में केवल एक शिक्षक, शिक्षा मित्र व अनुदेशक चला रहे विद्यालय

● रिपोर्ट में एक विद्यालय को एक साल में कई शिक्षक रंगाई पुताई का कर रहे है दावा,टीवी के स्थान पर खाली डिब्बा मिला चार्ज में,दर्जी की दुकान नही मगर ड्रेस सिलवाने का किया गया दावा

संवाददाता। मौदहा (हमीरपुर)

कस्बे के आठ परिषदीय विद्यालयों में केवल एक शिक्षक नियुक्त है। जो सभी विद्यालयों का वित्तीय कार्य भी देख रहा है। सभी विद्यालय शिक्षा मित्र व अनुदेशक के भरोसे चल रहे है जबकि ग्रामीण क्षेत्र में दस बच्चो में दो अध्यापक व तीन शिक्षक नियुक्त है। इस स्थिति में जमकर वित्तीय घोटाले हो रहे है। सबसे ज्यादा घोटाला व्डि़यालयों की मेंटीनेंस में बताया जाता है जिसकी सुगबुगाहट होना शुरु हो गयी है।

जानकारी के मुताबिक शासन की तरफ से परिषदीय विद्यालयो में विभिन्न मदो में लाखो रुपये की धनराशि आवंटित होती मगर इस धन का जमकर दुरुपयोग होती है इधर कुछ अध्यापकों ने दूसरे स्कूलों में जाकर चार्ज लिया है तो वित्तीय घोटाले सामने आने शुरु हो गये है। मौदहा नगर क्षेत्र में इस दौरान आठ प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं जिनमें मात्र एक शिक्षक की तैनाती है जो नगर क्षेत्र के शंकुल प्रभारी का काम भी देखते हैं। निदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश है कि हर हाल में एक शिक्षक तो विद्यालय में नियुक्त होना चाहिये इधर ज्यादातर शिक्षक अपने मूल स्थान पर पहुच गये जिससे स्थितिया बेहद खराब हो गयी है. शिक्षक मूल स्थान पर तो पहुच गये मगर अपना चार्ज नही छोडा है। ताकि उनके द्वारा कीगयी वित्तीय अनियमिताओ की जानकारी उजागर न हो सके।एक विद्यालय के अध्यापक द्वारा खरीदने के बाद खराब एलीडी टीवी छोड़ा गया था जो डब्बे के माडल और कम्पनी से मैच नहीं कर रही है इतना ही नहीं एक सरकारी विद्यालय के भवन को नगरपालिका और शिक्षा विभाग दोनों के द्वारा पुतवाने की बात सामने आ रही है जबकि चौधराना में एक ही कमरे में चल रहे तीन स्कूलों को एक ही शैक्षिक सत्र में सभी के प्रधानाचार्य ने रंगवाने और पुतवाने का काम किया है इतना ही नहीं आरटीआई के तहत मांगे गए आय व्यय के बिल

मौदहा का बीआरसी विद्यालय

बाउचरों में बीआरसी द्वारा बांदा के जिस टेलर से कुछ साल पहले ड्रेस सिलवाने के बिल की फोटो कापी भेजी गई है वह टेलर एक दशक पहले अपनी दूकान बंद कर सूरत की एक कम्पनी में रेडीमेड कपड़ों की सिलाई कर रहा है।इतना ही नहीं एक दशक पहले जो स्कूलों के खातों में पैसा पड़ा हुआ था उसे भी अध्यापकों ने निकाल कर ठिकाने लगा दिया है। जिसके चलते सम्पूर्ण चार्ज देने के बाद बड़े खुलासे का अनुमान है हालांकि विभाग इस मामले को बाहर आने देगा या कार्यवाही करेगा इस बात की उम्मीद कम है।इस सम्बंध में खण्ड शिक्षा अधिकारी रामगोपाल वर्मा ने बताया कि सभी अध्यापकों को दो दो बार नोटिस जारी किया जा चुका है और शुक्रवार दो बजे सभी को बुलाया गया है उनके आने के बाद ही चार्ज नहीं देने की वजह साफहो सकेगी और उसके बाद उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

बीएसए ने कहा समायोजन की कार्यवाही शुरु की जा रही

हमीरपुर। इस मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी(बीएसए) आलोक सिंह का कहना है कि शासन से समायोजन करने की कार्यवाही शुरुआत की जा रही है। आज इसी बात को लेकर बैठक हुई है। ट्रांसफर करना उनके अधिकार में नही है। शिक्षकों की वैसे ही कमी है। ग्रामीण क्षेत्र में एक विद्यालय में कई ई शिक्षक है इस पर बीएसए का कहना है कि इसी मामले की समीक्षा की जा रही है। मगर फिर भी इस मामले में देखा जा रहा है।

क्या बोले सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला

हमीरपुर। इस मामले में सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला का कहना है कि इस मामले को वह गंभीरता से जांच करायेगे,हालाकि ट्रांसफर पोस्टिंग अब सीधे शासन से होती है बीएसए के अधिकार क्षेत्र में कुछ नही रह गया है। फिर भी वह बीएसए से बात करके शिक्षकों की नियुक्ति करायी जायेगी।शिक्षकों की वैसे भी बहुत कमी है।

भाजपा विधायक ने गोवा में शराबबंदी की मांग की

भाषा। पणजी

गोवा विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के विधायक प्रेमेन्द्र शेट ने तटीय राज्य में शराबबंदी की मांग की जिससे उनकी ही पार्टी के कई सदस्य असहमत दिखे। सदन में मंगलवार को शेट ने कहा था, विकसित भारत और विकसित गोवा के लिए गोवा में शराब की खपत पर रोक लगाई जानी चाहिए। हम राज्य में शराब का उत्पादन कर सकते हैं और इसे दूसरे राज्यों को निर्यात कर सकते हैं, लेकिन गोवा में इसकी खपत पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उत्तरी गोवा के माएम विधानसभा क्षेत्र से पहली बार निर्वाचित भाजपा विधायक ने अपनी मांग के पक्ष में दलील दी कि राज्य में शराब की बढ़ती खपत के कारण सड़कों और औद्योगिक इकाइयों में दुर्घटनाओं से लोगों की मौत होती है। हालांकि, सदन में उनकी पार्टी के विधायक ही इस मांग से सहमत नजर नहीं आए।

भाजपा की महिला विधायक डेलिलाह लोबो ने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में आश्चर्य जताया कि क्या शेट चाहते हैं कि लोग अपने रेस्तरां व्यवसाय बंद कर दें। लोबो अपने पति माइकल लोबो (कैलंगुट विधायक) के साथ उत्तरी गोवा के तटीय क्षेत्र में होटलों की एक श्रृंखला की मालिकन हैं। उन्होंने सवाल किया, शराब भी एक कारण है जिसके कारण पर्यटक यहां आते हैं। हम क्या करें... क्या हमें रेस्तरां बंद कर देना चाहिए?

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक क्रूज सिल्वा ने कहा कि गोवा में शराब पर प्रतिबंध लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यहां सड़कों पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन गोवा के लोग इसमें शामिल नहीं होते। यहां बहुत सारे रेस्तरां और अन्य व्यवसाय हैं जो शराब की बिक्री पर निर्भर हैं। शराब पर प्रतिबंध से रोजगार प्रभावित होगा। भाजपा विधायक संकल्प अमोनकर ने कहा कि वह शराब के दुरुपयोग को लेकर चिंतित हैं और उन्होंने राज्य में शराब के आदी लोगों के लिए नशा मुक्ति केंद्रों के बारे में पहले भी विधानसभा में प्रश्न उठाया था, लेकिन वह शेट के विचारों से सहमत नहीं हैं। सत्तारूढ़ भाजपा के एक अन्य विधायक केदार नाइक ने कहा कि गोवा एक पर्यटन राज्य है और शराब पर्यटन उद्योग का एक हिस्सा है। कई स्थानीय लोगों का व्यवसाय राज्य में शराब बेचने संबंधी उद्योग पर निर्भर है।

लोगों को जबरन बेदखल करने और घरों के तोड़ने के मामले में आजम खान बरी

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक अदालत ने यहां डूंगरपुर इलाके में लोगों को उनकी जमीन से जबरन बेदखल करने और घरों को तोड़ने के पांच वर्ष पुराने मामले में सपा के नेता आजम खान को बुधवार को बरी कर दिया। राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद खान और पांच अन्य लोगों के खिलाफ वर्ष 2019 में मुकदमा दर्ज किया गया था। आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने लोगों को उनके घरों से बेदखल किया और मकानों को ध्वस्त करने का काम किया। हालांकि अदालत से राहत मिलने के बावजूद खान सीतापुर जेल में ही रहेंगे। खान कई अन्य मुकदमों के सिलसिले में जेल में बंद हैं पीड़ित इदरीस नाम के व्यक्ति ने थाना गंज में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसपर सांसद-विधायक अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया। सीतापुर जेल में बंद आजम खान स्वास्थ्य खराब होने के कारण अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने बताया, आजम खान और पांच अन्य को इस मामले में बरी कर दिया गया। खान के साथ-साथ ठेकेदार बरकत और चार अन्य को भी इस मामले में बरी किया गया है।

दंगों के बाद मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार करने वाले समूह के खिलाफ प्राथमिकी आदेश

पाटन (गुजरात)। गुजरात के पाटन जिले की एक अदालत ने पिछले साल जुलाई में सांप्रदायिक हिंसा के बाद एक गांव में मुसलमानों का आर्थिक बहिष्कार किए जाने का कथित तौर पर आह्वान करने वाले लोगों के एक समूह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट एच पी जोशी की अदालत ने हाल में एक आदेश में बलिसाना पुलिस थाने के उपनिरीक्षक को याचिकाकर्ता मकबूल हुसैन शेख की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करने और समयबद्ध तरीके से जांच पूरी करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि बलिसाना में कुछ लोगों ने 16 जुलाई, 2023 को सांप्रदायिक दंगे की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के मद्देनजर स्थानीय लोगों को मुसलमानों का बहिष्कार करने के लिए उकसाया।

उन्होंने याचिका में कहा, इस कदम से क्षेत्र में रहने वाले मुसलमानों के व्यवसाय और आजीविका प्रभावित हुई है और कुछ को तो यह स्थान छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा है। अदालत ने निर्देश दिया कि समूह पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा (153-बी) और दुश्मनी की भावना पैदा करने या बढ़ावा देने के इरादे से अफवाह या आपत्तिजनक बयानों को प्रसारित या प्रकाशित करने के लिए धारा 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया जाए।

अदालत ने साथ ही यह भी कहा कि घृणा फैलाने वाले भाषण से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 295 (ए) के तहत कोई अपराध नहीं बनता है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने इसे प्राथमिकी में जोड़ने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया क्योंकि पुलिस ने गांव में मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान करने वालों के खिलाफ कार्वाई कथित तौर पर शुरू नहीं की। इससे पहले के आदेश में अदालत ने पुलिस को मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। पुलिस ने बाद में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें कहा गया कि कोई अपराध नहीं हुआ है। अदालत ने हालांकि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत वीडियो क्लिप और प्रभावित व्यक्तियों के बयानों पर विचार करने के बाद रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और 26 जुलाई को पारित आदेश में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया।

भाजपा में शामिल हो सक्ती हैं राज्यसभा से इस्तीफा देने वाली बीजद नेता ममता मोहंता

नई दिल्ली। राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाली बीजू जनता दल (बीजद) की नेता ममता मोहंता के भाजपा में शामिल होने की संभावना है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन की कार्यवाही के दौरान बताया कि ममता ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। ममता मोहंता अप्रैल 2020 को राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुई थीं और वह महिलाओं को शक्तियां प्रदान करने संबंधी समिति एवं ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की सदस्य थीं। ममता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी संसदीय समिति की भी सदस्य थीं। ओडिशा विधानसभा में भाजपा के पास बहुमत है और उनके इस्तीफे के बाद होने वाले उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार का निर्वाचित होना लगभग तय है।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में विषम परिस्थितियों के बावजूद बचावकर्मी डटे हैं अपने मिशन में

वायनाड (केरल)। केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड में उफनती नदियों पर अस्थाई पुल बनाने तथा मलबों को हटाने में भारी मशीनों के लगे रहने के साथ ही बुधवार को बचाव अभियान जारी रहा। सैन्यकर्मियों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों, राज्य आपात सेवा के कर्मियों, स्थानीय लोगों समेत बचाव कार्य में शामिल सरकारी एवं गैर सरकारी लोग इलाके में वर्षा जारी रहने एवं अन्य विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने मिशन में लगे हुए हैं। बुरी तरह प्रभावित गांवों में से एक, मुंडक्कई में, कटे हुए क्षेत्र से जुड़ने और वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए रस्सियों एवं सीढ़ियों की मदद से छोटे पुल बनाए गए।

उफनती नदियों के ऊपर बने अस्थाई और संकरे पुलों के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों समेत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा था तो कई बार तनावपूर्ण क्षण सामने आए। कुछ स्थानों पर बचावकर्मियों ने लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल करते हुए मानव पुल बनाए। जोखिम भरे इलाकों में लोगों को लकड़ी के तख्त पर बिठा कर उफान पर आई नदी को पार कराया गया। चूंकि ज्यादातर मकान जमींदोज हो चुके हैं, ऐसे में बचावकर्मी छत तोड़कर रस्सी के सहारे घर में घुसे ताकि यह पता किया जा सके कि अंदर कोई फंसा तो नहीं है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, लगातार हो रही वर्षा, फिसलनभरी जमीन, उफनती नदी बचाव मिशन की राह में चुनौतियां पेश कर रही हैं। कई बचाव एजेंसियों ने लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका के मद्देनजर सुबह ही बचाव अभियान शुरू कर दिया। मंगलवार की सुबह मूसलाधार बारिश के कारण हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन ने मुंदक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा बस्तियों को प्रभावित किया।

न्यायालय ने सो जा बेटा नहीं तो गब्बर आ जाएगा का जिक्र कर गवली की समयपूर्व रिहाई पर रोक कायम रखी

नई दिल्ली। फिल्म शोले के संवाद सो जा बेटा, नहीं तो गब्बर आ जाएगा का उल्लेख करते हुए उच्चतम न्यायालय ने हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की समय पूर्व रिहाई पर रोक लगाने संबधी अपने पहले के आदेश की पुष्टि की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के पांच अप्रैल के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए तीन जून के अपने आदेश को बरकरार रखा और अपीलों पर सुनवाई के लिए 20 नवंबर की तारीख तय की। उच्च न्यायालय ने राज्य प्राधिकारियों को 2006 की सजा माफी नीति के तहत गवली की समय पूर्व रिहाई के आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया था। हम कोई अंतरिम राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। हमारे द्वारा दिए गए अंतरिम रोक संबंधी आदेश की पुष्टि की जाती है। अपील की सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

शुरुआत में महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे ने दलील दी कि गवली के खिलाफ हत्या के लगभग 10 मामलों सहित 46 से अधिक मामले दर्ज हैं। उच्चतम न्यायालय ने वरिष्ठ वकील से पूछा कि क्या गवली ने पिछले पांच से आठ वर्षों में कुछ किया है ठाकरे ने जवाब दिया कि गैंगस्टर 17 साल से अधिक समय से सलाखों के पीछे है। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दोषियों को सजा में छूट के लिए कम से कम 40 साल की सजा काटनी होती है। यह 2015 की नीति के अनुसार है।

गवली की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नित्या रामकृष्णन ने कहा कि मामले में अन्य सह-आरोपियों को जमानत दे दी गई है और बम्बई उच्च न्यायालय द्वारा समयपूर्व रिहाई देने का निर्णय सही था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी सजा माफी नीति (2015 में) बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि गवली को 2009 में दोषी ठहराया गया था, इसलिए 2006 की नीति लागू होगी। यह नीति उम्र और शारीरिक दुर्बलता के आधार पर छूट की अनुमति देती है।

इस पर पीठ ने गवली की वकील से कहा, लेकिन मैडम आपको पता होना चाहिए कि हर कोई अरुण गवली नहीं होता है। शोले फिल्म में एक मशहूर संवाद है, जिसमें कहा जाता है कि सो जा बेटा नहीं तो गब्बर आ जाएगा , ऐसा ही कुछ मामला यहां भी है। गवली की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए रामकृष्णन ने अदालत को बताया कि वह दिल और फेफड़ों की बीमारियों से जूझ रहा है। इस पर महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कहा कि ऐसा 40 वर्षों तक लगातार धूम्रपान करने के कारण हुआ है।

रामकृष्णन ने जवाब दिया, तो क्या हुआ, आप इस वजह से उसे अंदर नहीं रख सकते। उस पर धूम्रपान का कोई मुकदमा नहीं चल रहा है। सलाहकार बोर्ड ने प्रमाणित किया है कि वह अपनी उम्र के हिसाब से कमजोर है, इसलिए 2006 की नीति लागू होगी क्योंकि उस समय उसे दोषी ठहराया गया था। वर्ष 2015 की बाद की नीति लागू नहीं हो सकती। उच्चतम न्यायालय ने तीन जून को बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के पांच अप्रैल के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी जिसने राज्य के अधिकारियों को गवली की समय पूर्व रिहाई के आवेदन पर 2006 की सजा माफी नीति के तहत विचार करने का आदेश दिया था उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने गवली की याचिका स्वीकार कर ली थी, जिसमें उसने 10 जनवरी, 2006 की सजा माफी नीति के आधार पर राज्य सरकार को समय से पहले रिहाई के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था जो 31 अगस्त, 2012 को उसकी दोषसिद्धि की तारीख तक लागू थी।

सामूहिक बलात्कार के मामले में दोषी करार देने के लिए साझा मंशा होना पर्याप्त है: उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने कहा है कि सामूहिक बलात्कार के मामले में अगर किसी एक आरोपी ने यौन कृत्य किया और बाकियों का ऐसा करने का इरादा था तो यह उन्हें अपराध में शामिल मानने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इस बारे में पर्याप्त सबूत होने चाहिए। उच्च न्यायालय ने पूर्वी महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के चंद्रपुर में 2015 में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किए जाने और उसके पुरुष मित्र पर हमला करने को लेकर चार लोगों की दोषसिद्धि बरकरार रखी। दो दोषियों ने अपनी अपील में दावा किया कि उन्हें सामूहिक बलात्कार के लिए दोषी करार नहीं दिया जा सकता क्योंकि वे महिला के यौन उत्पीड़न में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि अपराध से पहले उनकी ऐसा करने की कोई मंशा भी नहीं थी।

न्यामूर्ति जी. ए. सनप की एकल पीठ ने मंगलवार को उपलब्ध हुए चार जुलाई के आदेश में दोनों दोषियों की इन दलीलों को ठुकरा दिया और कहा कि उन्होंने उस समय पीड़िता के मित्र को पकड़ रखा था। पीठ ने कहा कि अगर दोनों ने पुरुष मित्र को पकड़ कर न रखा होता तो वह शोर मचाकर दो अन्य व्यक्तियों को पीड़िता के साथ घिनौनी हरकत करने से रोक सकता था। अदालत ने कहा, सामूहिक बलात्कार के मामले में अगर किसी एक आरोपी ने यौन कृत्य किया और बाकी आरोपी उसमें किसी तरह से शामिल थे तो यह उन्हें अपराध में शामिल मानने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इसके पर्याप्त सबूत होने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, मुझे लगता है कि दो दोषियों की हरकत ने बलात्कार के कृत्य में दो अन्य दोषियों की मदद की।

अदालत ने सामूहिक बलात्कार के मामले में दोषी करार देने और 20 साल जेल की सजा सुनाने के सत्र अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली चारों दोषियों की अपील खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जून 2015 में पीड़िता और उसका पुरुष मित्र एक मंदिर गए थे और बाद में एक वन क्षेत्र में बैठे थे, तभी चार आरोपियों ने खुद को वन रक्षक बताते हुए उनसे पैसे मांगे। जब पीड़िता शौच के लिए गई तब दो आरोपियों ने उसका यौन उत्पीड़न किया, जबकि बाकी दो ने उसके पुरुष मित्र को पकड़ रखा था। इलाके से गुजर रहे वन रक्षक ने महिला की चीख सुनी और मौके पर पहुंचे, तब चारों आरोपी फरार हो गए। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष ने चारों दोषियों के खिलाफ मामले को संदेह से परे साबित कर दिया है। पीठ ने कहा कि पीड़िता के साक्ष्य, गवाहों के बयान और अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत अन्य साक्ष्य चारों आरोपियों के अपराध को साबित करते हैं।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद ओडिशा के बंदरगाह पर चीनी जहाज को कब्जे में लिया गया

पारादीप (ओडिशा)। ओडिशा में पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों ने एक चीनी मालवाहक जहाज को कब्जे में लिया है। उच्च न्यायालय ने मौद्रिक विवाद पर जहाज को कब्जे में लेने के आदेश दिया था। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नौवहन संबंधी कानून के तहत, किसी भी जहाज के स्वामित्व, निर्माण, प्रबंधन, संचालन या व्यापार से उत्पन्न होने वाले समुद्री दावों के क्रियान्वयन के लिए जहाज को कब्जे में लिया जा सकता है। उड़ीसा उच्च न्यायालय का यह आदेश जहाज के मालिक और माल भेजने वाली कंपनी के बीच मौद्रिक विवाद के बाद आया है। माल भेजने वाली कंपनी ने कम सल्फर वाले समुद्री गैस तेल की खेप भेजी थी। जहाज अगले आदेश तक बंदरगाह पर ही रुका रहेगा। माल भेजने वाली कंपनी ने उच्च न्यायालय में दलील दी कि जहाज के मालिक ने उसे 99.81 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया है। पेश किए गए दस्तावेज और दलीलों पर गौर करने के बाद अदालत ने सोमवार को जहाज को कब्जे में लेने का आदेश दिया।

नाइंसाफी के बावजूद हम राजग केसाथ बने रहे : पारस

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के साथ नाइंसाफी हुई लेकिन फिर भी उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ बने रहने का फैसला किया। बिहार में राजग के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को एक भी सीट नहीं दिए जाने से नाराज पारस ने केंद्रीय मंत्री से इस्तीफा दे दिया था। पारस, पार्टी की एक बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी में विभाजन के बाद रालोजपा आस्तित्व में आई थी। पारस ने कहा हालांकि लोकसभा चुनाव में हमें बुरा लगा लेकिन हमने अपनी वफादारी नहीं बदली। हमें उम्मीद है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा इसे समझेंगे और अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में हमें उचित प्रतिनित्धित्व देंगे।

भारत में पशुओं के लिए चारे की कमी : राजीव रंजन सिंह

नई दिल्ली। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत में पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति का संकट है। सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया देश में चारे की कमी है। आईसीएआर-भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान (आईजीएफआरआई) झांसी ने अनुमान लगाया है कि देश में हरे और सूखे चारे की क्रमश: 11.24-32 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की कमी है। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार पशु चारे की कमी से अवगत है? सिंह ने बताया कि पशुपालन और डेयरी विभाग 2014-15 से चारा और चारा विकास पर एक उप मिशन के साथ केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन को लागू करके राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों को मदद दे रहा है। भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान (आईजीएफआरआई झांसी-आईसीएआर) ने 25 राज्यों के लिए चारा संसाधन विकास योजना तैयार की है, ताकि राज्यों में उनके फसल पद्धति और पशुधन प्रजातियों के आधार पर चारे की उपलब्धता बढ़ाई जा सके।

एक अलग प्रश्न के उत्तर में, सिंह ने कहा कि देश में दूध का उत्पादन 2018-19 में 18.77 करोड़ टन से बढ़कर 2022-23 में 23.06 करोड़ टन हो गया है। देश में सबसे अधिक दूध उत्पादक राज्य उप्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश हैं। राज्य मिलकर देश के कुल दूध उत्पादन में 53.08 फीसदी का योगदान करते हैं। सिंह ने कहा कि भारत दूध उत्पादन में पहले स्थान पर है और वैश्विक दूध उत्पादन में 25 प्रतिशत का योगदान देता है। मंत्री ने कहा, पिछले 9 वर्षों में दूध उत्पादन लगभग 6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है और प्रति व्यक्ति उपलब्धता 459 ग्राम प्रति दिन है। हम घरेलू मांग को पूरा करने में आत्मनिर्भर हैं।

कांग्रेस की बंगाल इकाई में आसन्न बदलाव पर माकपा एवं तृणमूल की करीबी नजर

भाषा। कोलकाता

कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई में आसन्न नेतृत्व परिवर्तन पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी करीब से नजर रख रही है, क्योंकि इससे 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के राजनीतिक समीकरण भी बदल सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर तीनों दल विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं लेकिन कांग्रेस-वाम गठबंधन पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस एवं मुख्य विपक्षी भाजपा दोनों का विरोध करता है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में पश्चिम बंगाल के प्रभारी एवं पार्टी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने मंगलवार को बताया कि तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मुखर रहे अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है और वर्तमान में राज्य इकाई के नए प्रमुख की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इस साल 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस-वाम गठबंधन और भाजपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था जिसमें तृणमूल ने राज्य की कुल 42 सीट में से 29 पर, भाजपा ने 12 और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत दर्ज की।

मुर्शिदाबाद जिले के बरहामपुर से पांच बार के सांसद रहे चौधरी तृणमूल उम्मीदवार एवं क्रिकेटर यूसुफ पठान से हार गए थे। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने पहचान गुप्त रखते हुए पीटीआई-भाषा को बताया, हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। तृणमूल विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है, लेकिन राज्य में अधीर रंजन चौधरी के विरोध के कारण गठबंधन नहीं हो सका। उन्होंने हम पर नियमित रूप से हमला करके राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश की।

तृणमूल नेता कुणाल घोष ने भी इसी तरह की भावना प्रकट की। चौधरी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर माकपा ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा, यह उनका आंतरिक मामला है। अधीर चौधरी ने वामदलों के साथ मिलकर बंगाल में धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह राज्य में तृणमूल एवं भाजपा दोनों का विरोध करने वालों में प्रमुख थे। हालांकि, वाम मोर्चा के एक अन्य नेता ने चिंता व्यक्त की कि यदि कांग्रेस बंगाल में तृणमूल के करीब जाती है, तो मौजूदा वाम-कांग्रेस गठबंधन खतरे में पड़ सकता है।

पेज 1 का शेष

शाह का ...

के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। विजयन ने कहा, यह आरोप-प्रत्यारोप का समय नहीं है। जिले के विभिन्न अस्पतालों में 91 लोगों का इलाज चल रहा है जबकि 240 लोग लापता हैं। मेरी सरकार ने जिले के 82 राहत शिविरों में 8107 लोगों को रखा है। मौसम विभाग ने बारिश या भूस्खलन को लेकर कोई रेड अलर्ट जारी नहीं किया था। मुंडक्कई में भूस्खलन के कुछ घंटों बाद मंगलवार सुबह 6 बजे जीएसआई द्वारा रेड अलर्ट जारी किया गया। भूस्खलन मंगलवार सुबह 2 बजे और 4.30 बजे हुआ। केंद्रीय जल आयोग, जो बाढ़ की चेतावनी जारी करने के लिए जिम्मेदार एजेंसी है, ने ऐसी कोई चेतावनी जारी नहीं की।

कोचिंग सेंटरों...

मकान मालिकों द्वारा अत्यधिक किराये, आग की मंजूरी, नालों से गाद निकालने और छात्रों की अन्य तत्काल जरूरतों से संबंधित सभी मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करेगी। उपराज्यपाल के प्रधान सचिव आशीष कुंद्रा ने कहा, समिति कोचिंग संस्थानों को विभिन्न स्थानों से धीरे-धीरे एक सुनियोजित क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक कार्य योजना तैयार करेगी। मुख्य सचिव छात्रों के व्यापक हित में, शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप, कोचिंग संस्थानों/ट्यूशन कक्षाओं के लिए दिशानिर्देश/नियामक ढांचा तैयार करने का मामला उठाएंगे। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक शिक्षा केंद्र की स्थापना के लिए पहले कदम के रूप में, जो सभी कोचिंग संस्थानों को समायोजित करेगा, नरेला और रोहिणी में चिन्हित स्थानों पर कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों के लिए साइट विजिट की सुविधा प्रदान करेगा। बेसमेंट में लाइब्रेरी या शिक्षण सुविधा चलाने वाले किसी भी कोचिंग संस्थान को तुरंत सील कर दिया जाएगा। इस बात पर सहमति हुई कि एक अल्पकालिक उपाय के रूप में, संस्थान, विशेष रूप से बड़े संस्थान छात्रों को अपने भवनों की अन्य मंजिलों पर पढ़ने के कमरे के रूप में स्थान प्रदान करके सहायता करेंगे। राज निवास के अनुसार, कोचिंग संस्थानों का महासंघ तीन मृत छात्रों के शोक संतप्त परिवारों को उचित मुआवजा देने पर सहमत हुआ। उन्होंने उन नामांकित छात्रों को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में शुल्क में छूट देने की भी पेशकश की, जिन्हें मानसिक पीड़ा और पढ़ाई में व्यवधान का सामना करना पड़ा है। राज निवास के अधिकारियों ने कहा कि पैनल विनियमन, अत्यधिक किराये, आग की मंजूरी, नालों से गाद निकालने और छात्रों की अन्य तत्काल जरूरतों से संबंधित सभी मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करेगा। आयुक्त एमसीडी अग्नि मंजूरी और भवन उपनियमों के नियामक ढांचे को स्पष्ट करने के लिए अग्निशमन विभाग की एक बैठक बुला सकते हैं। पुलिस आयुक्त सभी बीट कांस्टेबलों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम भी सुनिश्चित करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर छात्रों को सहानुभूतिपूर्ण और सक्रिय सहायता प्रदान की जा सके। बैठक में छात्र प्रतिनिधियों ने संपत्ति दलालों की पकड़ से उत्पन्न अपनी दुर्दशा को साझा किया, जो किराया अधिक वसूलते थे। उन्होंने किराये और अन्य भुगतानों के निपटान में नकदी अर्थव्यवस्था की व्यापकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि जो संस्थाएँ नैतिकता को एक विषय के रूप में पढ़ाती हैं, वे स्वयं अनैतिक प्रथाओं के दोषी हैं। यहां तक कि मकान मालिकों द्वारा लिया जाने वाला बिजली शुल्क 24 रुपये प्रति यूनिट तक था, जो आवासीय शुल्क से काफी अधिक था। अत्यधिक शुल्क वसूलने के बावजूद भी तंग आवास और शिक्षण सुविधाएं प्रदान की गईं। उन्होंने छात्रों के लिए किसी भी शिकायत निवारण तंत्र की गैर-मौजूदगी और कोचिंग संस्थानों के भीतर बुनियादी सुविधाओं की कमी और रिफंड हासिल करने में कठिनाई का मुद्दा भी उठाया। अधिकारियों के अनुसार खुले आदान-प्रदान के दौरान, विभिन्न हितधारकों ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए लघु और दीर्घावधि में अपने-अपने दृष्टिकोण और सुझाव सामने रखे।

ईरान...

के लिए तेहरान में था। उसने बताया कि हनिएह तेहरान में अपने आवास पर यहूदी हवाई हमले में मारा गया।

पूजा...

सावधानीपूर्वक जांच की है और उन्हें सीएसई-2022 नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करने का दोषी पाया है। सीएसई-2022 के लिए उसकी अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी गई है और उसे भविष्य की सभी परीक्षाओं/यूपीएससी के चयन से स्थायी रूप से वंचित कर दिया गया है। पैनल ने कहा है कि पूजा खेडकर प्रकरण के मद्देनजर, उसने 2009 और 2023 के बीच आईएएस स्क्रीनिंग प्रक्रिया को मंजूरी देने वाले 15,000 से अधिक उम्मीदवारों के डेटा की जांच की थी। इस विस्तृत अभ्यास के बाद, सुश्री पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के मामले को छोड़कर, किसी अन्य उम्मीदवार को सीएसई नियमों के तहत अनुमति से अधिक संख्या में प्रयासों का लाभ उठाते हुए नहीं पाया गया है। सुश्री पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के अकेले मामले में, यूपीएससी की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण उनके प्रयासों की संख्या का पता नहीं लगा सकी क्योंकि उन्होंने न केवल अपना नाम बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था। बयान में कहा गया है कि यूपीएससी यह सुनिश्चित करने के लिए एसओपी को और मजबूत करने की प्रक्रिया में है कि भविष्य में ऐसा मामला दोबारा न हो। यूपीएससी ने स्पष्ट किया कि वह उम्मीदवारों के केवल प्रमाणपत्रों की प्रारंभिक जांच करता है। आम तौर पर, प्रमाणपत्र को असली माना जाता है, अगर वह सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो।

जाति मुद्दे...

मानसिकता का सबूत दिया है। राहुल ने खुद ठाकुर पर बहस के दौरान उनका अपमान करने और गाली देने का आरोप लगाया, लेकिन कहा कि वह पूर्व केंद्रीय मंत्री से कोई माफी नहीं मांगेंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी ठाकुर द्वारा लोकसभा में गांधी की जाति के बारे में पूछे गए स्पष्ट सवाल पर तीखी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जाति पूछने में कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि वह ऐसा ही करते रहते हैं और देश को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश करते हैं।

झमाझम बारिश...

पर कहा, दिल्ली में जारी भारी बारिश के मद्देनजर सभी अधिकारियों को सतर्क रहने के लिए आगाह किया है। आम तौर पर लोगों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के अलावा, उन्हें कोचिंग सेंटरों सहित जलभराव की संभावना वाली जगहों पर मुद्दों को विशेष रूप से संबोधित करने की सलाह दी जाती है। इसमें कहा गया है, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट की एक श्रृंखला में यात्रियों को एक सलाह जारी की, चिराग दिल्ली में जल जमाव के कारण मूलचंद से चिराग दिल्ली की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित है। कृपया तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। इसने रेलवे अंडर ब्रिज, राम बाग रोड, आज़ाद मार्केट और अणुव्रत मार्ग सहित स्थानों पर जलभराव को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाने की भी सलाह दी। सैनिक फार्म, पटेल चौक, कालकाजी और लक्ष्मी नगर सहित शहर के कई हिस्सों में निवासियों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पहले कहा था कि सभी चार क्षेत्रों से बादल दिल्ली में एकत्रित हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप तीन से पांच सेंटीमीटर प्रति घंटे की तीव्र से बहुत तीव्र बारिश के साथ व्यापक रूप से हल्की और मध्यम वर्षा हुई है। आईएमडी ने लोगों को सलाह दी है कि वे उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है, अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें और मौसम की चेतावनी से अपडेट रहें। मौसम विभाग ने कहा, दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में मध्यम से तीव्र बारिश के कारण सड़कों पर फिसलन, कम दृश्यता, यातायात में व्यवधान और निचले इलाकों में स्थानीय जल जमाव होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को दिल्ली में इस साल इस महीने का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, पारा 39.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक है। आईएमडी के मुताबिक, शाम साढ़े पांच बजे आर्द्रता का स्तर 63 फीसदी रहा। शहर का न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने 5 अगस्त तक बारिश की भविष्यवाणी की है।

आर्थिक वृद्धि, रोजगार के बीच संतुलन साधता है बजट, सभी वर्गों का ध्यान

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि बजट में आर्थिक वृद्धि, रोजगार, पूंजी निवेश और राजकोषीय मजबूती के बीच बेहतर संतुलन स्थापित के साथ सहयोगपूर्ण संघवाद को बढ़ावा दिया गया है। सीतारमण ने राज्यसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें कोई पैसा नहीं मिला है। विपक्ष संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन कर वास्तव में दुष्प्रचार करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा , बजट में आर्थिक वृद्धि, रोजगार, पूंजी निवेश और राजकोषीय मजबूती के बीच बेहतर संतुलन स्थापित किया गया है। यह आर्थिक वृद्धि को गति देने के साथ रोजगार बढ़ाने वाला है। सीतारमण ने कहा, बजट में सहकारी संघवाद को बढ़ावा दिया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों को 22.91 लाख करोड़ रुपए दिए गए जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.49 लाख करोड़ रुपए अधिक हैं। बजट में केवल दो राज्यों का नाम होने और अन्य की अनदेखी करने को लेकर अलोचना पर वित्त मंत्री ने कहा, अगर बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं है तो इसका यह मतलब नहीं कि उसके लिए बजट में कोई आवंटन नहीं है। उन्होंने कहा, अगर पीछे के बजट को देखा जाए तो संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार ने भी अपने कई बजट भाषण में सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया था।

सीतारमण ने कहा, 2004-05 के बजट में 17 राज्यों का नाम नहीं लिया गया। वहीं 2009-10 के पूर्ण बजट में 28 राज्यों का नाम नहीं था। अन्य बजट भाषण में भी कई राज्यों का उल्लेख नहीं था। क्या उन राज्यों को पैसा नहीं मिला? केंद्रीय करों में कम हिस्सेदारी के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार दी जाती है और केंद्र सरकार उसका पूरी तरह से पालन कर रही है। उन्होंने कहा, यह साफ होना चाहिए कि राज्यों को राशि शुद्ध कर राजस्व के आधार पर दी जाती है न कि सकल कर राजस्व के आधार पर। उपकर, सब्सिडी और कर संग्रह लागत घटाकर शुद्ध कर राजस्व का निर्धारण नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) करता है। सीतारमण ने कहा, इसके उलट राजग सरकार ने राज्यों का जो भी बकाया है, उसका भुगतान समय पर किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार का पूंजीगत व्यय 43.82 लाख करोड़ रुपए रहा जो एक दशक पहले संप्रग शासन के दौरान 2004-05 से 2013-14 के बीच 13.19 लाख करोड़ रुपए था। वित्त मंत्री ने कहा, चालू वित्त वर्ष में 11.11 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय का निर्धारण किया गया है। यह पूंजीगत व्यय मद में अबतक का सर्वाधिक आवंटन है। यह वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान से करीब 17 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि बजट का मकसद भारत को विनिर्माण कंपनियों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना भी है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। चालू वित्त वर्ष में इसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। अगले वित्त वर्ष 2025-26 तक हम इसे 4.5 प्रतिशत से नीचे लाएंगे।

उन्होंने विपक्ष के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक क्षेत्र के लिए आवंटन में कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि इसके उलट इन सभी क्षेत्रों के लिए आवंटन पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। सीतारमण ने कहा कि कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए बजट में 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष से 8,000 करोड़ रुपए अधिक है। इसी तरह शिक्षा पर आवंटन बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपए किया गया है। सीतारमण ने महंगाई का जिक्र करते हुए कहा, यह सबको पता है कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की गलत नीतियों से मुद्रास्फीति 22 महीनों तक दहाई अंक के करीब चली गई थी और यह वैश्विक औसत से अधिक रही थी। लेकिन आज यह काफी हद तक नियंत्रण में है। यह राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार की बेहतर नीतियों का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर की वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर हुई है। दैनिक नकदी प्रबंधन के लिए जे एंड के बैंक से हुंडी और ओवरड्राफ्ट की व्यवस्था का पुराना चलन अब समाप्त हो गया है। पिछले चार साल के दौरान, जे एंड के बैंक में उल्लेखनीय बदलाव आया है। बैंक को 2019-20 में 1,139 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। लेकिन 2023-24 में उसे 1,700 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। वित्त मंत्री ने अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार और युवा बनाए रखने में मदद करेगी और इसपर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। बजट चर्चा के दौरान चिदंबरम ने अग्निवीर योजना की आलोचना की और सरकार से इसे वापस लेने को कहा था। सीतारमण ने कहा कि यह योजना हमारे सशस्त्र बलों की क्षमताओं और युद्ध की तैयारी को बढ़ाने के लिए एक बहुत ही सुधारात्मक कदम है। उन्होंने राज्यों में पुलिस महानिदेशकों की नियुक्ति के संबंध में भ्रामक बयान देने के लिए कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को आड़े हाथ लिया। नीट परीक्षा को लेकर विपक्ष की आलोचना पर सीतारमण ने कहा, इससे परिवारों के लिए कम लागत में चिकित्सा शिक्षा सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से इससे कुछ निहित स्वार्थी तत्वों को नुकसान पहुंचा है। खासकर मेडिकल शिक्षा क्षेत्र के लोगों को क्योंकि अब मेडिकल सीटें बेचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि एनईईटी लीक मामला सामने आने से पहले भी विशेष लॉबी एनईईटी के खिलाफ सक्रिय थी।

राज्यसभा में उठी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाए जाने की मांग

नई दिल्ली।(भाषा) राज्यसभा में बुधवार को संस्कृत की उपेक्षा पर चिंता प्रकट करते हुए इस प्राचीन भाषा को प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में अनिवार्य विषय बनाने और विश्वविद्यालयों में इसके पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा शोध के लिए विशेष अनुदान देने की मांग उठी।उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य दिनेश शर्मा ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से संस्कृत साहित्य के डिजिटल स्वरूप का प्रचार-प्रसार करने, संस्कृत ग्रंथों के ऑनलाइन कोर्स आरंभ करने और इस भाषा में नाटकों, गीत और संगीत कार्यक्रमों के आयोजन को बढ़ावा देने की भी गुजारिश की।संस्कृत भाषा को देश की सांस्कृतिक धरोहर और अद्वितीय स्रोत करार देते हुए शर्मा ने कहा कि इसका साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है और यहां तक कि वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण जैसे अनेक ग्रंथ भी संस्कृत में ही लिखे गए हैं।उन्होंने कहा कि इनका अध्ययन आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है और यह सभी ग्रंथ पुरातन ज्ञान और विज्ञान के महत्वपूर्ण स्रोत हैं तथा इसमें निहित ज्ञान आज भी प्रासंगिक है।

शर्मा ने कहा कि भारतवर्ष में आदिकाल से ही संस्कृत बोलचाल की भाषा रही है और तमाम भाषाएं संस्कृत भाषा से ही उत्पन्न हुई हैं।संस्कृत को अन्य सभी भाषाओं की जननी करार देते हुए भाजपा सदस्य ने कहा कि वर्तमान समय में कुछ प्रदेशों में इसकी उपेक्षा बहुत ही चिंताजनक है। उन्होंने कहा, आधुनिक शिक्षा प्रणाली और पश्चिमी प्रभाव के कारण संस्कृत भाषा का अध्ययन दिन प्रतिदिन प्रचलन से दूर होता जा रहा है। विश्वविद्यालयों में संस्कृत के प्रति रुचि घटती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप हमारी युवा पीढ़ी अपने प्राचीन ज्ञान से वंचित हो रही है। शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति में संस्कृत भाषा के उन्नयन का उल्लेख प्रसन्नता का विषय है लेकिन वह इसकी उपेक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए कुछ सुझाव देना चाहते हैं।उन्होंने कहा, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में संस्कृत के पाठ्यक्रम को बढ़ावा दिया जाए और इस भाषा में शोध के लिए विशेष अनुदान प्रदान किया जाना चाहिए।उन्होंने देश में ऐसे प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना की मांग की जहां संस्कृत के साथ अन्य विषयों की भी पढ़ाई हो। शर्मा ने कहा कि इससे विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें इसका व्यापक ज्ञान मिलेगा। उन्होंने कहा, संस्कृत साहित्य का डिजिटल रूप में अनुवाद और प्रसार किया जाए ताकि यह आसानी से उपलब्ध हो सके। संस्कृत ग्रंथों के ऑनलाइन कोर्स और वेबिनार भी आयोजित किए जाने चाहिए। संस्कृत में नाटकों, कविताओं और संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए ताकि लोगों में संस्कृत के प्रति सम्मान बढ़ सके।

भारत स्वदेशी तकनीक से बुलेट ट्रेन विकसित करने पर काम कर रहा है

नई दिल्ली। (भाषा) रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत स्वदेशी तकनीक से देश में बुलेट ट्रेन विकसित करने पर काम कर रहा है। वैष्णव ने लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना तकनीकी रूप से बहुत जटिल है और इसे जापान की मदद से क्रियान्वित किया जा रहा है। पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अहमदाबाद और मुंबई के बीच निर्माणाधीन है। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन दो पश्चिमी शहरों के बीच कुल 508 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसमें से 320 किलोमीटर हिस्से पर काम जोरों पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र वाले हिस्से में काम धीमा हो गया था, लेकिन 2022 में भाजपा-शिवसेना-राकांपा की महायुति सरकार के सत्ता में आने के बाद इसमें तेजी आई और राज्य सरकार से सभी प्रासंगिक अनुमतियां मिल गई हैं। उन्होंने कहा, अब काम बहुत तेजी से चल रहा है। मंत्री ने कहा कि समुद्र के नीचे भारत की पहली रेल सुरंग का निर्माण चल रहा है, जो 21 किलोमीटर लंबी होगी। उन्होंने कहा कि शुरुआत में भारत को बुलेट ट्रेन की तकनीक विदेशों से मिली थी, लेकिन अब देश में भी कई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बुलेट ट्रेन विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने पर काम कर रहे हैं।

नीट व्यवस्था कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी : सीतारमण

नई दिल्ली।(भाषा) मेडिकल पाठ्यक्रमों से संबंधित राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) व्यवस्था की विपक्ष द्वारा तीखी आलोचना के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि यह प्रणाली कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी। सीतारमण ने उच्च सदन में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि नीट को सबसे पहले 2010 में अधिसूचित किया गया था और तत्कालीन स्वास्थ्य राज्य मंत्री एवं द्रमुक नेता जी सेल्वन के नेतृत्व में इसका कार्यान्वन किया गया था। उन्होंने कहा कि 2013 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में ही पहली नीट परीक्षा हुई थी। सीतारमण ने कहा कि 2011 में जब तमिलनाडु में द्रमुक का शासन समाप्त हुआ, उस समय राज्य में केवल 1,945 मेडिकल सीटें थीं जो अब बढ़कर 10,425 हो गई हैं और इस प्रकार पिछले 11 वर्षों में 8,480 सीटों की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि नीट किसी के भी खिलाफ नहीं है लेकिन इससे कुछ निहित स्वार्थों को नुकसान हुआ है, खासकर मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में, क्योंकि अब सीट बेचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि एक विशेष लॉबी नीट लीक मुद्दे के सामने आने से पहले ही इसके खिलाफ थी। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार की नीति युवाओं को अधिक सक्षम बनाना है। चर्चा के दौरान पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कुछ सवाल उठाए थे। वित्त मंत्री सीतारमण ने उन सवालों का जिक्र करते हुए कहा कि 2006 में उच्चतम न्यायालय ने अपने एक फैसले में स्पष्ट निर्देश दिया कि डीजीपी का चयन राज्य सरकार की ओर से विभाग के सबसे वरिष्ठ तीन सदस्यों में से से किया जाएगा जिसमें संघ लोक सेवा आयोग की भी भूमिका होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के संबंध में भी उच्चतम न्यायालय का स्पष्ट निर्णय है।

प्रधानमंत्री से मिले शिवकुमार, कर्नाटक के लिए और अधिक धन की मांग रखी

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की और राज्य में सिंचाई परियोजनाओं एवं बेंगलुरु के विकास के लिए अधिक धनराशि दिए जाने की मांग रखी। शिवकुमार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु का गिफ्ट सिटी की तर्ज पर विकास किए जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, राज्य सरकार के उस अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार नहीं किया गया था लिहाजा हमने सुरंग परियोजना, सिग्नल-मुक्त गलियारे, बेंगलुरु में मुख्य सड़कों और वर्षा-जल निकासी नालियों के विकास के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं के लिए और अधिक धन की मांग की है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु राष्ट्रीय खजाने में दूसरा सबसे अधिक कर देने वाला शहर है लेकिन हाल के केंद्रीय बजट में इसे कुछ भी नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कर्नाटक को इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, हेब्बल और नेलमंगला में फ्लाईओवर के लिए धन मिला था। उन्होंने इस मुलाकात पर कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में केवल एक गिफ्ट सिटी (गुजरात) ही स्थापित की जा सकती है। इसलिए, हमने बेंगलुरु में शुरू की जाने वाली कई बड़ी परियोजनाओं में केंद्रीय सहायता के लिए अनुरोध किया है। हमने बेंगलुरु को बेहतर बुनियादी ढांचे की जरूरत पर जोर दिया है क्योंकि लाखों लोग बाहर से आ रहे हैं, जिससे बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ रहा है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए पिछले बजट में 5,300 करोड़ रुपए देने के बावजूद केंद्र द्वारा कोई धन जारी नहीं करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इस मुद्दे को उठाने का वादा किया है।

भारत, वियतनाम मक्त व्यापार समझौते की संभावना तलाशें: वियतनामी प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने भारत के साथ आर्थिक सहयोग मजबूत करने के लिए बुधवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की संभावनाएं तलाशने का अनुरोध किया। चिन्ह इस समय एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा पर आए हुए हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में कई मंत्री, उप मंत्री और व्यापार जगत के दिग्गज शामिल हैं। उन्होंने वियतनाम-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों को अपना द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखना चाहिए।उन्होंने उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से आयोजित बिजनेस फोरम में कहा, मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि हम वियतनाम और भारत के बीच एक उपयुक्त एफटीए के माध्यम से एक-दूसरे के उत्पादों तक अपनी बाजार पहुंच बढ़ाएं।

कोचिंग सेंटरों से विद्यार्थियों को बाहर लाना ही होगा

नई दिल्ली। (भाषा) स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि कोचिंग सेंटरों से विद्यार्थियों को बाहर लाना ही होगा और सबके सहयोग से इसके लिए समुचित प्रयास किए जाएंगे।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान प्रधान ने कहा कि विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कोचिंग संस्थानों की मदद लेते हैं। उन्होंने कहा लेकिन हम चाहते हैं कि कोचिंग संस्थान न हों और इसके लिए जरूरी है कि स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई हो। सरकारी स्कूलों को बढ़ावा दिया जाए। केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय इसकी मिसाल हैं। पूरक प्रश्नों के जवाब में प्रधान ने कहा कोचिंग सेंटर न हों, इसके लिए सबका सहयोग जरूरी है। अनेक राज्यों में पढ़ाई को लेकर बेहतर स्थान हैं। राजस्थान में सीकर ने बहुत ही बढ़िया काम अध्ययन में किया है। इसी तरह से मेहनत करनी होगी और सबका सहयोग लेकर हमें विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थानों से बाहर लाना होगा। शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की संसद के प्रति जवाबदेही के बारे में प्रश्न पूछा जिसके जवाब में प्रधान ने कहा एनटीए की संसद के प्रति जवाबदेही के बारे में सवाल पूछा गया। इस प्रश्न को पूछने की अनुमति दी गई और मैं इससे संबंधित सवाल का संसद में जवाब दे रहा हूं, यही तो संसदीय जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि एक निकाय कई तरह की परीक्षाएं ले सके, इसके लिए एनटीए के बारे में सोचा गया। 2017 से शुरूआत हुई और 2018 में इसने आकार लिया। उन्होंने कहा कि छह साल में पांच करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दीं और अच्छे संस्थानों में उन्हें प्रवेश मिला। उन्होंने कहा कि ढाई सौ से अधिक परीक्षाएं हुईं। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी समाज का एक वर्ग है क्योंकि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे और सबकी इच्छा है कि वे आगे बढ़ें। शिक्षा आगे बढ़ने का माध्यम है। प्रधान ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब देश में मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या 51,000 थी जो दस साल में बढ़ कर एक लाख दस हजार हो गई हैं।प्रधान ने कहा सरकार सभी तरह की जवाबदेही के साथ शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताती है। हमारी सरकार ज्यादातर जिलों में मेडिकल कालेज खोलने के लिए प्रतिबद्ध है। राजद के प्रोफेसर मनोज कुमार झा ने जानना चाहा कि क्या एनटीए के कामकाज की निगरानी की कोई व्यवस्था है। प्रधान ने कहा कि एनटीए परीक्षा करवाती है और प्रश्नों के आकलन की एक व्यवस्था होती है और तय किया जाता है कि प्रश्न कैसे हों। यह आकलन समय-समय पर किया जाता है।

पिछले 4-5 वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में चालीस हजार से अधिक लोगों की नियुक्ति की गई

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 4-5 वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में रिक्त पदों पर 40,000 से अधिक लोगों की नियुक्ति की है। प्रधान ने कहा कि आईआईटी जैसे उच्च शैक्षणिक संस्थानों में उद्योग से अनुभवी लोगों को लाने के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस (पीओपी) प्रणाली शुरू की गई है। विश्वविद्यालयों द्वारा नियुक्त किए जाने वाले पीओपी आवश्यकता-आधारित होते हैं, न कि यह कोई स्थाई पद है। प्रधान ने कहा कि पीओपी शिक्षा में विशेषज्ञता और नए विचार लाएंगे। प्रधान ने कहा, पीओपी नई शिक्षा नीति के तहत एक प्रमुख सिफारिश है। अब आम सहमति है कि डिग्री के अलावा हमें योग्यता को भी महत्व देना होगा। शिक्षा को रोजगारपरक और उद्यमिता की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए, उद्योग और शिक्षा के बीच संबंध आवश्यक है। मंत्री माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्न का उत्तर रहे थे, जिन्होंने पूछा था कि क्या सरकार ने पीओपी के लिए 10 प्रतिशत शैक्षणिक पद आरक्षित किए हैं और क्या इससे उच्च संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण कम हो जाएगा। ब्रिटास ने कहा कि लगभग 26 प्रतिशत शैक्षणिक पद और 46 प्रतिशत अन्य पद अभी रिक्त हैं और क्या इस तरह की पीओपी प्रणाली युवाओं के लिए रोजगार के अवसर को प्रभावित करेगी। प्रधान ने कहा, हमने पिछले 4-5 वर्षों में रिक्त पदों पर 40,000 से अधिक लोगों को नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय या कॉलेजों के किसी भी मौजूदा पद पर कब्जा नहीं करेगा। राकांपा सांसद फौजिया खान जानना चाहती थीं कि कितनी महिला प्रोफेसरों को पीओपी के रूप में नियुक्त किया जाता है। इस पर प्रधान ने कहा कि यह विशेष संस्थानों की आवश्यकता, व्यक्ति की योग्यता और क्षमता पर निर्भर करता है।

केंद्र ने राज्यों के पूर्वव्यापी प्रभाव से खनिजों पर रॉयल्टी वापस करने संबंधी याचिकाओं का विरोध किया

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में उस याचिका का विरोध किया जिसमें खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर उसके द्वारा लगाई रॉयल्टी वापस करने का अनुरोध किया गया है। केंद्र ने कहा कि उसे राज्यों को पूर्वव्यापी प्रभाव से रॉयल्टी वापस करने के लिए कहने वाले किसी भी आदेश के बहुआयामी प्रभाव होंगे।उच्चतम न्यायालय ने 25 जुलाई को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज वाली भूमि पर कर लगाने का विधाई अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है। शीर्ष अदालत के इस फैसले से खनिज संपन्न राज्यों के राजस्व में भारी वृद्धि होगी। लेकिन इससे फैसले के क्रियान्वयन के संबंध में एक और विवाद खड़ा हो गया। विपक्षी दलों द्वारा शासित कुछ खनिज संपन्न राज्यों ने शीर्ष अदालत से इस फैसले को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने का अनुरोध किया ताकि वे केंद्र से रॉयल्टी वापस मांग सकें। बहरहाल, केंद्र ने ऐसे किसी आदेश का विरोध करते हुए कहा कि इसका बहुआयामी प्रभाव होगा।

वायनाड में भूस्खलन को लेकर तेजस्वी सूर्या की टिप्पणी के बाद लोस में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। (भाषा) लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने उस समय हंगामा किया जब भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने केरल के वायनाड में अतिक्रमण को लेकर प्रदेश की सरकार और कांग्रेस पर सवाल खड़े किए तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी परोक्ष रूप से निशाने पर लिया। सदन में नियम 197 के तहत प्राकृतिक आपदा पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए सूर्या ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में केरल में कई प्राकृतिक आपदाएं खासकर भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं जिनमें बहुत सारे निर्दोष लोगों की जान गई है।

उन्होंने सवाल किया, केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने क्या कदम उठाए हैं? उन्होंने कहा कि राज्य के वन मंत्री ने केरल विधानसभा में कहा था कि अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया जा सकता, क्योंकि धार्मिक संगठनों का दबाव है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि वायनाड में गैरकानूनी अतिक्रमण का विषय जब कांग्रेस के एक सांसद ने उठाया तो उनका टिकट काट दिया गया। सूर्या ने कहा कि वायनाड से पांच साल तक सांसद रहे नेता ने वहां की प्राकृतिक आपदा को लेकर कभी आवाज नहीं उठाई। इसके बाद विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही अपराह्न तीन बजकर करीब 50 मिनट पर शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही फिर से आरंभ होने पर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि तेजस्वी सूर्या को इस दुखद घटना पर राजनीति करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, इस त्रासदी पर विपक्ष की तरफ से किसी ने राजनीति नहीं की, लेकिन सत्तापक्ष के सांसद से राजनीति की है...उन्होंने राहुल गांधी के बारे में सवाल खड़े किए हैं। राहुल गांधी ने वायनाड में प्राकृतिक आपदाओं को लेकर कितनी बार आवाज उठाई है, इसका रिकॉर्ड देखा जा सकता है। वेणुगोपाल का कहना था, वायनाड, करेल और भारत के लोग राहुल गांधी को प्यार करते हैं। वह वायनाड से 3.6 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। बिरला ने कहा कि सूर्या के भाषण में जो बात इस सदन और घटना की मर्यादा के अनुरूप नहीं होगी उसे कार्यवाही से हटा दिया जाएगा। इससे पहले, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर नित्यानंद राय ने कहा कि आपदाओं के प्रबंधन के लिए 33 दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें बाढ़ और भूस्खलन से संबंधित दिशानिर्देश भी शामिल हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के कई कदमों का उल्लेख किया और कहा कि 350 जिलों में आपदा के बचाव हेतु स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए योजना शुरू कर गई है और लगभग एक लाख स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया है। राय का कहना था कि ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए नियमित रूप से मॉक अभ्यास और जागरूकता कार्यक्रम किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि 23 जून, 2024 को गृह मंत्री की अध्यक्षता में सभी केंद्रीय एजेंसियों की बैठक की गई, जिसमें सभी राज्यों को जरूरी मदद देने के लिए कहा गया है।

भारत में कई गुना बढ़ गई है रोहिंग्या घुसपैठ

गुवाहाटी। (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ काफी बढ़ गई है तथा जनसांख्यिकी में बदलाव आने का खतरा वास्तविक और गंभीर है। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, रोहिंग्या लगातार भारत-बांग्लादेश सीमा का इस्तेमाल करके भारत में आ रहे हैं और कई राज्य जनसांख्यिकीय बदलाव की समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम, भारत-बांग्लादेश सीमा के केवल एक हिस्से की पहरेदारी कर रहा है, लेकिन एक बड़ा क्षेत्र अभी भी खुला है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और झारखंड सरकारें इन घुसपैठियों के प्रति नरम रुख अपना रही हैं और इसे रोकने के लिए कोई कार्वाई नहीं की है। शर्मा ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) ने बयान दिया था कि राज्य बांग्लादेश से आने वालों को शरण देगा, जिसका पड़ोसी देश की सरकार ने भी समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि असम

और त्रिपुरा सरकारों ने इस मामले में कड़े कदम उठाए हैं और दोनों राज्यों की पुलिस ने कई मौकों पर कई रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, असम अब रोहिंग्या के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहा, क्योंकि हम नरम नीति नहीं अपनाते। हमारी स्थिति पश्चिम बंगाल और झारखंड से बेहतर है। असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से स्थिति खराब नहीं हुई है।

कमला हैरिस ही होंगी राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन पक्का कर लिया है, क्योंकि वह देश भर से पार्टी के प्रतिनिधियों से वर्चुअल रोल कॉल वोट के लिए अर्हता प्राप्त करने वाली एकमात्र उम्मीदवार के रूप में उभरी हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने आधिकारिक समय सीमा समाप्त होने के बाद मंगलवार रात घोषणा की कि देश भर से 3,923 प्रतिनिधियों ने हैरिस के डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से नामांकन के लिए आवेदन दिए थे और उन्हें भाग लेने वाले 99 प्रतिशत प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त हुआ।

डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) के अध्यक्ष जैमे हैरिसन और डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन कमेटी (डीएनसीसी) की अध्यक्ष मिनियन मूर ने एक संयुक्त बयान में कहा कि कोई भी अन्य उम्मीदवार मतपत्र के लिए अर्हता प्राप्त करने के संबंध में 300 प्रतिनिधि हस्ताक्षर की सीमा को पूरा नहीं कर सका। बयान में कहा गया कि वर्चुअल रोल कॉल पर वोटिंग एक अगस्त को शुरू होगी और पांच अगस्त को समाप्त होगी। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हैरिस आधिकारिक रूप से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बन जाएंगी।

इस बीच, हैरिस ने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहस के लिए चुनौती देते हुए कहा है कि उन्हें जो भी कहना है, वह उनके सामने कहें। जॉर्जिया के अटलांटा शहर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए हैरिस (59) ने कहा कि उनके दौड़ में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति चुनाव की प्रकृति बदल गई है। हैरिस ने आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा तब की जब मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने 20 जुलाई को दूसरे कार्यकाल के लिए दौड़ से हटने की घोषणा की।

हैरिस ने कहा, वक्त की चाल बदल रही है। ऐसे संकेत हैं कि डोनाल्ड ट्रंप इसे महसूस कर रहे हैं। आपने पिछले हफ्ते देखा होगा, उन्होंने सितंबर में होने वाली बहस से खुद को अलग कर लिया, जिसके लिए उन्होंने पहले सहमति जताई थी।

उन्होंने उत्साहित भीड़ से कहा, डोनाल्ड, मुझे उम्मीद है कि आप बहस के मंच पर मुझसे मिलने के बारे में पुनर्विचार करेंगे, क्योंकि अगर आपको कुछ कहना है तो मेरे सामने कहिए। हैरिस की प्रचार टीम के अनुसार, महत्वपूर्ण चुनावी मैदान अटलांटा में उनकी रैली में लगभग 10,000 लोग शामिल हुए। हैरिस ने कहा, व्हाइट हाउस का रास्ता सीधे इसी राज्य से होकर जाता है और आप सभी ने 2020 में हमें जीतने में मदद की और हम 2024 में फिर से ऐसा करने जा रहे हैं।

वहीं, ट्रंप की प्रचार टीम ने महत्वपूर्ण चुनावी राज्यों में एक नया विज्ञापन जारी किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि खतरनाक रूप से उदार कमला हैरिस अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर अवैध प्रवासियों की घुसपैठ को रोकने में विफल रहीं। हालांकि हैरिस की प्रचार टीम ने इस आरोप को खारिज कर दिया है।

ट्रंप की प्रचार टीम की वरिष्ठ सलाहकार डैनियल अल्वारेज ने कहा, कमला हैरिस की विफलता ने अमेरिका को कम सुरक्षित बना दिया है। प्रवासी अपराध बढ़ गए हैं, आतंकवादी देश की खुली सीमा से घुस आए हैं, मानव तस्करी हर राज्य को प्रभावित कर रही है। हैरिस खतरनाक रूप से उदार हैं और अमेरिकी इसकी कीमत चुका रहे हैं।

ट्रंप की प्रचार टीम ने कहा, ट्रंप ने हमारे देश के इतिहास में सबसे सुरक्षित सीमा बनाई। लेकिन कुछ ही वर्षों में कमला हैरिस ने लाखों अवैध अप्रवासियों के लिए दरवाजे खोल दिए। हैरिस की प्रचार टीम ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, दशकों में सबसे कठिन सीमा समझौते को खत्म करने के बाद, ट्रंप अपने ट्रेडमार्क झूठ पर चल रहे हैं क्योंकि उनका अपना रिकॉर्ड और योजनाएं अलोकप्रिय रही हैं।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने मंडेला विरासत स्थलों को यूनेस्को सूची में शामिल करने का स्वागत किया

जोहानिसबर्ग। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने दिवंगत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से जुड़े दक्षिण अफ्रीका के कई प्रतिष्ठित स्थलों को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक , वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर स्थलों के रूप में सूचीबद्ध किए जाने का स्वागत किया है। यूनेस्को ने मंडेला से जुड़े 14 समेत अन्य स्थलों को मानव अधिकार , मुक्ति और सुलह : नेल्सन मंडेला विरासत स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया है। मंडेला ने दशकों तक श्वेत अल्पसंख्यक रंगभेद शासनकाल वाले दक्षिण अफ्रीका में 27 वर्ष तक राजनीतिक कैदी के रूप में जेल की सजा काटी थी और इसके बाद वह देश के लोकतांत्रिक रूप से पहले निर्वाचित राष्ट्रपति बने।

नई दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46 वें सत्र में यह घोषणा की गई। कार्यक्रम बुधवार को समाप्त हो रहा है। रामाफोसा के कार्यालय ने सोमवार को कहा , सामूहिक रूप से यह संपत्ति उन घटनाओं और विचारों को प्रदर्शित करती है , जो दक्षिण अफ्रीका के मुक्ति संघर्ष के मूल के रूप में काम करती हैं , जो एक चौथाई सदी बाद भी मानवता को सुलह को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। इसमें कहा गया है , 14 घटक मानव अधिकारों , मुक्ति और सुलह की विजय में मजबूत स्मृतियों और विश्वासों का उदाहरण हैं। देश, इसके इतिहास और समृद्ध विरासत को दिए गए सम्मान के लिए यूनेस्को को धन्यवाद दिया गया है। इन स्थलों में प्रिटोरिया में यूनियन बिल्डिंग्स शामिल हैं , जहां मंडेला ने पहली बार कार्यालय संभाला था और जोहानिसबर्ग में कांस्टीट्यूशन हिल , दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च न्यायिक कार्यालय का मुख्यालय है , जो कभी कुख्यात फोर्ट जेल हुआ करता था। यहां मंडेला और उनसे पहले महात्मा गांधी दोनों को कैद किया गया था। यूनियन बिल्डिंग विश्व धरोहर सूची में शामिल क्रेमलिन, कासुबी टॉम्ब्स, ताज महल, वेटिकन और अन्य वैश्विक स्थलों में शामिल हो गई है। इन दो क्रमिक संपत्तियों के शामिल होने से दक्षिण अफ्रीका की विश्व धरोहर स्थलों की सूची बढ़कर 12 हो गई है।

यूरोपीय संघ की मुद्रास्फीति जुलाई में 4.1 प्रतिशत हुई

फ्रेंकफर्ट (जर्मनी)। यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 20 देशों के समूह यूरोपीय संघ में जुलाई माह में मुद्रास्फीति बढ़कर 2.6 प्रतिशत हो गई जो यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। यूरोपीय सांख्यिकी इकाई यूरोस्टैट ने बुधवार को मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए। इसके पहले जून में मुद्रास्फीति 2.5 प्रतिशत पर थी। ईसीबी की जिस सेवा मुद्रास्फीति पर करीबी नजर रहती है, वह जुलाई में मामूली रूप से घटकर चार प्रतिशत पर आ गया।

भीड़ ने मस्जिद पर पत्थर फेंके 40 पुलिस अधिकारी घायल

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड में चाकू हमले में मारी गईं तीन बच्चियों की स्मृति सभा के समय धुर-दक्षिणपंथी लोगों के समूह ने एक मस्जिद को निशाना बनाया और इस दौरान फैली अव्यवस्था में करीब 40 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। पुलिस हिरासत में मौजूद 17 वर्षीय संदिग्ध की नस्ल और धर्म के बारे में सोशल मीडिया पर गलत सूचना का प्रसार हुआ, मंगलवार रात साउथपोर्ट में स्थित मस्जिद से पास दंगा भड़क गया। पुलिस ने कहा कि उसके 22 अधिकारियों को गंभीर चोटें आई हैं।

दंगाइयों ने कई कारों को आग के हवाले कर दिया, स्थानीय मस्जिद पर पत्थर फेंके, एक स्थानीय दुकान में तोड़फोड़ की और कूड़ेदानों में आग लगा दी। सोमवार को हार्ट स्ट्रीट में एक डांस स्टूडियो में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद घटनास्थल पर जाने वाले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने भीड़ की निंदा की। साउथपोर्ट के लोग कल उन पर हुए हमले के बाद से सदमे में हैं। हम उनका समर्थन और सम्मान करते हैं।

जिन लोगों ने स्मृति सभा के दौरान हिंसा और गुंडागर्दी की उन्होंने शोकाकुल लोगों का अपमान किया है। उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्वाई की जाएगी। चाकूबाजी में जान गंवाने वाली बच्चियों की पहचान एलिस डा सिल्वा एक्वियर (9), बेबी किंग (6) और एलसी डोट स्टेनकॉम्ब (7) के रूप में हुई है। घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, इनमें से पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं। मर्सीसाइड पुलिस ने कहा है कि वह फिलहाल इस घटना को आतंकवाद से संबंधित नहीं मान रही है। पुलिस के सहायक मुख्य कांस्टेबल एलेक्स गॉस ने कहा, 17 वर्षीय एक युवक की पहचान के बारे में बहुत सी अटकलें और कयास लगाए जा रहे हैं, जो फिलहाल पुलिस हिरासत में है।

इजराइली हमले में मारे गए कमांडर का शव तलाश रहे : हिज्बुल्लाह

बेरूत। लेबनान के उग्रवादी समूह हिज्बुल्लाह ने कहा कि वह बेरूत में इजराइल के हवाई हमले में मारे गए अपने एक शीर्ष सैन्य कमांडर के शव की अभी भी तलाश कर रहा है। इजराइल द्वारा हिज्बुल्लाह कमांडर फौद शुकुर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले के बाद यह ईरान समर्थित उग्रवादी समूह की पहली टिप्पणी है। शुकुर को निशाना बनाए जाने से एक दिन पहले हमास नेता इस्माइल हनिएह की तेहरान में एक हवाई हमले में मौत हो गई थी। हिज्बुल्लाह ने हमास नेता की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की इजराइल ने बेरूत पर एक अप्रत्याशित हमले के बाद शुकुर को मार गिराने का दावा किया। उसका कहना है कि शुकुर इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के मजदल शम्स शहर में गत सप्ताहांत हुए रॉकेट हमले में शामिल था, 12 लोग मारे गए थे। नागरिक सुरक्षा कर्मी अभी भी उस इमारत के मलबे के नीचे शुकुर और अन्य लोगों के शव की तलाश कर रहे हैं।

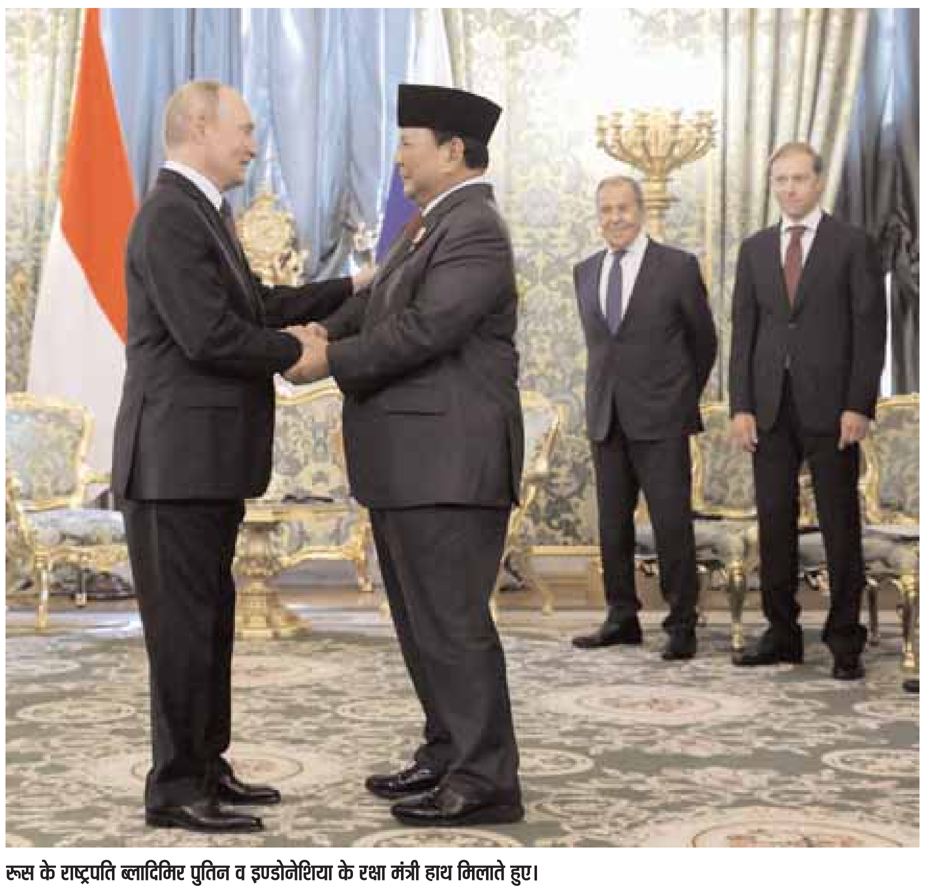

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन व इण्डोनेशिया के रक्षा मंत्री हाथ मिलाते हुए।

नासा ने अंतरिक्ष यान को क्षुद्रग्रह से टकराकर इसके इतिहास का पता लगाया

द कन्वरसेशन। पर्थ। नासा का डीएआरटी मिशन – दोहरा क्षुद्रग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण – मानवता का पहला वास्तविक दुनिया का ग्रह रक्षा मिशन था। सितंबर 2022 में, डीएआरटी अंतरिक्ष यान पृथ्वी से एक करोड़ 10 लाख किलोमीटर दूर एक छोटे क्षुद्रग्रह के साथी चंद्रमौ से टकरा गया। इस टक्कर का लक्ष्य यह पता लगाना था कि अगर कोई इस तरह हमारी तरफ आ रहा हो तो क्या हम ऐसी चीजों को बढ़ावा दे सकते हैं। क्षुद्रग्रह के हमारी तरफ बढ़ने और इस तरह के टकराव के बाद बहुत सारे डेटा इकट्ठा करने से, हमें यह भी बेहतर अंदाज़ा मिलेगा कि अगर ऐसा कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराता है तो हमें क्या होगा। नेचर कम्युनिकेशंस में आज प्रकाशित पांच नए अध्ययनों में डिडिमोस-डिमोर्फोस दोहरे क्षुद्रग्रह प्रणाली की उत्पत्ति को जानने के लिए डीएआरटी और उसके यात्रा मित्र लिसियाक्यूब च से भेजी गई छवियों का उपयोग किया गया है। उन्होंने उस डेटा को अन्य क्षुद्रग्रहों के संदर्भ में भी रखा है। क्षुद्रग्रह प्राकृतिक खतरा हैं: हमारा सौर मंडल ऐसे छोटे-छोटे क्षुद्रग्रहों के मलबे से भरा है जो कभी ग्रह नहीं बन पाए। जो सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा के करीब आते हैं उन्हें नियर अर्थ ऑब्जेक्ट (एनईओ) कहा जाता है। ए हमारे लिए सबसे बड़ा जोखिम पैदा करते हैं, लेकिन सबसे सुलभ भी हैं। इन प्राकृतिक खतरों से ग्रहों की रक्षा वास्तव में उनकी संरचना को जानने पर निर्भर करती है – न कि केवल वे किस चीज से बने हैं, बल्कि वे एक साथ कैसे रखे गए हैं। क्या वे ठोस वस्तुएं हैं जो मौका मिलने पर हमारे वायुमंडल में घुस जाएंगी, या वे मलबे के ढेर की तरह हैं, जिन्हें बमुश्किल एक साथ रखा जा सकता है? डिडिमोस क्षुद्रग्रह, और इसका छोटा चंद्रमा डिमोर्फोस, एक द्विआधारी क्षुद्रग्रह प्रणाली के रूप में जाना जाता है। वे डीएआरटी मिशन के लिए एकदम सही लक्ष्य थे, क्योंकि टकराव के प्रभावों को डिमोर्फोस की कक्षा में परिवर्तन में आसानी से मापा जा सकता था। वे पृथ्वी के भी करीब हैं, या कम से कम एनईओ हैं। और वे एक बहुत ही सामान्य प्रकार के क्षुद्रग्रह हैं जिन्हें हमने पहले अच्छी तरह से नहीं देखा था। यह भी सीखने का मौका मिला कि द्विआधारी क्षुद्रग्रह कैसे बनते हैं, यह सोने पर सुहागा था। बहुत सी द्विआधारी क्षुद्रग्रह प्रणालियों की खोज की गई है, लेकिन ग्रह वैज्ञानिकों को ठीक से पता नहीं है कि वे कैसे बनते हैं। नए अध्ययनों में से एक में, अमेरिका में जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के ओलिवियर बार्नोइन के नेतृत्व में एक टीम ने सतह के खुरदरापन और क्रेटर रिकॉर्ड को देखकर सिस्टम की उम्र का अनुमान लगाने के लिए डीएआरटी और लिसियाक्यूब की छवियों का उपयोग किया। उन्होंने पाया कि डिडिमोस लगभग एक करोड़ 25 लाख वर्ष पुराना है, जबकि इसका चंद्रमा डिमोर्फोस 300,000 साल से भी कम समय पहले बना था। यह भले बहुत बड़ा लगे, लेकिन यह अपेक्षा से बहुत छोटा है। पत्थरों का ढेर डिमोर्फोस भी कोई ठोस चट्टान नहीं है जैसा कि हम आम तौर पर कल्पना करते हैं। यह पत्थरों का एक मलबे का ढेर है जो मुश्किल से एक साथ बंधे हुए हैं। इसकी कम उम्र के साथ, यह दर्शाता है कि बड़े क्षुद्रग्रहों के टकराव के मद्देनजर इन मलबे के ढेर वाले क्षुद्रग्रहों की कई पीढ़ियाँ हो सकती हैं। सूरज की रोशनी वास्तव में क्षुद्रग्रहों जैसे छोटे पिंडों के घूमने का कारण बनती है। जैसे ही डिडिमोस एक लट्टू की तरह घूमने लगा, उसका आकार पिचक गया और बीच में उभर आया। यह बड़े टुकड़ों के मुख्य ढेर से लुढ़कने के लिए पर्याप्त था, कुछ के तो निशान भी छूट गए। इन टुकड़ों ने धीरे-धीरे डिडिमोस के चारों ओर मलबे का एक घेरा बना दिया। समय के साथ, जैसे-जैसे मलबा आपस में चिपकने लगा, इससे छोटे चंद्रमा डिमोर्फोस का निर्माण हुआ। अमेरिका में ऑबर्न विश्वविद्यालय के मौरिज़ियो पाजोला के नेतृत्व में एक अन्य अध्ययन में इसकी पुष्टि के लिए बोल्डर वितरण का उपयोग किया गया। टीम ने यह भी पाया कि मनुष्यों द्वारा देखे गए अन्य गैर-बाइनरी क्षुद्रग्रहों की तुलना में वहां काफी अधिक (पांच गुना तक) बड़े पत्थर थे। एक अन्य नए अध्ययन से हमें पता चलता है कि अब तक जितने भी क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष अभियानों (इटोकावा, रयुगु और बेन्नू) पर गए हैं, उन पर पत्थरों का आकार संभवत: एक ही तरह का था। लेकिन डिडिमोस प्रणाली पर बड़े पत्थरों की यह अधिकता बायनेरिज़ की एक अनूठी विशेषता हो सकती है। अंत में, एक अन्य पेपर से पता चलता है कि इस प्रकार के क्षुद्रग्रह में दरार पड़ने की संभावना अधिक होती है।

रूस की सेना ने रणनीतिक परमाणु हथियारों के साथ तीसरे दौर का अभ्यास शुरू

मास्को। रूस की सेना ने बुधवार को रणनीतिक परमाणु हथियारों के साथ तीसरे दौर का अभ्यास शुरू किया, जिसके जरिए वह पश्चिमी देशों को संदेश देना चाहती है कि वे यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन घटाएं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इस अभ्यास में मध्य और दक्षिणी सैन्य जिलों की इकाइयां भाग ले रही हैं जिनके पास छोटी दूरी की इस्कंदर मिसाइलें हैं। वे गोदाम से परमाणु हथियारों को निकालने तथा उन्हें निर्धारित क्षेत्रों में तैनात करने का अभ्यास करेंगी। इस अभ्यास में वायुसेना की इकाइयां भी हिस्सा लेंगी जो अपने लड़ाकू विमानों को परमाणु हथियारों से लैस करेंगी तथा गश्त उड़ान भरेंगी। मंत्रालय ने कहा कि इस अभ्यास का इरादा लड़ाकू मिशन के लिए सैनिकों की तैयारियों को परखना है। रणनीतिक परमाणु हथियारों में बम, छोटी दूरी की मिसाइलों में लगाए जाने वाले परमाणु आयुध, गोलाबारूद आदि शामिल होते हैं और वे जंग के मैदान के लिए होते हैं।

बीबीसी के पूर्व एंकर ने बच्चों की अश्लील तस्वीरें साझा करने किया दोष स्वीकार

भाषा। लंदन

बीबीसी के पूर्व शीर्ष समाचार प्रस्तोता ह्यू एडवर्ड्स ने बच्चों की अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने के तीन मामलों में बुधवार को गुनाह कबूल किया। सेंट्रल लंदन में वेस्टमिंस्टर मैजिस्ट्रेट कोर्ट में 26 मिनट की सुनवाई के दौरान उन्होंने जिन अपराधों के लिए दोष कबूल किया, उनमें दिसंबर 2020 और अगस्त 2021 के बीच व्हाट्सएप पर साझा की गई तस्वीरें शामिल थीं। ए तस्वीरें एक व्यक्ति द्वारा साझा की गई थीं, जिसने शुरुआत में सोशल मीडिया के माध्यम से एडवर्ड्स से संपर्क किया था।

एडवर्ड्स दो दशकों तक बीबीसी के रात्रिकालीन समाचार कार्यक्रमों में मुख्य एंकर रहे। उन्होंने 2022 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के लिए सार्वजनिक प्रसारक के कवरेज का नेतृत्व किया था। मामले में सुनवाई की अगली तारीख 16 सितंबर तक उन्हें जमानत दी गई है। उन्हें अधिकतम 10 वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है, हालांकि अभियोजन पक्ष ने माना कि निलंबित सजा भी उचित हो सकती है।

एडवर्ड्स (62) मैसेजिंग सेवा पर एक वयस्क व्यक्ति के साथ ऑनलाइन चैट में शामिल थे, जिसने उन्हें 377 अश्लील तस्वीरें भेजी थीं, जिनमें से 41 तस्वीरें बच्चों से संबंधित थीं। भेजी गई तस्वीरों में से सात तस्वीरें श्रेणी ए की थीं। ज्यादातर बच्चों की अनुमानित उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, लेकिन एक की उम्र सात से नौ साल के बीच थी। एडवर्ड्स को अलग-अलग शिकायतों के चलते जुलाई 2023 में बीबीसी से निलंबित कर दिया गया था। बाद में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया।

भारत में लड़ाकों को भर्ती करना चाहता है इस्लामिक स्टेट आईएल-के: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवंत-खोरासान (आईएसआईएल-के) भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद इस देश में स्थित अपने आकाओं के माध्यम से ऐसे लड़ाकों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले ही हमलों को अंजाम दे सकें। आईएसआईएल, अल-कायदा और उससे जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के बारे में विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 34वीं रिपोर्ट मंगलवार को यहां जारी की गई। इसमें कहा गया है कि सदस्य देशों ने चिंता जताई है कि अफगानिस्तान से पैदा होने वाला आतंकवाद क्षेत्र में असुरक्षा का कारण बनेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद आईएसआईएल-के देश में अपने आकाओं के जरिए ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले हमलों को अंजाम दे सके और उसने उर्दू में हिंदू-मुस्लिम द्वेष को बढ़ाने वाली तथा भारत के संबंध में अपनी रणनीति को रेखांकित करने वाली एक पुस्तिका जारी की है। इसमें कहा गया है कि आईएसआईएल-के इस क्षेत्र में सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है, जो अफगानिस्तान से परे आतंक फैला रहा है, जबकि अल-कायदा रणनीतिक संयम बरतता है और तालिबान के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है।

रिपोर्ट के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी), तालिबान और भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) के बीच समर्थन और सहयोग बढ़ा है। वे अफगानिस्तान में लड़ाकों और प्रशिक्षण शिविर साझा कर रहे हैं और तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) के बैनर तले अधिक घातक हमले कर रहे हैं।

इसमें कहा गया है, अत: टीटीपी अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक पनाह देने वाले संगठन में तब्दील हो सकता है। मध्यम अवधि में, टीटीपी और एक्यूआईएस का संभावित विलय पाकिस्तान और अंतत: भारत, म्यांमा और बांग्लादेश के खिलाफ खतरा बढ़ा सकता है। कुछ सदस्य देशों ने अनुमान जताया है कि आईएसआईएल-के के लड़ाकों की संख्या 4,000 से बढ़कर 6,000 हो गई है।

इजराइल की हिरासत में फलस्तीनी कर रहे उत्पीड़न व दुर्व्यवहार का सामना : संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बुधवार को एक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमलों के बाद इजराइल के अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को वाटरबोर्डिंग , अनिद्रा, करंट लगाए जाने समेत कई अन्य उत्पीड़न व दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। वाटरबोर्डिंग एक तरह की यातना होती है, जिसमें किसी व्यक्ति के चेहरे को कपड़े से ढककर पानी डाला जाता है, जिससे व्यक्ति को डूबने जैसा एहसास होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली कारागार विभाग ने जून के अंत तक 9,400 से अधिक लोगों को हिरासत में रखा, जिनमें से कुछ को खुफिया जगह पर रखा गया है, जहां उन्हें वकीलों से मिलने या कानूनी अधिकारियों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जा रही। पूर्व कैदियों और अन्य सूत्रों से बातचीत पर आधारित इस रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए लोगों की चौंका देने वाली संख्या पर हैरानी जताई गई है, जिनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे, पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने एक बयान में कहा, मेरे कार्यालय और अन्य संस्थाओं द्वारा एकत्र किए गए साक्ष्यों से कई भयावह कृत्यों का संकेत मिलता है, जैसे कैदियों को पानी डालकर प्रताड़ित करना, उन पर कुत्ते छोड़ना आदि। यह अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर हनन है। सात अक्टूबर को हमास के दक्षिण इजराइल पर अचानक हमले करने के बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ था। हमास के हमलों में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक को बंधक बना लिया गया था।

भारत से द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नया ब्रिटिश संसदीय समूह गठित

लंदन। भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवनिर्वाचित ब्रिटिश संसद में एक नया सर्वदलीय संसदीय समूह (एपीपीजी) गठित किया गया है। इस समूह के गठन का उद्देश्य व्यापार और निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से लेकर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना है। इस सप्ताह की शुरुआत में औपचारिक रूप से इस समूह का गठन किया गया था। इस समूह की सह-अध्यक्षता हाउस ऑफ लॉर्ड्स में क्रॉसबेंच पीयर करण बिलिमोरिया और नए ब्रिटिश सिख लेबर सांसद जीवुन संधेर द्वारा की जाएगी। बिलिमोरिया ने कहा, यह सौभाग्य की बात है कि हम ब्रिटेन-भारत साझेदारी का जश्न उसी समय मना रहे हैं, जब हमने नई इंडिया एपीपीजी की शुरुआत की है, जिसकी सह-अध्यक्षता करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है।

पेरिस में असम राइफल टीम के कुत्ते पहली बार पेरिस ओलम्पिक में तैनात किया गया।

चीन ने जापान पर क्वॉड देशों के साथ मानहानिकारक हमलों का आरोप

बीजिंग। चीन ने जापान पर अमेरिका, भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताओं के दौरान उसके खिलाफ मानहानिकारक हमले करने का आरोप लगाया है। एशियाई मामलों के विभाग के महानिदेशक लियू जिनसोंग ने एक दिन पहले जापान दूतावास में मिशन उप प्रमुख अकीरा योकोची के साथ बैठक के दौरान हालिया घटनाक्रम को लेकर गंभीर चिंता जताई है। लियू ने कहा कि चीन पर जापान के मानहानिकारक हमले दोनों देशों के बीच रणनीतिक व पारस्परिक संबंधों को बढ़ावा देने के उसके रुख के विपरीत हैं। जापान की राजधानी तोक्यो में हुई बैठक के दौरान जापानी विदेश और रक्षा मंत्रियों ने अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच यह बैठक हुई थी।

संयुक्त बयान में कहा गया है कि चीन अपनी विदेश नीति के जरिए अपने फायदे के लिए वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देना चाहता है और इस तरह के व्यवहार से हिंद-प्रशांत क्षेत्र और इससे बाहर एक बड़ी सामरिक चुनौती उत्पन्न हुई है। अमेरिका-जापान के बीच वार्ता के बाद क्वॉड समूह में शामिल देशों अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। जारी संयुक्त बयान में चीन के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन विवादित मुद्दों में सैन्य दखल बढ़ाने और दक्षिण चीन सागर व धमकी भरे युद्धाभ्यास के प्रति विरोध व्यक्त किया। चीन ने अमेरिका पर उसके (चीन के) बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए दूसरे देशों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का आरोप लगाया है। चीन जापान से उसके (चीन के) आंतरिक मामलों के बारे में गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी बंद करने का आग्रह करता है।

बोइंग को दूसरी तिमाही में 1.4 अरब डॉलर का घाटा नया सीईओ नियुक्त किया

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका की विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग को दूसरी तिमाही में 1.4 अरब डॉलर से अधिक का घाटा हुआ है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि रॉकवेल कॉलिन्स के पूर्व सीईओ 64 वर्षीय रॉबर्ट केली ऑर्टबर्ग अगले सप्ताह बोइंग के सीईओ के रूप में कामकाज संभालेंगे। बोइंग का घाटा काफी अधिक रहा है जबकि आमदनी वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से कम रही है। राजस्व में एक साल पहले की तुलना में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है और इसके वाणिज्यिक-विमान कारोबार और रक्षा इकाई दोनों को नुकसान हुआ। निराशाजनक परिणाम बोइंग के लिए उथल-पुथल भरे समय में आए हैं। कंपनी ने मैक्स के संबंध में धोखाधड़ी के लिए दोषी होने की दलील पर सहमति व्यक्त की है। इनमें से दो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए थे, जिसमें 346 लोग मारे गए थे।

स्वप्निल कुसाले 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस फाइनल और सेन-सिंधू प्री क्वार्टरफाइनल में

भाषा। पेरिस

भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया जबकि देश के खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, तीरंदाजी, टेबल टेनिस और मुक्केबाजी की स्पर्धाओं में अगले दौर में प्रवेश किया।

निशानेबाज कुसाले फाइनल में, ऐश्वर्य चूके : कुसाले ने जहां फाइनल के लिए क्वालीफाई किया वहीं ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर चूक गए। कुसाले क्वालीफाइंग दौर में 590 (38 एक्स) का स्कोर करके सातवें स्थान पर रहे। वहीं ऐश्वर्य प्रताप 589 (33 एक्स) का स्कोर करके 11वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। कुसाले ने नीलिंग में 198 (99 और 99), प्रोन में 197 (98 और 99) और स्टैंडिंग पोजिशन में 195 (98 और 97) स्कोर किया। वहीं ऐश्वर्य प्रताप ने नीलिंग में 197 (98 और 99), प्रोन में 199 (100 और 99) और स्टैंडिंग पोजिशन में 193 (95 और 98) स्कोर किया। स्पर्धा का फाइनल बृहस्पतिवार को खेला जाएगा। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में कुसाले, ऐश्वर्य प्रताप और अखिल श्योराण ने टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता था। कुसाले कोल्हापूर में तेजस्विनी सावंत के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। वह पिछले साल एशियाई खेलों में इस स्पर्धा के व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे थे।

आत्मविश्वास से भरी मुक्केबाज लवलीना पदक जीतने से महज एक कदम दूर : तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ने अपने पहले मुकाबले में नॉर्वे की सुन्निवा होफ्स्टाड को 5 . 0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लवलीना ने तोक्यो में 69 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता था। वह लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने और भारतीय मुक्केबाजी में अभूतपूर्व उपलब्धि अपने नाम करने से महज एक जीत दूर हैं। हालांकि यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि अब उनका सामना चार अगस्त को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की लि कियान से होगा। इस मुकाबले में जीत से लवलीना का कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो जाएगा। प्रीति पवार को हालांकि प्री क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार देर रात प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की पैन अमेरिकन खेलों की चैंपियन और विश्व रजत पदक विजेता एनी मार्सेला एरियास को कड़ी चुनौती दी लेकिन इसके बावजूद उन्हें 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा।

सेन और सिंधू एकल प्री क्वार्टरफाइनल में : भारतीय बैडमिंटन के स्टार लक्ष्य सेन और पी वी सिंधू ने अपने अपने मुकाबले शानदार ढंग से जीतकर एकल प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने एस्तोनिया की क्रिस्टीन कूबा को 33 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में 21 . 5, 21 . 10 से हराया। रियो ओलंपिक में रजत और तोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु दुनिया की नौवे नंबर की खिलाड़ी चीन की ही बिंगजियाओ से खेल सकती है जिसके खिलाफ वह 11 बार हारी और नौ बार जीती हैं। वहीं विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता अलमोड़ा के तेईस वर्ष के लक्ष्य ने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 50 मिनट में 21 . 18, 21 . 12 से मात दी। लक्ष्य का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन एच एस प्रणय से हो सकता है जो आखिरी ग्रुप मैच में वियतनाम के ली डुक फाट से खेलेंगे। लक्ष्य ने इससे पहले क्रिस्टी को सिर्फ एक बार चार साल पहले बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में हराया था। दोनों के बीच ओलंपिक मुकाबले से पहले हुए पांच में से चार मुकाबले क्रिस्टी ने जीते थे।

अनुभवी तीरंदाज दीपिका प्री क्वार्टर फाइनल में : भारत की अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी ने लगातार दो मुकाबले जीतकर महिला व्यक्तिगत वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल प्रवेश कर लिया। कुछ दिन हले भारतीय महिला तीरंदाजों की टीम क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से हार गई थी जिसमें दीपिका के प्रदर्शन की काफी आलोचना हुई थी। दीपिका ने व्यक्तिगत वर्ग में पहले एस्तोनिया की रीना परनाट को शूटआफ में 6 . 5 से हराया। इसके बाद नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन को 6 . 2 से मात दी। अब उनका सामना प्री क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की मिशेले क्रोपेन से होगा।

टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला प्री क्वार्टर फाइनल में : श्रीजा अकुला ने सिंगापुर की जियान झेंग को 51 मिनट तक कड़े मुकाबले में 4 . 2 से हराकर टेबल टेनिस महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अपने 26वें जन्मदिन पर श्रीजा ने 9 . 11, 12 . 10, 11 . 4, 11 . 5, 10. 12, 12 . 10 से जीत दर्ज की। श्रीजा का सामना अब चीन की नंबर एक खिलाड़ी सुन यिंगशा से होगा। इससे पहले मनिका बत्रा भी अंतिम 16 में जगह बना चुकी हैं। भारतीय टेबल टेनिस के इतिहास में यह पहली बार हुआ है। घुड़सवारी में अनुष अग्रवाला व्यक्तिगत ड्रेसेज में पदक की दौड़ से बाहर हुए: भारत के अनुष अग्रवाला ओलंपिक घुड़सवारी के व्यक्तिगत ड्रेसेज में अपने ग्रुप में 66.444 अंक के साथ नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूके।

अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेंगे भारतीय एथलीट, नीरज चोपड़ा पर होगी निगाहें

पेरिस। भारत का 29 सदस्ईय दल पेरिस ओलंपिक खेलों मे गुरुवार से शुरू होने वाली एथलेटिक प्रतियोगिता मे जब अपना अभियान शुरू करेगा तो सभी की निगाह नीरज चोपड़ा पर टिकी रहेंगी जो भाला फेंक मे अपने खिताब का बचाव करके भारतीय खेलों के इतिहास मे नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। चोपड़ा मामूली चोटों के कारण ओलंपिक से पहले अधिक प्रतियोगिताओ मे भाग नही ले पाए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हे लगातार दूसरे ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। चोपड़ा अगर आठ अगस्त को स्वर्ण पदक जीतने मे सफल रहते है तो वह भाला फेंक मे अपने खिताब का बचाव करने वाले दुनिया के पांचवे खिलाड़ी और लगातार दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले एरिक लेमिंग (स्वीडनअ 1908 और 1912), जॉनी मायरा (फिनलैंडअ 1920 और 1924), जान ज़ेलेज़नी (चेक गणराज्यअ 1992, 1996 और 2000) और एंड्रियास थोरकिल्डसन (नॉर्वेअ 2004 और 2008) ही ऐसे खिलाड़ी है जिन्होने ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा मे अपने खिताब का बचाव किया। चोपड़ा ने इस साल केवल तीन प्रतियोगिताओ मे भाग लिया लेकिन यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इसलिए स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार है क्योकि विश्व स्तर पर उनका कोई भी अन्य प्रतिद्वंदी इस सत्र मे असाधारण प्रदर्शन नही कर पाया है।इस भारतीय एथलीट ने मई मे दोहा डायमंड लीग मे हिस्सा लिया था जिसमे उन्होने 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था जो इस सत्र मे उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। उन्होने इसके बाद एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापस ले लिया, क्योकि वह अपनी जांघ की मांसपेशियो मे दर्द महसूस कर रहे थे। चोपड़ा, जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है, ने 18 जून को फिनलैंड मे पावो नूरमी खेलो मे 85.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर मजबूत वापसी की। उन्होने पेरिस डायमंड लीग से बाहर होने का विकल्प चुना। उनके कोच ने बाद मे चोपड़ा की फिटनेस को लेकर चिंताओ को खारिज कर दिया।पिछले ओलंपिक खेलो के बाद चोपड़ा ने जिन 15 प्रतियोगिताओ मे भाग लिया उनमे से केवल दो बार उन्होने 85 मीटर से कम भाला फेंका।

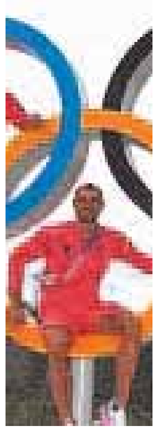

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	8	6	2	16
जापान	७	2	4	13
फ्रांस	6	9	6	21
ऑस्ट्रेलिया	6	4	2	12
कोरिया	5	3	3	11
अमेरिका	4	11	12	27
ग्रेट ब्रिटेन	6	6	5	17
इटली	3	5	4	12
कनाडा	2	2	2	6
हांगकांग	2	0	1	3
भारत	0	0	2	2

पेरिस ओलंपिकः भारत का छठे दिन का कार्यक्रम

पेरिस।।भारत का पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को यहां छठे दिन का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार) इस प्रकार है।

गोल्फः पुरुष व्यक्तिगत फाइनलः गगनजीत भुल्लर और शुभंकर शर्मा – दोपहर 12.30 बजे

निशानेबाजीःपुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (फाइनल): स्वप्निल कुसाले – दोपहर 1.00 बजे, महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (क्वालीफिकेशन): सिफत कौर सामरा और अंजुम मौदगिल – दोपहर 3.30 बजे

हॉकीः भारत बनाम बेल्जियम (ग्रुप चरण मैच): दोपहर 1.30 बजे

मुक्केबाजीः महिला फ्लाईवेट (प्री-क्वार्टरफाइनल): निकहत जरीन बनाम यू वू (चीन) – दोपहर 2.30 बजे

तीरंदाजीः पुरुष व्यक्तिगत (1132 एलिमिनेशन): प्रवीण जाधव बनाम काओ वेनचाओ (चीन) – दोपहर 2.31 बजे, पुरुष व्यक्तिगत (1116 एलिमिनेशन): दोपहर 3.10 बजे से

टेबल टेनिसः महिला एकल (क्वार्टर फाइनल): दोपहर 1.30 बजे से

नौकायनः पुरुष डिंगी रेस एकः विष्णु सरवनन : दोपहर 3.45 बजे

पुरुष डिंगी रेस 2ः विष्णु सरवनन : रेस। के बाद

महिला डिंगी रेस एकः नेथ्रा कुमानन : शाम 7.05 बजे

महिला डिंगी रेस दोः नेथ्रा कुमानन – रेस। के बाद।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के सामने क्वार्टर फाइनल में चिया-सोह की मजबूत चुनौती

पेरिस। भारतीय शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की चुनौती का सामना करेगे। सात्विक और चिराग की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी अपने दोनों मैच जीतकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया। बुधवार शाम यहां ड्रा के बाद चिया और सोह के खिलाफ रखा गया है। मलेशियाई जोड़ी ग्रुप ए में चीन की विश्व नंबर एक लियांग वेई केंग और वांग चांग के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। मलेशियाई जोड़ी ग्रुप ए में चीन की विश्व नंबर एक लियांग वेई केंग और वांग चांग के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। चिया और सोह का एक समय सात्विक और चिराग के खिलाफ 8-0 का जबरदस्त रिकॉर्ड था, लेकिन भारत जोड़ी ने पिछले तीनों मैचों को जीतकर अपने रिकॉर्ड में सुधार किया। भातरीय जोड़ी अगर इस मुकाबले को जीतने में सफल रही तो उसके सामने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त लियांग एवं वांग की जोड़ी और इंडोनेशिया के फजर अल्फियान एवं मुहम्मद रियान अर्दियांतो के बीच खेले जाने वाले एक अन्य क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगी।अनुष अग्रवाला घुड़सवारी के व्यक्तिगत ड्रेसेज फाइनल में जगह बनाने में विफलपेरिस, 31 जुलाई (भाषा) भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ओलंपिक में घुड़सवारी के व्यक्तिगत ड्रेसेज में बुधवार को यहां फाइनल में जगह बनाने में विफल रहे। अनुष अपने घोड़े सर कारमेलो के साथ अपने ग्रुप में कुल 66.444 अंक के साथ नौवें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में कुल 60 घुडसवार भाग ले रहे थे जिन्हें 10-10 के छह ग्रुप में बांटा गया था। फाइनल के लिए 18 घुड़सवारों ने क्वालीफाई किया जिसमें डेनमार्क की लॉड्डुप-डुफोर कैथरीन अपने घोड़े फ्रीस्टाइल के साथ 80.792 अंक के साथ शीर्ष पर रही। सिसोजेवा सैंड्रा अपने घोड़े मैक्सिमा बेला के साथ क्वालीफाई करने वाली आखिरी खिलाडी रही। पोलैंड की इस घुड़सवार ने 73.416 अंक बनाए। घुड़सवारी ड्रेसेज में पुरुष और महिला खिलाड़ी एक साथ प्रतिस्पर्धा करते है।

नोवाक जोकोविच क्वार्टरफाइनल में

पेरिस। सर्बिया के शीर्ष वरीय नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ओलंपिक खेलों की टेनिस स्पर्धा के पुरुष एकल में जर्मनी के डोमिनिक कोपफर पर 7-5, 6-3 की जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने इस तरह चौथी बार ओलंपिक एकल क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और अब उनकी निगाहें अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने पर लगी होंगी क्योंकि यही पदक उनकी कैबिनेट में मौजूद नहीं है। रिकॉर्ड 24 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुका यह 37 वर्षीय खिलाड़ी बीजिंग 2008 ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुका है। इस दफा टेनिस मुकाबले रोलां गैरों में हो रहे हैं जहां जोकोविच तीन मेजर खिताब जीत चुके हैं। अब बृहस्पतिवार को उनका सामना स्टेफानोस सिटसिपास से होगा जिसे जोकोविच ने 2021 में कोर्ट फिलिप चार्टियर पर हुए फाइनल में हराया था। सिटसिपास ने अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 7-5, 6-। से हराया।

सूर्या भाई ने श्रृंखला में गेंदबाजी के लिए तैयार रहने को कहा थाः रिंकू सिंह

पालेकल।(भाषा) भारत के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टार बनकर उभरे, लेकिन बल्लेबाजी में नहीं बल्कि गेंदबाज की भूमिका में। मेजबान टीम जब आठ विकेट पर 137 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत की ओर बढ़ रही थी तब कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गेंद रिंकू को थमा दी तब प्रतिद्वंद्वी टीम को 12 गेंद पर नौ रन की जरूरत थी। इस 26 वर्षीय दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर ने हालांकि निराश नहीं किया। उन्होंने अपने एकमात्र ओवर में दो विकेट चटकाए। इसमें उन्होंने सिर्फ तीन रन दिए और कुसल परेरा और रमेश मेंडिस के विकेट लिए। फिर 20 ओवर के बाद स्कोर बराबर होने के कारण मैच सुपर ओवर में चला गया जिसमें भारत विजेता रहा। रिंकू ने बाद में स्वीकार किया कि सूर्या ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि जरूरत पड़ने पर उन्हें गेंदबाजी करनी पड़ सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, मैंने घरेलू क्रिकेट में काफी विकेट लिए हैं और मैंने वनडे में भी एक विकेट लिया है। सूर्या ने मुझे श्रृंखला में गेंदबाजी के लिए तैयार रहने के लिए कहा था।

क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय हाकी टीम के सामने बेल्जियम की कठिन चुनौती

पेरिस। क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक के पूल बी के मैच में बृहस्पतिवार को मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम के रूप पहली कठिन चुनौती का सामना करेगी तो उसे प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी। बेल्जियम पूल बी में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर है जबकि भारत दो जीत और एक ड्रॉ के साथ दूसरे स्थान पर है। आस्ट्रेलिया दो जीत और एक हार के साथ तीसरे स्थान पर है। अर्जेंटीना ने भी तीन मैचों में एक जीत , एक ड्रॉ और एक हार के साथ अंतिम आठ में जगह बना ली है। न्यूजीलैंड और आयरलैंड लगातार तीन हार के साथ दौड़ से बाहर हो गए हैं। हर पूल से शीर्ष चार टीमें ही अंतिम आठ में पहुंचेंगी। भारत ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3 . 2 से हराया और फिर आखिरी मिनट में किए गए गोल की मदद से 2016 की चैम्पियन अर्जेंटीना को ड्रॉ पर रोका। आयरलैंड के खिलाफ भारत ने 2 . 0 से जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले दोनों मैचों में निर्णायक गोल दागे और फिर आयरलैंड के खिलाफ पेनल्टी स्ट्रोक पर पहला और पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया। अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह ने भी आयरलैंड के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके कई मौके बनाए। मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, गुरजंत सिंह और सुखजीत सिहं ने भी दबाव बनाए रखा। अपना पहला ओलंपिक खेल रहे राइट बैक जरमनप्रीत सिंह इस टूर्नामेंट की खोज साबित हुए हैं जिन्होंने अब तक काफी प्रभावी प्रदर्शन किया है। पहले दो मैचों में 19 पेनल्टी कॉर्नर गंवाने वाली भारतीय टीम के गोलकीपर पी आर श्रीजेश की तारीफ करनी होगी जिन्होंने कई गोल बचाए। बेल्जियम के बाद भारत को शुक्रवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है।

तूफान के कारण पेरिस में हाई-स्पीड ट्रेनों की सेवा बाधित, ओलंपिक के दौरान यात्री फंसे

पेरिस। स्थानीय तूफान ने पेरिस को देश के दक्षिण-पूर्व के साथ-साथ स्विट्जरलैंड से दोनों दिशाओं में जोड़ने वाली सभी हाई-स्पीड ट्रेन यातायात को बुधवार को बाधित कर दिया। फ्रांस की रेल कंपनी एसएनसीएफ ने कहा कि इससे ओलंपिक और गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रा करने वाले वाले हजारों यात्री फंसे हुए हैं। एसएनसीएफ ने कहा कि रेल पटरियों पर पेड़ गिरने के कारण फ्रांस की राजधानी के गारे डे ल्योन ट्रेन स्टेशन से रवाना होने वाली और वहां पहुंचने वाली सभी हाई-स्पीड ट्रेनों की सेवाओं को रोकना पड़ा है। पेरिस के दक्षिण-पूर्व में बरगंडी में एक ट्रेन पेड़ से टकरा गई। नियमित गति वाली ट्रेन अलग-अलग ट्रैक का उपयोग करती हैं और उनकी सेवा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।एसएनसीएफ ने कहा कि अधिकारियों ने ट्रैक से बिजली काट दी और पेड़ को हटाने का काम शुरू हो चुका है। इस सेवा को शुरू करने में हालांकि अधिक समय लगेगा इस लिए स्टेशन से निकलने वाली सारी ट्रेनों को वापस बुला लिया गया है ताकि लोग यात्रा के लिए वैकल्पिक साधन खोज सके। इससे पहले ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह से पहले तोड़फोड़ के कारण फ्रांस की ट्रेन यातायात गंभीर रूप से बाधित हुई थी। इस सप्ताह की शुरुआत में हाई-स्पीड ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई थीं। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी मेटियो फ्रांस ने बुधवार को देश के अधिकांश क्षेत्रों में भारी बारिश और हवा सहित स्थानीय रूप से मजबूत तूफान के खतरे के बारे में चेतावनी दी है। मेटियो फ्रांस ने देश के अधिकांश हिस्से में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गर्मी की चेतावनी जारी की है जिसमें, पेरिस में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस (88 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुंच गया।

धावकों को रेपेचेज दौर से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मिलेगा मौका

सेंट-डेनिस (फ्रांस) (एपी) ओलंपिक ट्रैक प्रतियोगिता में एक नए नियमों के कारण बाधा और फर्राटा दौड़ धावकों को शुरुआती चरण में पिछड़ने के बाद भी रेपेचेज दौर से इन खेलों में अगले दौर में आगे बढ़ने और ओलंपिक पदक जीतने का एक और मौका मिलेगा। इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा। अब प्रत्एक हीट में शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि अन्य खिलाड़ियों को रेपेचेज के जरिए यहां पहुंचने का मौका मिलेगा।ओलंपिक में भाग ले रहे कई खिलाड़ियों के लिए हालांकि यह पहला मौका होगा जब उन्हें रेपेचेज दौर से गुजरना पड़ेगा। ज्यादा खिलाडी इसका हिस्सा होने से बचते हुए अपनी हीट में शीर्ष पर रह कर क्वालीफाई करना चाहेंगे। कई खिलाडियों ने एथलेटिक्स में इसके बारे में कभी नहीं सुना है तो वहीं कुछ ऐसे भी खिलाड़ी है जो सही से इसका उच्चारण नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिकी ओलंपिक ट्रायल में 100 मीटर बाधा दौड़ चैंपियन मसाई रसेल ने कहा, यह एक तरह से मेकअप क्विज (दूसरे मौके) जैसा है। उन्होंने कहा, आप अगर पहले प्रयास में सही नहीं कर सके तो आपके पास एक और मौका होगा। यह वास्तव में अच्छा है क्योंकि रेस में कुछ भी हो सकता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं हालांकि इसका इस्तेमाल करने से बचना चाहूंगा। रेपेचेज को इस्तेमाल नौकायन, कुश्ती और मार्शल आर्ट में होता रहा है लेकिन अब इसका इस्तेमाल ट्रैक स्पर्धाओं में भी होगा। रेपेचेज एक फ्रांसीसी शब्द पर आधारित जिसका अर्थ है दूसरा मौका। इससे पहले अपनी-अपनी हीट में शीर्ष पर रहने के अलावा उन चुनिंदा धावकों को अगले दौर में क्वालीफाई करने का मौका मिलता था जो हीट विजेताओं के अलावा सबसे कम समय में रेस पूरी करते थे। इसमें कुछ हीट में दूसरे स्थान पर रहने वाले धावक आगे बढ़ने से चूक जाते थे। अब नियमों में बदलाव के बाद हर हीट में दूसरे स्थान पर रहने वाले धावक रेपेचेज दौर से सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहेंगे। जब 2022 में रेपेचेज नियम पारित किया गया था तब विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने इसे एक बदलाव कहा था जो इन आयोजनों को एथलीटों के लिए आगे बढ़ने को अधिक सरल बना देगा। इससे प्रशंसकों और प्रसारकों के लिए भी चीजें साफ होंगी। रेपेचेज दौर हालांकि खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण होगी क्योंकि उन्हें एक अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।अमेरिकी 400 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी और पदक के प्रबल दावेदार राय बेंजामिन ने कहा, मैंने वास्तव में इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा है। लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो इतनी गर्मी में मैं इससे बचना चाहूंगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः011-69342500।